हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com रायपुर, रविवार 21 दिसंबर 2025

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹99522/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹121550/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹132683/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels Pandri, Raipur

*Conditions apply

कांकेर में ईसाईयों के खिलाफ माहौल गांव-गांव तक फैला अब 19 गांव में मुनादी, बोर्ड लगे-पादरियों का प्रवेश निषेध

एक गांव से शुरू हुआ अभियान अब बढ़कर 19 गांव तक पहुंच चुका है

कांकेर जिले के बड़ेतेवड़ा गांव में अंतिम संस्कार को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। ग्रामीणों ने प्रार्थना सभागार में तोड़फोड़ की थी और आग लगा दी थी। विवाद को पुलिस ने सूझबूझ से खत्म कराया और वहां फिलहाल शांति है। लेकिन विवाद की आग पूरे कांकेर जिले में फैली हुई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/कांकेर

हरिभूमि फॉलोअप

कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत कुड़ाल गांव से शुरू हुई यह पहल अब जिले के 19 गांवों तक पहुंच चुकी है। गांव के बाहर लगाए गए बोर्डों पर साफ शब्दों में लिखा गया है पास्टर गांव में प्रवेश नहीं कर सकते। बोर्ड पहले एक गांव में लगाया गया, उसके बाद ऐसे गांव की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जहां पादरियों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है।

जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य में ऐसा पहला बोर्ड कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड ग्रांव के कुड़ाल गांव में ग्राम सभा का आयोजन कर ▶▶| शेष पेज 5 पर

19 गांव में लग चुके हैं बोर्ड

कुड़ाल गांव से शुरू हुआ यह सिलसिला जिले के 19 गांवों तक पहुंच चुका है। सूत्र बताते हैं कि आने वाले दिनों में अन्य गांवों में भी इस तरह के प्रस्ताव पारित होने की संभावना है। 19 गांव कुड़ाल, परवी, जनकपुर, भीरागाँव, घोडागाँव, जुनवानी, हवेचुर, घोटा, घोटिया, सुलंगी, टेकाडोढ़ा, बांसला, जामगांव, चारभाठा, मुसुरपुट्टा, धौराभाटा, कुराठेमली, लेंडारा, कोड़ेकुर्से में बोर्ड लग चुके है। वहीं करीब दर्जनभर गांव में इसी तरह के प्रस्ताव लाने और बोर्ड लगाने की तैयारी की जा रही है।

धर्म का विरोध नहीं, धर्मांतरण को रोकने की योजना

बोर्ड जिन गांव में लगे हैं, उनमें अधिकतम सरपंच का यहीं कहना है कि आदिवासी समुदाय के भोले-भाले लोगों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराए जाने से वे चिंतित हैं, पुराने रीति-रिवाजों और सामाजिक ढांचे को खतरा है, इसलिए उन्होंने बोर्ड लगाए हैं ताकि बाहरी पादरी या प्रचारक बिना अनुमति गांव में न आएं। उन्होंने यह भी कहा कि इस निर्णय का लक्ष्य किसी धर्म का विरोध नहीं, बल्कि अनैतिक रूप से किए जा रहे धर्मांतरण को रोकना है।

धर्मांतरित व्यक्ति के शव दफनाने को लेकर बढ़ा विवाद, प्रशासन ने शव को लिया कब्जे में
45 गांवों के लोग हुए इकट्ठे, चर्च फूंका, तोड़फोड़ पथराव में कई पुलिस अफसर-जवान घायल

फैसला किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि यह फैसला किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि गांव की परंपराओं, सामाजिक एकता और संस्कृति की रक्षा के लिए लिया गया है। ग्राम सभा में यह बात सामने आई कि गांव में बाहरी हस्तक्षेप से सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो रहा था, जिसके चलते यह निर्णय जरूरी हो गया। बोर्ड गांव की सीमा पर इस तरह लगाए गए हैं कि बाहर से आने वाला हर व्यक्ति उसे स्पष्ट रूप से देख सके।

खबर संक्षेप

पूर्व अग्निवीरों का कोटा 50 फीसदी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीमा सुरभा बल में कांस्टेबल भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों का कोटा 10 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया है। यह वृद्धि सीमा सुरक्षा बल, जनरल ड्यूटी कैडर भर्ती नियम 2015 में संशोधन के जरिये की गई है। पूर्व अग्निवीरों के पहले बैच को ऊपरी आयु सीमा में पांच साल तक की, जबकि बाकी पूर्व अग्निवीरों को तीन साल की छूट मिलेगी। अधिसूचना में कहा गया है कि पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक मानक परीक्षण और शारीरिक दक्षता परीक्षण से भी छूट दी जाएगी।

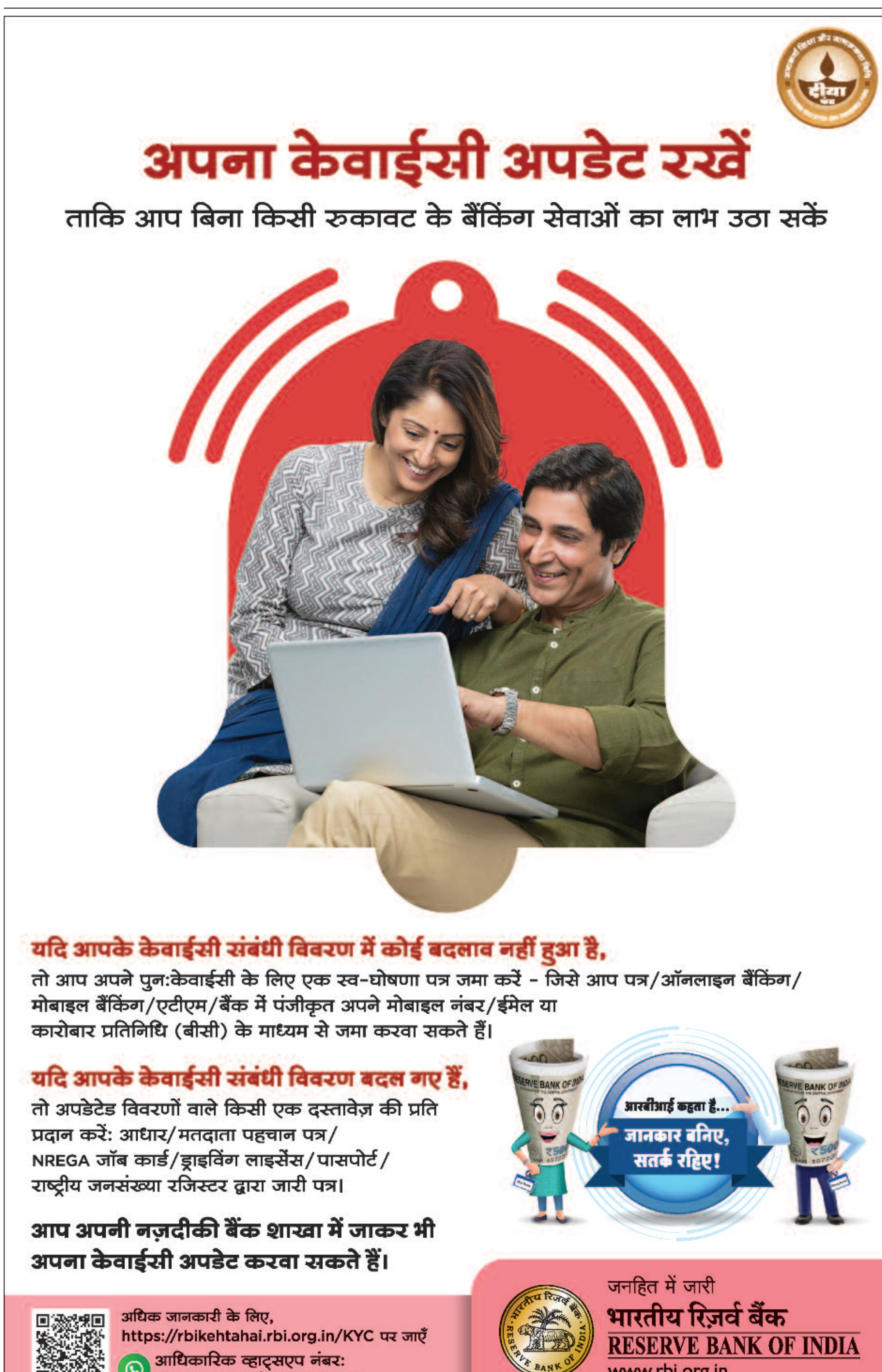

प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रदेश के सौ से ज्यादा नगरीय निकायों में अटल परिसर बनाए हैं। अब इन परिसरों का राजधानी रायपुर से 25 दिसंबर को एक साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय फुंडहर से लोकार्पण करेंगे। यहां पर नगर निगम रायपुर का अटल परिसर बनाया गया है। इस कार्यक्रम में डिप्टी सीएम और नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव भी रहेंगे। इसी के साथ प्रदेश के कुछ मंत्री रायपुर के सांसद, विधायक और महापौर भी रहेंगी।

25 दिसंबर को अटल जयंती पर एक साथ होगा 115 अटल परिसरों का लोकार्पण

फुंडहर में होगा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम अरुण साव रहेंगे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

प्रदेश की भाजपा सरकार और भाजपा नेता यह बात लगातार कहते हैं कि छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने का काम स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। इसी के साथ भाजपा ने नारा भी दिया है हमने बनाया है हम ही संवारेंगे। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद नगरीय निकाय विभाग ने प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसर का निर्माण करवाने का काम किया है। अब इन परिसरों का एक साथ लोकार्पण कराने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए राजधानी रायपुर में ही बड़ा कार्यक्रम किया जा रहा है। यहां पर फुंडहर के अटल परिसर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव एक साथ प्रदेश के सभी अटल परिसरों का लोकार्पण करेंगे।

दुर्ग संभाग में सबसे ज्यादा 31 : प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसर बनाए गए हैं। सबसे ज्यादा दुर्ग संभाग में 31 अटल परिसर बनाए गए हैं। इसमें दुर्ग, भिलाई, रिसाली, भिलाई चरौदा के नगर निगमों के साथ संभाग की नगर पालिकाओं और नगर पंचायतें भी शामिल हैं। रायपुर संभाग में 25 अटल परिसर बनाए गए हैं। इसमें रायपुर और बिरगांव नगर निगम के साथ ही धमतरी, महासमुंद सहित सभी नगर पालिकाएं और नगर पंचायतें शामिल हैं। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर और रायगढ़ नगर निगम के साथ नगर पालिकाएं और नगर नगर पंचायतों को मिलाकर 18 अटल परिसर बने हैं। इसी तरह से बस्तर में 22 और सरगुजा संभाग में 19 नगरीय निकायों में अटल परिसर बनाए गए हैं।

एक टन से ज्यादा वजन की प्रतिमा

नगर निगम जोन 10 कमिश्नरी द्वारा फुंडहर चौक में 50 लाख रुपए की लागत से देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई की कांस्य से निर्मित एक टन से ज्यादा वजन की प्रतिमा लगाई गई है। पाटन थनौद के मूर्तिकार द्वारा निर्मित इस प्रतिमा का लोकार्पण जल्द होगा। 500 वर्गफीट में विकसित इस परिसर को अटल परिसर का नाम दिया गया है। जोन 10 कमिश्नर विवेकानंद दुबे ने बताया कि अटल परिसर में एक सुंदर बगीचा विकसित कर उसे हरा-भरा बनाया गया है। परिसर में प्रकाश व्यवस्था के लिए आकर्षक लाइटें लगवाई गई हैं।

खबर संक्षेप

शिव महापुराण कथा को लेकर आयोजक और टेंट संचालक भिड़े

दुर्ग। शिव महापुराण कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा एक बार फिर चर्चा में है। इस बार उनके कथा स्थल दुर्ग जिले के ग्राम नगपुरा में टेंट संचालक और आयोजन समिति आपस में भिड़ गए। बता दें कि पं.

प्रदीप मिश्रा के कथा स्थल पर डोम शेड और टेंट का काम नागपुर का कर्मा टेंट हाउस करता है। पेमेंट को लेकर टेंट के संचालक नरेंद्र कुमार साहू और आयोजन समिति संयोजिका और जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू, नगपुरा के भूपेंद्र रिंगरी में ठन गई। आरोप है कि टेंट संचालक ने पूरा काम करीब 1.25 करोड़ रुपए में लिया था, लेकिन जिस तरह का काम लिया गया, उसके हिसाब से काम नहीं किया गया। वहीं आयोजन समिति की संयोजिका प्रिया साहू ने बताया कि विवाद जैसी कोई बात नहीं है। टेंट संचालक ने कुछ काम नहीं किए, इसे लेकर समिति के सदस्यों ने आपत्ति की थी।

समर्पित नक्सली छग के बीजापुर, सुकमा व दंतेवाड़ा जिलों के

तेलगांना में 1.46 करोड़ के ईनामी 41 नक्सलियों ने डाला हथियार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

पड़ोसी राज्य तेलगांना के डीजीपी के समक्ष नक्सल संगठन में सक्रिय 41 नक्सलियों ने हथियार डालकर समर्पण कर दिया। समर्पित नक्सलियों पर 1.46 करोड़ रुपए का ईनाम घोषित था। इनमें 39 नक्सली बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा व बीजापुर जिले के निवासी है। समर्पण करने वाले नक्सलियों ने तेलगांना पुलिस के समक्ष 24 अत्याधुनिक हथियार भी सुपुर्द कर दिया। समर्पित नक्सली संगठन में अलग अलग कैडर में थे, जिन्होंने हिंसा का रास्ता त्यागकर मुख्यधारा में शामिल हो गए। तेलगांना पुलिस के मुताबिक इन माओवादियों पर एक करोड़ 46 लाख 30 हजार रुपए का ईनाम घोषित था।

सभी ने पड़ोसी राज्य तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक के सामने 24 अत्याधुनिक हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पण करने वाले माओवादियों में कंपनी प्लाटून समिति के छह वरिष्ठ पदाधिकारियों के सदस्यों के अलावा मंडल समिति सदस्य रैंक (सीवाईपीसीएम, डीवीसीएम, एसीएम) शामिल हैं। इन नक्सलियों ने तेलगांना पुलिस को जो 24 अत्याधुनिक हथियार सौंपे, इनमें एक इंसास एलएमजी, तीन एके-47 राइफल्स, पांच एसएलआर राइफल्स, सात इंसास राइफल्स, एक बीजीएल गन, चार 303 राइफलें, एक सिंगल शॉट राइफल, दो एयरगन समेत अन्य हथियार शामिल है। नक्सलियों के लगातार बड़ी संख्या में समर्पण से संगठन को को एक बार फिर झटका लगा है।

41 में से 39 बस्तर संभाग के

समर्पण करने वाले 41 नक्सलियों में 39 बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा व दंतेवाड़ा जिले के रहने वाले है। तेलंगाना राज्य पुनर्वास नीति के अनुसार डीवीसीएम कैडर के नक्सलियों को 5 लाख रुपए मुआवजा, एसीएम को 4 लाख रुपए तथा पार्टी सदस्यों को 1 लाख रुपए मुआवजा घोषित किया गया है। इसके अलावा नगद प्रोत्साहन के अलावा सौंपे गए हथियार के अनुरूप घोषित प्रोत्साहन राशि भी प्रदान किया जाएगा। समर्पण के दौरान सभी समर्पित नक्सलियों को 25-25 हजार रुपए अंतरिम सहायता राशि प्रदान किया गया।

समर्पित नक्सलियों में यह शामिल

तेलगांना में समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने वाले नक्सलियों में प्लाटून कमाण्डर मड़कम गंगा निवासी पामेड़ बीजापुर के अलावा पीपीसीएम ताती गंगा, कलमु ओयम जोगा, कुंजाम देवा उर्फ दिलीप, कोवासी गंगी, पूनम मड़कम जोगी, मड़कम सोनी उर्फ नंदिनी, डोडी रामे, परसम संतोष, योगेश, वेट्टी मांगी, मड़कम सोमा उर्फ रघु, सोड़ी, पूनम उर्फ राधिका, हेमा, मंगू, पुनेम उर्फ महेश, वंजाम लिंगा उर्फ राजू, ओयाम मंगू उर्फ मासा, कोरसा उर्फ राजू, मड़कम, मड़कम देवा, मुसक्का अदुमे, मदकम जोगा उर्फ सोरू, पूनम सोनी उर्फ राधा, माड़वी जोगी उर्फ रामू, ताती मोती, मड़कम भीमे, देवे, पोडियाम हिड़मे उर्फ विमला, देवे, मासो उर्फ तेजा, माडवी जोगा, माड़वी उरे उर्फ रोशनी, कोवासी, मड़कम सानिया तथा पोड़यिम फगनु शामिल है।

कांग्रेसियों ने दर्ज कराई शिकायत

भूपेश बघेल के खिलाफ आपत्तिजनक प्रश्नावली के सर्वे को लेकर बवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भट्ठी थाना अंतर्गत खुर्सीपार में वार्ड इंडिया थिंग्स राजनगर गाजियाबाज यूपी की कंपनी द्वारा सर्वे किए जाने को लेकर बवाल मच गया है। मामले को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि कंपनी द्वारा सर्वे के आड़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बदनाम करने की साजिश की जा रही है। सर्वे में 22 से 23 प्रश्नों के उत्तर लोगों से लिए जा रहे हैं। इसमें भूपेश बघेल का कोल और शराब घोटाले में नाम सामने आने, उनकी गिरफ्तारी, उनके बेटे चैतन्य को लेकर लगे आरोप सहित अन्य विषयों के बारे में आपत्तिजनक प्रश्न के उत्तर पूछे जा रहे हैं। सर्वे दल में 4 पुरुष और दो महिला हैं। इस जानकारी के बाद पहले सर्वे दल को कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पकड़ा। बाद में पुलिस मौके पर पहुंचे। उन्हें थाने लेकर आई। जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। इस दौरान शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल सहित अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद थे। उन्होंने मामले को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कराई। साथ ही एफआईआर दर्ज नहीं करने की स्थिति में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

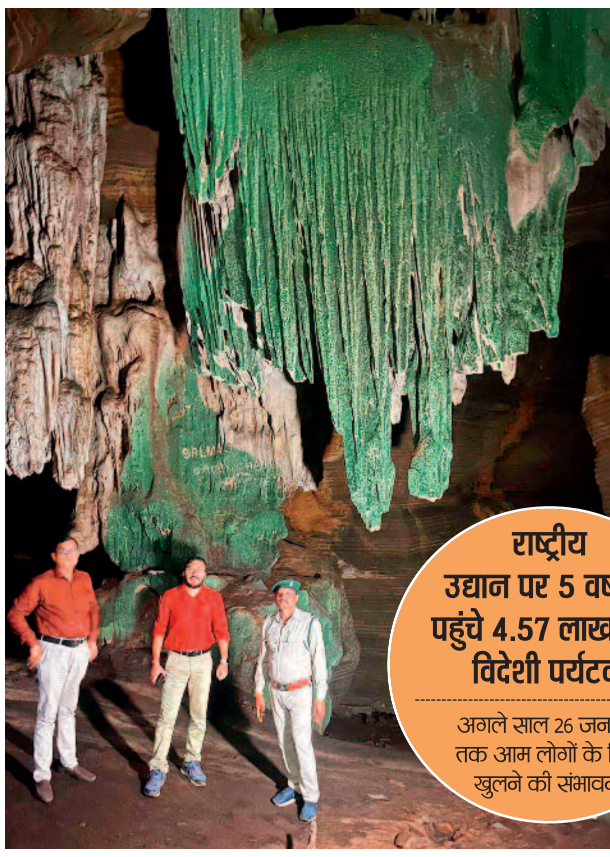

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद खोला जाएगा

राष्ट्रीय उद्यान पर 5 वर्षों में पहुंचे 4.57 लाख देशी विदेशी पर्यटक

अगले साल 26 जनवरी तक आम लोगों के लिए खुलने की संभावना

बस्तर के पर्यटन को नई पहचान देगी रहस्यमयी ग्रीन गुफा

अगले महीने 26 जनवरी से खुलेगी रहस्यमयी ग्रीन गुफा, मुग्ध कर देगी हरी चमकदार परत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर में हाल ही में खोजी गई रहस्यमयी ग्रीन गुफा पर्यटकों के लिए जल्द खुलने वाली है, जो अपनी हरी चमकदार परत, लाइकेन से ढके स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स के लिए प्रसिद्ध है और यह खोज बस्तर के पर्यटन को नई पहचान देगी। यह गुफा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में कुटुमसर गुफा के पास स्थित है और वन विभाग द्वारा इसके पहुंच मार्ग और सुरक्षा व्यवस्था के बाद इसे पर्यटन मानचित्र पर शामिल किया जाएगा।

26 जनवरी तक खोलने की संभावना

कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक नवीन कुमार ने बताया कि ग्रीन गुफा में सीढ़ी एवं पाथ-वे का निर्माण किया जा रहा है। उसके बाद इस गुफा को 26 जनवरी से पर्यटकों के लिए खोला जाने की संभावना है।

चूना-पत्थर की दुर्लभ संरचनाएं (स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स) लाइकेन (काई) से ढकी हरी परत, जो प्रकाश पड़ने पर अलौकिक आभा बिखेरती है। वन विभाग द्वारा पहुंच मार्ग और सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद इसे पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। यह गुफा बस्तर की प्राकृतिक विरासत को और समृद्ध करेगी और पर्यटन को बढ़ावा देगी। पर्यटकों को गुफा के अंदर जाने के लिए कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान सीढ़ी एवं पाथ-वे का निर्माण किया जा रहा है, जिससे पर्यटक आसानी से गुफा के अंदर घुस कर हरी चमकदार परत, लाइकेन से ढके स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स देख पाएंगे। राष्ट्रीय उद्यान में प्रबंधन ▶▶| शेष पेज 5 पर

छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर को पीट-पीटकर मार डाला

हफ्तेभर पहले काम के लिए गया था पलक्कड़

ऐसी नफरत, सक्ती जिले के मजदूर को केरल में बांग्लादेशी समझकर पीटा, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा/सक्ती

सक्ती जिले के ग्राम करही निवासी रामनारायण बघेल करीब एक सप्ताह पूर्व रोजगार की तलाश में केरल के पलक्कड़ गया था। वह वहां काम की तलाश में इधर-उधर घूम रहा था। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने उसे घेर लिया और बांग्लादेशी होने के संदेह में उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि आरोपियों ने बेरहमी से उसकी पिटाई की, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वहां स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, इस मामले में अब तक केरल सरकार या पुलिस प्रशासन द्वारा मृतक के परिजनों के लिए किसी प्रकार के मुआवजे की घोषणा नहीं की गई है, जिससे परिजनों में आक्रोश है। मृतक के परिजनों ने सरकार से ▶▶| शेष पेज 5 पर

छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर को केरल में भीड़ ने 17 दिसंबर को बांग्लादेशी समझकर पीट-पीटकर मार डाला। भीड़ तब तक मजदूर को पीटती रही, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। उसके शरीर का शायद ही कोई ऐसा हिस्सा था, जिस पर चोट के निशान न हों। मृतक की पहचान रामनारायण बघेल, निवासी ग्राम करही के रूप में हुई है।

क्या है मामला

दरअसल, 17 दिसंबर को अट्टापल्लम इलाके में स्थानीय लोगों ने राम नारायण को चोरी के शक में पकड़ा। उसकी बेरहमी से पिटाई की। पुलिस के मुताबिक, राम नारायण नशे की हालत में थे, लेकिन उनके पास से चोरी का कोई सबूत नहीं मिला। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर हितेश शंकर ने बताया कि शरीर का कोई भी हिस्सा बिना चोट के नहीं था। राम नारायण के शरीर पर 80 से ज्यादा चोटों के निशान थे।

हिंदू व्यक्ति की हत्या मामले में सात गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शनिवार को कहा कि हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मैमेनसिंह शहर में गुरुवार को कथित ईशनिंदा को लेकर भीड़ ने दीपू चंद्र दास (25) की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और शव को आग के हवाले कर दिया था। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने 'एक्स' पर लिखा कि रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने मामले में संदिग्ध के तौर पर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। सरकार ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर अभियानों के दौरान गिरफ्तारियां की गईं और गिरफ्तार लोगों की उम्र 19 से 46 साल के बीच है।

इधर, बांग्लादेश में मासूम को जिंदा जलाया

__ढाका।__ बांग्लादेश के लक्ष्मीपुर सदर में शुक्रवार देर रात कुछ उपद्रवियों ने एक घर को बाहर से बंद कर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग में जिंदा जलने से एक 7 साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। यह घर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता बिलाल हुसैन का है। पुलिस के मुताबिक घटना रात करीब 1 बजे की है। आग लगने से बिलाल की 7 साल की बेटी आयशा अख्तर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बिलाल हुसैन और उनकी दो अन्य बेटियां सलमा अख्तर (16) और सामिया अख्तर (14) गंभीर रूप से झुलस गए। बिलाल का इलाज लक्ष्मीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है, जबकि दोनों बेटियों को गंभीर हालत में ढाका भेजा गया है।

असम की घटना, जांच के आदेश

राजधानी एक्सप्रेस ने सात हाथियों को कुचला 5 डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी ▶▶| नगांव/गुवाहाटी

असम के होजाई जिले में शुक्रवार देर रात हाथियों का एक झुंड सायरंग-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया, जिससे सात हाथियों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। ट्रेन के पांच डिब्बे और इंजन भी पटरी से उतर गए। शुरू में सभी आठ हाथियों के मारे जाने की सूचना मिली थी, हालांकि बाद में कहा गया कि उनमें से एक घायल पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि तड़के दो बजकर 17 मिनट पर हुई इस घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना की गहन जांच के आदेश दिए । ▶▶| शेष पेज 5 पर

नौ ट्रेनें रद्द

दुर्घटना के बाद नौ ट्रेन रद्द कर दी गई हैं, 13 ट्रेन को विभिन्न स्थानों पर रोका गया है। दो रेलगाड़ियों की यात्रा गंतव्य से पहले ही समाप्त कर दी गई है। रद्द की गई रेलगाड़ियों में रंगिया-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस, गुवाहाटी-जोरहाट टाउन जन शताब्दी एक्सप्रेस, गुवाहाटी-बदरपुर विस्टाडोम एक्सप्रेस और न्यू तिनसुकिया-रंगिया एक्सप्रेस शामिल हैं। एनएफआर ने कहा, ट्रेन संख्या 15769 (अलीपुरद्वार-मरियानी) डिगारू में ही समाप्त कर दी जाएगी और यह ▶▶| शेष पेज 5 पर

जीतन राम मांझी के वायरल वीडियो पर बिहार में घमासान

'आईएएस ने की हमारे उम्मीदवार को जीत दिलाने में मदद'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह दावा कर रहे हैं कि गया के एक अधिकारी को किए गए फोन कॉल से उनकी पार्टी के एक उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हुई, जो 2020 के विधानसभा चुनावों में लगभग 2700 वोटों से पीछे चल रहे थे। इस वीडियो ने राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है। विपक्ष ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए जांच की मांग की है।

खुलेआम हो रही हेराफेरी : विपक्ष

आरजेडी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुबोध कुमार मेहता ने कहा, 'केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का यह बयान बेहद गंभीर है। उन्होंने एक आईएएस अधिकारी का नाम भी लिया है। बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने बताया, 'मांझी का खुलेआम स्वीकार करना दिखाता है कि चुनाव परिणामों में किस तरह से खुलेआम हेरफेर और प्रभाव डाला जा रहा है। यह दर्शाता है कि मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा नौकरशाही का किस तरह दुरुपयोग किया जा रहा है।'

केंद्रीय मंत्री फोन काल के जरिये जीत मिलने की बात कह रहे

इस वीडियो ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है

वायरल वीडियो में यह कहा

यह वीडियो 14 दिसंबर को 2025 के विधानसभा चुनावों में हम (एस) की जीत के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक समारोह का बताया जा रहा है। इसमें मांझी को यह कहते हुए दिखाया गया है, 'वह (टिकारी हम (एस) उम्मीदवार अनिल कुमार) 2020 के चुनावों में 2600 वोटों से पीछे चल रहे थे, लेकिन मैंने यह सुनिश्चित किया कि वे चुनाव जीतें। इस बार, वे केवल 1600 वोटों से पीछे थे, लेकिन उन्होंने ऐसी कोई विनती नहीं की।' मांझी ने त्रिपुरा में तैनात एक आईएएस अधिकारी का भी नाम लिया, जिन्होंने उनके टिकारी उम्मीदवार को 2020 के चुनावों में 2630 वोटों से जीत दिलाने में मदद की थी। इस बार, अनिल कुमार 2,058 वोटों से हार गए। वीडियो में मांझी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वही उम्मीदवार 2025 के विधानसभा चुनावों में इसलिए हार गए क्योंकि उन्होंने इस बार उनसे इसी तरह की मदद के लिए फोन नहीं किया।

वीडियो के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ की गई है : मांझी

मांझी ने वीडियो की सामग्री को भी खारिज करते हुए दावा किया कि वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश है। उन्होंने कहा- कुछ लोगों को लगता है कि वे मुसहर के बेटे को बदनाम कर देंगे। मैं ऐसे लोगों से कहना चाहता हूं कि अब कोई भी मुसहर के बेटे को अपमानित या मूर्ख नहीं बना सकता। बिहार के उद्योग मंत्री और बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा, 'मैंने मांझी का गया का बिना काटा-छांटा वीडियो देखा था। वह केवल 2020 के चुनावों के दौरान मतगणना की धीमी प्रक्रिया का जिक्र कर रहे थे और बता रहे थे कि कैसे उनके उम्मीदवार अंतिम दौर तक पिछड़ते रहे और अंततः जीत गए।'

खबर संक्षेप

शशि थरूर ने प्रधानमंत्री योजना पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) पर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर, 2021 के बाद से पीएमजेवीके के तहत केरल को फंड ना दिए जाने पर सरकार से सवाल पूछा है। उन्होंने अपने पोस्ट में अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को टैग किया है। थरूर ने लिखा, 'लोकसभा के प्रश्नकाल में पीएमजेवीके पर चर्चा का समय नहीं मिल सका, लेकिन यह हैरान करने वाला है कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने सदन को दिए एक लिखित जवाब में बताया कि 2021 के बाद से केरल को पीएमजेवीके के तहत कोई भी फंड नहीं दिया गया है। थरूर ने कहा कि, यह हाल तब है, जब योजना में 'ज्यादा ध्यान दिए जाने वाले' इलाकों की लिस्ट में केरल के 34 माइनॉरिटी इलाकों को शामिल किया गया है।'थरूर ने केरल के सरकारी स्कूलों की हालत पर चिंता जताई।

गुवाहाटी की जनसभा में बोले प्रधानमंत्री

'कांग्रेस 6-7 दशकों तक गलतियां करती रही, मोदी एक-एक करके सुधार रहा'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गुवाहाटी में शनिवार को जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'कांग्रेस की सरकारों ने असम और पूर्वोत्तर को विकास से दूर रखने का जो पाप किया था उसका बहुत बड़ा खामियाजा देश की एकता, सुरक्षा, अखंडता को उठाना पड़ा।

कांग्रेस की सरकारों में हिंसा का दौर दशकों तक फलता-फूलता रहा। हम केवल 10-11 वर्षों में उसे खत्म करने की ओर बढ़ रहे हैं। पूर्वोत्तर में जो जिले हिंसाग्रस्त माने जाते थे, आज वह आकांक्षी जिलों के रूप में विकसित हो रहे हैं।' 'कांग्रेस 6-7 दशकों तक गलतियां करती रही, मोदी एक-एक करके उन गलतियों को सुधार रहा है।

मेरे लिए असम का विकास जरूरी

पीएम मोदी ने कहा, मेरे लिए असम का विकास जरूरत भी है, जिम्मेदारी भी है और इसकी जवाबदेही भी है। इसलिए बीते 11 वर्षों में असम, पूर्वोत्तर के लिए लाखों-करोड़ो की परियोजनाएं शुरू हुई हैं। असम भारतीय न्याय संहिता लागू करने में नंबर एक राज्य बना है। कांग्रेस के समय असम में बिना पर्ची, बिना खर्ची के सरकारी नौकरी मिलना असंभव था लेकिन आज यहां हजारों युवाओं को बिना पर्ची, बिना खर्ची के नौकरी मिल रही है।'

एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन

बंगाल की चुनावी सभा वर्चुअली की संबोधित

80 फीट ऊंची प्रतिमा का भी अनावरण

पीएम मोदी ने गुवाहाटी में लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन भी किया। यह टर्मिनल करीब 4 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है और देश का पहला प्रकृति आधारित थीम वाला एयरपोर्ट टर्मिनल है। यह एयरपोर्ट असम के पहले मुख्यमंत्री लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई के नाम पर है। एयरपोर्ट परिसर के बाहर उनकी 80 फीट ऊंची प्रतिमा का भी प्रधानमंत्री ने अनावरण किया।

घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रहीं ममता

इसके पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने नादिया जिले में आने वाले राणाघाट की रैली को मोबाइल से संबोधित किया। खराब मौसम के कारण पीएम मोदी का हेलीकॉप्टर लैंड नहीं कर पाया। अपने संबोधन में पीएम ने बंगाल में एसआईआर के दौरान 58 लाख नाम डिलीट किए जाने के बाद बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा, वह (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) उन घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही हैं जो पश्चिम बंगाल पर कब्जा करने पर तुले हुए हैं। टीएमसी घुसपैठियों को बचाने के लिए पश्चिम बंगाल में एसआईआर का विरोध कर रही है। पीएम मोदी ने कहा, टीएमसी भाजपा का विरोध करना चाहती है। उन्हें हमारा जमकर बार-बार, पूरी ताकत से विरोध करने दीजिए। मुझे समझ नहीं आता कि पश्चिम बंगाल के विकास में रुकावट क्यों डाली जा रही है। आप मोदी का विरोध कर सकते हैं, लेकिन बंगाल के लोगों को दुखी मत कीजिए। उन्हें उनके अधिकारों से वंचित मत कीजिए। उनके सपनों को तोड़ने का पाप मत कीजिए।

सरकार ने मनरेगा पर चला दिया बुलडोजर : सोनिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन ने एक्स पर साधा निशाना

कहा- इसने गरीबों को रोजगार और कानूनी हक दिया

कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने मनरेगा बिल पास होने पर कहा, '20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे और उस समय मनरेगा संसद में आम राय से पास हुआ था। इसने गरीबों को रोजगार का कानूनी हक दिया था और इससे ग्राम पंचायतों को ताकत मिली थी। सोनिया गांधी ने कहा कि मनरेगा के जरिए महात्मा गांधी के सपनों की ओर एक ठोस कदम उठाया गया मोदी सरकार ने गरीबों के हितों को कमजोर करने की कोशिश की है हाल ही में सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है कांग्रेस का मनरेगा को लाने और लागू करने में बड़ा योगदान था। यह देशहित और जनहित से जुड़ी योजना थी। मोदी सरकार ने इससे गरीबों के हितों पर हमला किया है।

'वंचितों की रोजी-रोटी का जरिया'

गांधी ने अपने एक्स पर लिखा, 'भाई और बहनों.. नमस्कार! मुझे आज भी याद है, 20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे, तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पास किया गया था। यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था, जिसका फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला था। खासतौर पर वंचित, शोषित, गरीब और अतिगरीब लोगों के लिए रोजी-रोटी का जरिया बना।'कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि रोजगार के लिए अपनी माटी, अपना गांव, अपना घर-परिवार छोड़कर पलायन करने पर रोक लगी। रोजगार का कानूनी हक़ दिया गया, साथ ही ग्राम पंचायतों को ताकत मिली। मनरेगा के जरिए महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों के भारत की ओर एक ठोस कदम उठाया गया।

यह पार्टी से जुड़ा मामला कभी नहीं था

गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस का मनरेगा को लाने और लागू करने में बड़ा योगदान था, लेकिन यह पार्टी से जुड़ा मामला कभी नहीं था। ये देशहित और जनहित से जुड़ी योजना थी। मोदी सरकार ने इस कानून को कमजोर करके देश के करोड़ों किसानों, श्रमिकों और भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि इस हमले का मुकाबला करने के लिए हम सब तैयार हैं। 20 साल पहले अपने गरीब भाई-बहनों को रोजगार का अधिकार दिलवाने के लिए मैं भी लड़ी थी, आज भी इस काले कानून के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूं। गांधी ने आगे कहा कि मेरे जैसे कांग्रेस के सभी नेता और लाखों कार्यकर्ता आपके साथ खड़े हैं। जय हिंद।

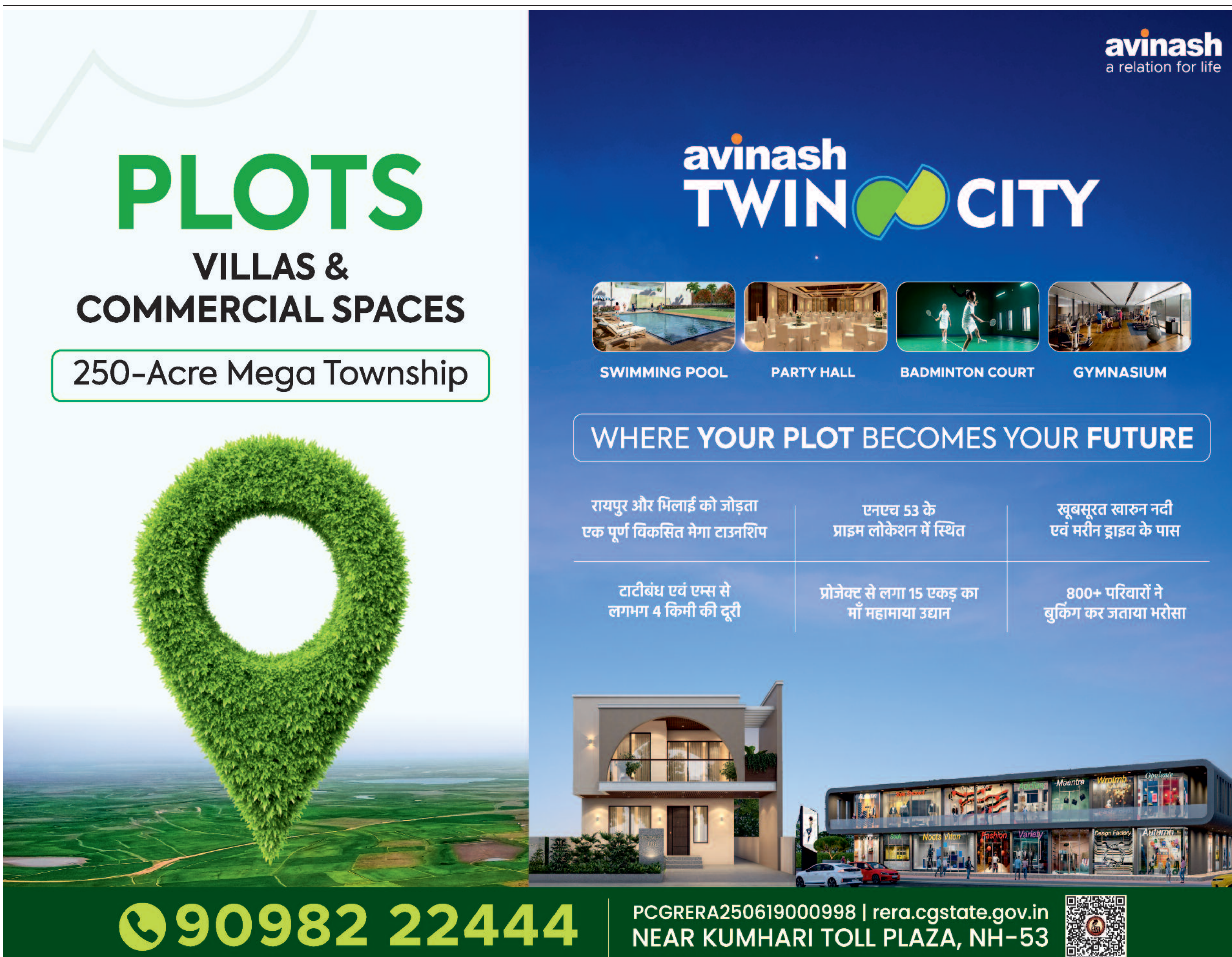

रायपुर
रविवार, 21 दिसंबर 2025
पौष शुक्ल पक्ष द्वितीय
वर्ष : 24, अंक : 152
पृष्ठ : 14+8 = 22 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 27.0
न्यून. 13.0

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

3 मेरा किरदार मजबूत और
आज कल
2 भरोसे की कसौटी पर 'जी राम जी'

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

गिल बाहर, ईशान और रिंकू को मौका

राष्ट्रीय चयन समिति ने प्रतिष्ठा के बजाय वर्तमान की फॉर्म को प्राथमिकता देते हुए रन बनाने के लिए जूझ रहे स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं दी और विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के साथ रिंकू सिंह को वापस टीम में शामिल किया। मुंबई में हुई चयन समिति की बैठक में गिल को टीम से बाहर रखना सबसे दिलचस्प फैसला रहा, हालांकि उनकी फॉर्म को देखते हुए यह बहुत हैरानी भरा नहीं था।

एजेंसी ⏭ मुंबई

गिल को बाहर किए जाने के बाद उनके स्थान पर ऑलराउंडर अक्षर पटेल को उप कप्तान नियुक्त किया गया है। टेस्ट और वनडे में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाजों में से एक होने के बावजूद गिल टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में विशेष रूप से सलामी बल्लेबाज के रूप में एक निश्चित भूमिका निभाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में भारतीय चयनकर्ताओं ने किसी खिलाड़ी की प्रतिष्ठा के बजाय विशेष प्रभाव छोड़ने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता देना उचित समझा। पावरप्ले में गिल के स्ट्राइक रेट को लेकर चिंताएं और बेहतर विकल्प मौजूद होने का असर उन पर पड़ा।

इसलिए इन्हें मिला मौका

भारत ने शीर्ष और मध्य क्रम को मजबूत करते हुए अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार, तिलक वर्मा और किशन को टीम में शामिल किया है। रिंकू की मौजूदगी दबाव झेलने और अंतिम ओवरों में विस्फोटक बल्लेबाजी करने वाले विशेषज्ञ फिनिशर के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हार्दिक पंड्या एक बार फिर अंतिम एकादश को संतुलन प्रदान करेंगे जिसमें शिवम दुबे उनका साथ देंगे, जिनकी स्पिनरों को निशाना बनाने की क्षमता टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गई है। अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की जोड़ी विविधता, नियंत्रण और बल्लेबाजी की गहराई प्रदान करेगी।

इसलिए बाहर हुए गिल

गिल को टीम से बाहर किए जाने पर कप्तान सूर्यकुमार ने कहा, यह गिल की फॉर्म की बात नहीं है। हम चाहते थे कि शीर्ष क्रम में एक अच्छा विकेटकीपर हो। किशन को टीम में शामिल किए जाने का मतलब है कि प्रतिभाशाली यशस्वी जायसवाल टीम में जगह बनाने का मौका चूक गए, वहीं जितेश ने भी टीम में अपनी जगह गंवा दी।

15 सदस्यीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह।

अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े लाखों सबूत जारी

स्विमिंग पूल में नहाते दिखे बिल क्लिंटन माइकल जैक्सन की भी तस्वीर आई सामने

अमेरिकी हेज फंड मैनेजर और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े लाखों सबूतों जारी हो रहे हैं। इनमें चिट्ठियों, ईमेल, फोन रिकॉर्ड्स, तस्वीरें, गवाहों के बयान और अन्य ब्योरे शामिल हैं। शनिवार तक एपस्टीन से जुड़े कई दस्तावेज बाहर आ चुके हैं। फाइल्स में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की एक धुंधली तस्वीर भी शामिल है, जिसमें वह 'हॉट टब' में नजर आ रहे हैं।

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

एपस्टीन से जुड़ी जो फाइल्स जारी हुई हैं, उनमें हजारों तस्वीरें और जांच में शामिल रहे दस्तावेज हैं। हालांकि, इनमें खुद जेफ्री एपस्टीन के बारे में ऐसी कोई जानकारी या खुलासा नहीं है, जो कि सार्वजनिक मंचों पर अब तक सामने न आया हो। इसके अलावा फाइल्स में एपस्टीन के अमीर और ताकतवर व्यापारियों या नेताओं से संपर्क की खास जानकारी भी नहीं है।

इन दस्तावेजों में मुख्यतः अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, ब्रिटेन की दिवंगत महारानी रहीं एलिजाबेथ-II के बेटे एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर और गायक मिक जैगर और माइकल जैक्सन भी शामिल हैं। हालांकि, इन तस्वीरों में नेताओं और सेलिब्रिटीज का दिखना उनके एपस्टीन के साथ किसी गलत काम में जुड़े होने का संकेत नहीं है। इससे पहले भी कई नेता और चर्चित चेहरे एपस्टीन ⏭ शेष पेज 5 पर

पीटर मैंडेलसन ब्रिटिश राजनयिक

ब्रिटेन के पूर्व राजनयिक पीटर मैंडेलसन की एक तस्वीर भी एपस्टीन फाइल्स के पहले बैच में शामिल है। मैंडेलसन को एपस्टीन से जुड़ाव की बात सामने आने के बाद इसी साल अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत के पद से हटाया गया था। तस्वीर में एपस्टीन और मैंडेलसन को एक बड़े बर्थडे केक के पास देखा जा सकता है। हालांकि, इसकी तारीख का खुलासा नहीं हुआ है।

सेलिब्रिटीः माइकल जैक्सन, मिक जैगर, क्रिस टकर और डायना रॉस

फाइल्स में एपस्टीन की दिवंगत पॉप सुपरस्टार माइकल जैक्सन के साथ तस्वीरें भी हैं। इनमें एक तस्वीर में माइकल जैक्सन को सूट पहने और एपस्टीन को हुडी जैकेट में देखा जा सकता है। एक और फोटो में जैक्सन को बिल क्लिंटन और डायना रॉस के साथ भी देखा गया। यह सभी छोटे से इलाके में खड़े होकर फोटो खिंचा रहे हैं और कई और लोगों के चेहरों को फोटो में छिपा दिया गया है। माइकल जैक्सन की तरह ही 'द रोलिंग स्टोन्स' बैंड के मिक जैगर को भी एक तस्वीर में बिल क्लिंटन और एक महिला (जिनका चेहरा छिपाया गया है) के साथ दिखाया गया।

शाही परिवार से जुड़े एंड्रयू विंडसर

एपस्टीन फाइल्स में ब्रिटिश शाही परिवार के सदस्य रहे एंड्रयू माउंटबैटन विंडसर की तस्वीरें शामिल हैं। एक तस्वीर में उन्हें पांच लड़कियों की गोद में लेटे दिखाया गया है। इन सभी लड़कियों की पहचान छिपा दी गई है। एपस्टीन की करीबी रहीं गिस्लेन मैक्सवेल इसी तस्वीर में पीछे खड़ी देखी जा सकती हैं। बता दें कि एंड्रयू विंडसर कई बार एपस्टीन के साथ करीबी को लेकर घेरे जा चुके हैं। उनकी पहले भी कई तस्वीरें सामने आई हैं। हालांकि, एंड्रयू ने किसी भी तरह के गलत काम से इनकार किया। यह बात और है कि एपस्टीन मामले से जुड़ी एक पीड़िता ने एंड्रयू पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे और मामले को खत्म करने के लिए एंड्रयू पर उसे करोड़ों की राशि देने की भी बात सार्वजनिक है। इसी साल ब्रिटेन के शाही परिवार ने उनसे प्रिंस का उपाधि छीन ली थी।

दिल्ली हवाई अड्डे ने जारी की एडवायजरी

दिल्ली में कोहरे का कहर 125 से ज्यादा उड़ानें रद्द

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

घने कोहरे के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर शनिवार को 129 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। रद्द की गई उड़ानों में हवाई अड्डे पर आने वाली 66 और प्रस्थान करने वाली 63 उड़ानें शामिल हैं। घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण बीते कई दिन से दिल्ली समेत अन्य हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन प्रभावित हो रहा है। प्रतिदिन करीब 1,300 उड़ानों का संचालन होता है।

डीजीसीए ने जारी किए निर्देश

शनिवार सुबह दिल्ली के कई इलाकों में दृश्यता 200 मीटर के करीब रही। मौसम विभाग ने दिल्ली में कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है और कहा है कि पूरे दिन दृश्यता कम रह सकती है। इंडिगो मामले में हंगामे के बाद सरकार भी हवाई सेवाओं को लेकर सक्रियता बरत रही है।

जुआरी जंगल में चला रहे थे फड़ लापरवाही पर टीआई निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पड़ोसी जिला जांजगीर चांपा से बड़ी संख्या में जुआरी करतला के जंगल में पहुंचते थे और जुए के गोरख धंधे को अंजाम देते थे। जिला पुलिस की एक संयुक्त टीम ने जंगल में दबिश दी, जहां जुआ खेलते हुए 20 जुआरी से ढाई लाख रूपए नकद, 52 पत्ती ताश, मोबाइल, मोटरसायकल, चार पहिया वाहन जब्त किया है। जुआरियों के खिलाफ पुलिस ने धारा ⏭ शेष पेज 5 पर

इन आरोपियों के खिलाफ हुई कार्यवाही

पुलिस ने जिले की सायबर सेल उरगा व रजगामार चौकी पुलिस की संयुक्त टीम भेलवाटार में छापा मारा था, जहां जुआ खेलते हुए पड़ोसी जिला जांजगीर चांपा कृष्ण कुमार साहू पिता स्व. महेत्तर लाल साहू उम्र 36, कुसमुंडा निवासी अभय कुमार लांझी पिता राजू लाझी उम्र 24 वर्ष, अछीमार लाईन रामपुर निवासी ⏭ शेष पेज 5 पर

नकाबपोश लुटेरा हुआ चंपत

पंजाब नेशनल बैंक की एटीएम में दिनदहाड़े लूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

आज सुबह मिनी माता चौक के पास पंजाब नेशनल बैंक के सामने स्थित एटीएम में नकदी रकम डाल रही महिला बैंक कर्मियों से अज्ञात लुटेरे नोटों का बंडल लूट कर फरार हो गए। लूटी गई रकम 57 हजार 2 सौ रुपए बताई जा रही है। इस संबंध में यह जानकारी मिली कि शनिवार की सुबह पंजाब नेशनल बैंक के सामने स्थित एटीएम में दो महिला ⏭ शेष पेज 5 पर

लीपा पोती की कोशिश

पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में हुई लूट की घटना के बाद बैंक प्रबंधन के द्वारा प्रारंभ में पूरे लूट कांड पर लीपा पोती करने की का प्रयास किया गया लेकिन सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर स्पष्ट रूप से नकाबपोश लूटेरे के द्वारा रकम लेकर भागने का दृश्य दिखने एवं मीडिया कर्मियों के द्वारा ⏭ शेष पेज 5 पर

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बैठक से मिली जानकारी

आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे भारत-नीदरलैंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के मुश्किल दौर में नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर की नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वेन वील के एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं के अलावा साझा हितों से संबंधित क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि बैठक में दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जारी प्रमुख गतिविधियों, यूक्रेन, दक्षिण-एशिया-पश्चिम-एशिया और मध्य एशिया के हालातों के साथ-साथ कई अन्य क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। ⏭ शेष पेज 5 पर

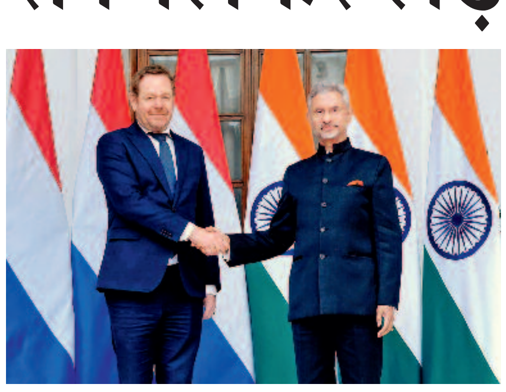

व्यापार-निवेश को बढ़ावा मिलेगा

मंत्रालय ने बताया कि नीदरलैंड के विदेश मंत्री की यह भारत यात्रा जहां एक ओर दोनों देशों के बीच निरंतर आधार पर किए जाने वाले उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान को प्रदर्शित करती है। साथ ही ये भारत-नीदरलैंड के बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को भी और अधिक मजबूती प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आतंकवाद किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं : भारत

बैठक में नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने राजधानी दिल्ली में बीते वक्त में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी ओर से संवेदनाएं प्रकट की हैं। इसके अलावा दोनों पक्षों ने आतंकवाद की उसके सभी रूपों, प्रकारों और अभिव्यक्तियों की सख्त अंदाज में निंदा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इस वैश्विक चुनौती से मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को व्यापक और सतत रूप से मजबूत बनाने की आवश्यकता है। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ बनी हुई मौजूदा शून्य सहिष्णुता की नीति को भी मजबूती के साथ दोहराया।

एआई सम्मेलन में होगी नीदरलैंड की भागीदारी

बैठक में भारतीय पक्ष ने अगले साल फरवरी महीने में नई दिल्ली में आयोजित किए जाने वाले एआई सम्मेलन में नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कॉफ का स्वागत करने की प्रतीक्षा करने का जिक्र किया। वहीं, डच पक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नीदरलैंड की आधिकारिक यात्रा के लिए निमंत्रण दिया है। जिससे द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। दोनों पक्षों ने साझेदारी से जुड़े हुए नए और उभरते हुए क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने पर सहमति दी होंगे। जिसमें सेमीकंडक्टर, रक्षा, डिजिटल, एआई, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, शिक्षा, मोबिलिटी मुख्य हैं।

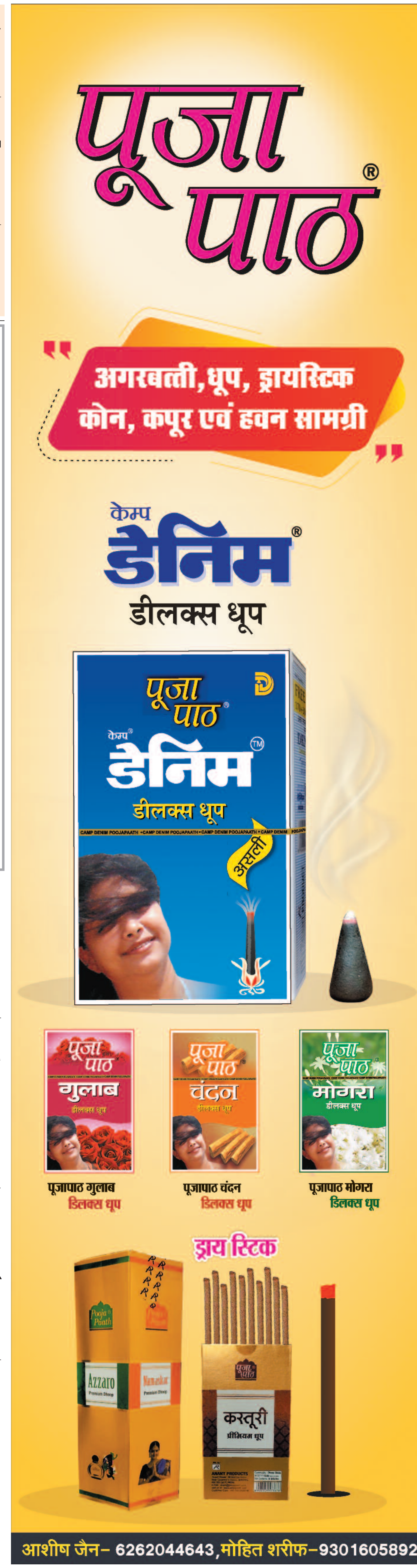

केंद्र सरकार का 'विकसित भारत- जी राम जी' बिल आखिर संसद में पारित हो गया। सत्ता पक्ष का तर्क है कि मनरेगा में समय के साथ कई संरचनात्मक खामियां पैदा हो गई थीं, जिनका लाभ भ्रष्ट तत्वों ने उठाया। नए विधेयक के जरिए सरकार मजदूरों को अधिक काम, बेहतर भुगतान व्यवस्था और पारदर्शिता देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। अब काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, तो यह मजदूरों के लिए सकारात्मक कदम होगा। उधर, प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने इसके नाम परिवर्तन पर विरोध जताया है। कांग्रेस का आरोप है कि इस योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता का अपमान है। वहीं, विपक्ष ने यह आशंका भी जताई कि धीरे-धीरे यह योजना अपने मूल स्वरूप से दूर हो जाएगी और भविष्य में इसे समाप्त करने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। अब असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, संसद की बहस और राजनीतिक घमासान के बीच देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। इसी मुद्दे का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

भरोसे की कसौटी पर 'जी राम जी'

विश्लेषण

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

आखिरकार लंबी और तीखी राजनीतिक बहस के बाद 'जी राम जी' विधेयक लोकसभा में पारित हो गया। मजदूरों के हित में लाए गए इस विधेयक को केंद्र सरकार मनरेगा का उन्नत और पारदर्शी विकल्प बता रही है, जबकि विपक्ष इसे एक लोकप्रिय योजना को कमजोर करने और महात्मा गांधी के नाम को हटाने का राजनीतिक प्रयास मान रहा है। संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का शोर, धक्का–मुक्की और आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिले, उसने यह साफ कर दिया कि यह केवल एक प्रशासनिक सुधार का मुद्दा नहीं, बल्कि विचारधारा और राजनीति से भी गहराई से जुड़ा विषय है। सत्ता पक्ष का तर्क है कि 'विकसित भारत जी राम जी विधेयक 2025' के जरिए सरकार मजदूरों को अधिक काम, बेहतर भुगतान व्यवस्था और पारदर्शिता देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सरकार का दावा है कि मनरेगा में समय के साथ कई संरचनात्मक खामियां पैदा हो गई थीं, जिनका लाभ भ्रष्ट तत्वों ने उठाया। अनियमितताएं बढ़ीं।

मजदूरों के हित में लाए गए 'विकसित भारत जी राम जी विधेयक को केंद्र सरकार मनरेगा का उन्नत और पारदर्शी विकल्प बता रही है, जबकि विपक्ष इसे लोकप्रिय योजना को कमजोर करने और महात्मा गांधी के नाम को हटाने का राजनीतिक प्रयास मान रहा है। संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का शोर और आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिले, उसने यह साफ कर दिया कि यह केवल एक प्रशासनिक सुधार का मुद्दा नहीं, बल्कि विचारधारा और राजनीति से भी गहराई से जुड़ा विषय है। उम्मीद करें कि मेहनतकश व्यक्ति को उनका सम्मानजनक रोजगार और सुरक्षित भविष्य मिलेगा।

नाम परिवर्तन पर विपक्ष नाराज

मजदूरी और निर्माण सामग्री के अनुपात में गड़बड़ी, फर्जी जॉब कार्ड, भुगतान में देरी और राज्यों में धन के दुरुपयोग जैसे आरोप लंबे समय से सामने आते रहे हैं। सरकार का कहना है कि नए विधेयक में तकनीक, निगरानी और जवाबदेही को मजबूत किया गया है, ताकि गरीब मजदूर तक योजना का वास्तविक लाभ पहुंचे।

वहीं विपक्ष की आपत्ति का केंद्र केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि नाम परिवर्तन भी है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार योजनाओं के नाम बदलने में ज्यादा रुचि रखती है, बजाय उनके प्रभावी क्रियान्वयन के। उनका कहना है कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि उस विचारधारा को कमजोर करने का प्रयास है, जो गांव, श्रम और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखती है। विपक्ष ने यह आशंका भी जताई कि धीरे-धीरे यह योजना अपने मूल स्वरूप से दूर हो जाएगी और भविष्य में इसे समाप्त करने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। इसी कारण विपक्ष ने विधेयक को स्थायी समिति में भेजने की मांग की, ताकि विस्तृत चर्चा और संशोधन हो सकें, लेकिन यह मांग लोकसभा में खारिज कर दी गई। सरकार ने विपक्ष के इन आरोपों का तीखा जवाब दिया।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सदन में कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया, जबकि उनके आदर्शों को जमीन पर लागू नहीं किया। उन्होंने याद दिलाया कि मनरेगा का मूल नाम 'नरेगा' था और 2009 के चुनाव से पहले इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा गया।

सरकार का दावा है कि मोदी सरकार ने गांधी के ग्राम स्वराज, स्वावलंबन और श्रम की गरिमा के विचारों को वास्तविक नीतियों में उतारने का प्रयास किया है। चौहान ने आंकड़ों के जरिए यह भी बताया कि कांग्रेस शासन के दौरान जहां 1660 करोड़ श्रम दिवस सृजित हुए, वहीं मौजूदा सरकार के दौरान यह आंकड़ा 3210 करोड़ तक पहुंचा। महिलाओं की भागीदारी भी 48 प्रतिशत से बढ़कर 56.73 प्रतिशत होने का दावा किया गया। सरकार की एक बड़ी दलील यह भी रही कि मनरेगा में मजदूरी और सामग्री खर्च का संतुलन कई राज्यों में बिगड़ा हुआ था। नियमों के अनुसार जहां 60 प्रतिशत राशि मजदूरी पर खर्च होनी चाहिए थी, वहां कई राज्यों में यह अनुपात कम कर दिया गया और सामग्री पर बेहद कम खर्च दिखाया गया। इससे न केवल काम की गुणवत्ता प्रभावित हुई, बल्कि भ्रष्टाचार के रास्ते भी खुले।

लूट-खसोट पर लगाम लगेगी

सरकार का कहना है कि 'जी राम जी' विधेयक में इन खामियों को दूर करने के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं और तकनीकी निगरानी से लूट-खसोट पर लगाम लगेगी। हालांकि विपक्ष का यह सवाल भी वाजिब है कि किसी योजना की आत्मा केवल नियमों से नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और ईमानदार क्रियान्वयन से तय होती है। मनरेगा ने अपने शुरुआती वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल दिया, पलायन को रोका और संकट के समय लाखों परिवारों के लिए सुरक्षा कवच का काम किया। कोरोना काल में भी इस योजना ने ग्रामीण भारत को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे में विपक्ष का डर है कि बदलाव की आड़ में यदि योजना की पहुंच या अधिकार कमजोर हुए, तो इसका सीधा असर सबसे गरीब वर्ग पर पड़ेगा। विपक्ष दलों ने संसद से सड़क तक इस विधेयक को लेकर विरोध जताया। कहा, महात्मा गांधी का नाम हटाकर सरकार ने उचित नहीं किया। विपक्ष ने इसे गांधी का अपमान भी बताया। सच यह भी है कि मनरेगा जैसी बड़ी योजना में खामियां रही हैं और कुछ राज्यों में केंद्र व राज्य-दोनों की जिम्मेदारी तय होती है। भुगतान में देरी, काम की उपलब्धता और निगरानी की समस्याएं वास्तविक रही हैं।

अब 125 दिन काम की गारंटी

यदि नया विधेयक इन समस्याओं को दूर करता है और सरकार का यह दावा सही साबित होता है कि अब काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, तो यह मजदूरों के लिए सकारात्मक कदम होगा। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि पारदर्शिता केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर भी दिखे। आखिरकार 'जी राम जी' विधेयक केवल नाम परिवर्तन या राजनीतिक जीत–हार का मुद्दा नहीं होना चाहिए। यह करोड़ों ग्रामीण मजदूरों की रोजी–रोटी से जुड़ा सवाल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष-दोनों को चाहिए कि वे जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने के बजाय इसके क्रियान्वयन पर नजर रखें।

सुरक्षित भविष्य की उम्मीद

यदि सरकार वास्तव में गांधी के आदर्शों को जीवित रखने और विकसित गांव की नींव पर विकसित भारत बनाने का दावा कर रही है, तो उसे इस विधेयक को पूरी ईमानदारी से लागू करना होगा। वहीं विपक्ष की भूमिका भी केवल विरोध तक सीमित न रहकर रचनात्मक सुझाव देने की होनी चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि नए नाम और नए ढांचे के साथ यह योजना मजदूरों के काम के अधिकार को मजबूत करेगी, गांवों में टिकाऊ विकास को बढ़ावा देगी और राजनीति से ऊपर उठकर उस उद्देश्य को पूरा करेगी। उम्मीद करनी चाहिए कि मेहनतकश व्यक्ति को उनका सम्मानजनक रोजगार और सुरक्षित भविष्य मिलेगा।

नाम बदलने के साथ हकीकत भी बदले

नई योजना

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

शेक्सपियर के मशहूर नाटक रोमियो एंड जूलियट की एक लाइन है, जिसका अर्थ है- नाम में क्या रखा है। आज अगर शेक्सपियर होते तो भारत की संसद उन्हें बताती कि शेक्सपियर महोदय, नाम में बहुत कुछ रखा है। संसद अब सिर्फ नाम पर ही बहस करेगी क्योंकि मौजूदा नरेंद्र मोदी सरकार ने मनमोहन सरकार द्वारा लाई गई योजना महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) का नाम बदलकर विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी राम जी) कर दिया है। बहरहाल, विपक्ष ने इसका विरोध बिल के प्रावधानों के साथ ही ये कहकर भी किया कि महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता का अपमान है। ये पहली बार नहीं है जब मोदी सरकार पुरानी योजनाओं की जगह नए नाम के साथ स्कीम लाई हो। योजनाओं के नाम के साथ ही शहरों के नाम, सड़कों के नाम, जगहों के नाम बदले गए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि 1975 से 2013 के बीच शुरू की गई 32 योजनाओं को मोदी सरकार ने नाम बदलकर लॉन्च किया। वह सरकार पर पुरानी योजनाओं की रीपैकेजिंग और रीब्रैंडिंग का इल्जाम लगाती रही है। गांधीजी का नाम हटाना उनकी विरासत को मिटाने की कोशिश है। सिर्फ नाम बदलकर क्रेडिट लेने की मांग है जबकि पहले मोदीजी इसे फेलियर का स्मारक कहते थे। जबकि सरकार का कहना है कि यह विकसित भारत 2047 के विजन से जुड़ा है और गांधीजी के विचारों से कोई विरोध नहीं है। नए कानून की सबसे बड़ी घोषणा है कि ग्रामीण परिवारों को मिलने वाले गारंटीड रोजगार के दिन 100 से बढ़ाकर 125 कर दिए जाएंगे। 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार मिलने से उनकी आय में इजाफा होगा, साथ ही रोजगार सृजन के नए तरीके विकसित होंगे। पहली नजर में यह फैसला राहत भरा लगता है, लेकिन इसके साथ एक बड़ा बदलाव भी जुड़ा है। अब इस योजना का पूरा खर्च केंद्र सरकार नहीं उठाएगी। राज्यों को 10 से 40 प्रतिशत तक खर्च अपनी जेब से देना होगा। यानी जहां पहले मनरेगा पूरी तरह केंद्र प्रायोजित योजना थी, अब राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ने वाला है। जमीनी हकीकत यही है कि गरीब राज्य यह योजना लागू नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनके पास वित्तीय बोझ उठाने की क्षमता नहीं होगी और केन्द्र ने पहले ही खुद को यह कहकर निकल लेने का जुगाड़ कर लिया है। 'जी राम जी' बिल में एक और अहम प्रावधान है। बुवाई और कटाई के मौसम के दौरान करीब 60 दिन तक इस योजना के तहत काम नहीं दिया जाएगा। सरकार का तर्क है कि इससे खेती के समय मजदूरों की कमी नहीं होगी और किसान परेशान नहीं होंगे। विपक्ष का कहना है कि इससे गरीब मजदूरों को महीनों तक काम से वंचित रहना पड़ेगा। वहीं, मोदी सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने और रोजगार के दिनों की संख्या बढ़ाने का फैसला पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए भी अहम माना जा रहा है।

असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है।

अब नए बिल से सरकार विपक्ष के इस आरोप का जवाब देने की कोशिश करेगी। यह योजना बीजेपी और पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी के बीच राजनीतिक विवाद का मुद्दा बनी हुई है, क्योंकि केंद्र ने कथित वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते हुए 2022 से पश्चिम बंगाल को निधि देना रोक रखा था। खैर, सियासत अपनी जगह है, लेकिन हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मांग के अनुरूप 100 दिनों का काम उपलब्ध कराने के अनिवार्य दायित्व के बावजूद, प्रति वर्ष 50-55 दिनों से ज्यादा काम उपलब्ध कराने में लगातार विफल रही है। यह स्थिति तब है जब नौकरियों की मांग लगातार बढ़ी है और ग्रामीण क्षेत्रों का संकट और ज्यादा गहराया है। दूसरी तरफ, मनरेगा के लिए बजट आवंटन में लगातार कटौती की गई है। मनरेगा का उद्देश्य केवल रोजगार प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, तालाब निर्माण और वृक्षारोपण जैसी अवसंरचनात्मक परियोजनाएं कराकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना भी है। बेशक, 'जी राम जी' के नाम, काम के दिन और ढांचे में बदलाव जरूर बड़ा है, लेकिन असली सवाल यही है कि क्या इससे गांवों में रोजगार की स्थिति सच में सुधरेगी। अनुभव बताता है कि सिर्फ नाम बदलने और कागजी गारंटी बढ़ाने से जमीन पर बदलाव नहीं आता। असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, संसद की बहस और राजनीतिक घमासान के बीच देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है।

उपयोगी सिद्ध होगी केंद्र सरकार की योजना

सार्थकता

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

देश के अधिसंख्यक नागरिकों, मतदाताओं व लोगों की दृष्टि में अस्तित्वहीन विपक्ष के अति अराजक प्रतिरोध के बाद अंततः 18 दिसंबर 2025 को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' लोकसभा में अधिमतों के साथ पारित हो गया। एक दिन पूर्व सभासदन में इस विधेयक पर व्यापक चर्चा हुई। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शीतकालीन सत्र में संसदीय पटल पर रखा गया विधेयक कांग्रेस समेत अन्य दलों के सांसदों को रास नहीं आया। विपक्ष का विरोधी आचरण मात्र विरोध के लिए दिखाई दिया।

विपक्षी सांसदों ने जो बातें उठाईं, उनकी कहीं कोई सार्थक उपयुक्तता नहीं दिखाई दी। उल्लेखनीय है कि पारित विधेयक 25 वर्ष पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा। हल्ला करने, बड़बोला आचरण दिखाने तथा देश के सभ्य नागरिकों की दृष्टि में स्वयं को अधिक से अधिक पतित करते हुए कहने को तो विपक्ष मनरेगा के नाम परिवर्तन को महात्मा गांधी के अपमान से जोड़ रहा है, पर विचार करने वाली बात ये है कि अखिल भारतीय रोजगार गारंटी की योजना का अपेक्षित क्रियान्वयन किसी व्यक्ति के नाम के साथ जुड़े रहने से होगा अथवा वर्तमान सत्ता, शासन-प्रशासन द्वारा लोकतांत्रिक निष्ठा के साथ इसके उपयोगी अद्यतनीकरण से होगा। विधेयक के महत्त्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक है रोजगार दिवसों में 100 के स्थान पर 125 दिवसों की वृद्धि। मनरेगा को जी राम जी नाम के साथ अद्यतन करने वाले विधेयक पर सामान्य नागरिकों की पहली प्रतिक्रिया तो यही होगी कि यह इतना गंभीर विषय नहीं था, जो संसद से लेकर सड़क तक विरोध के नाम पर विरोध करके फैलाया व उठाया जाए। कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार के दो पंचवर्षीय कार्यकाल में मनरेगा से जुड़ा भ्रष्टाचार आये दिन लोगों के बीच चर्चा का विषय हुआ करता था। लोग कैसे भूल सकते हैं कि केंद्रीय शासन-प्रशासन से लेकर ग्रामों के प्रधानों तक ने आभासी मनरेगा रोजगार दिखाकर करोड़ों की धनराशि का हेरफेर किया था। अवैध घुसपैठियों को मनरेगा रोजगार के पत्र मिले हुए थे। धरातल पर इनमें से कोई भी व्यक्ति कोई रोजगार या कार्य नहीं करता था, किंतु इनके नाम पर धनाबंटन होता रहा और अवैध तंत्र में ऊपर से नीचे तक परस्पर विभाजित होता रहा। इस समय भारतीय संसद में विपक्ष का अस्तित्व शून्यगति को प्राप्त है। बात यदि जनता के हित की है, तो वो भलीभांति अवगत है कि ग्रामीण विकास मंत्री के नेतृत्व में जी राम जी योजना लोकहित में परिष्कृत की जा रही है। परिवर्तनगामी मनरेगा द्वारा अपेक्षित जनकल्याणकारी लक्ष्य तो प्राप्त होंगे ही होंगे, साथ ही योजना की कमियों, दोषों तथा भ्रष्टाचार का भी निवारण हो सकेगा।

परिवर्तनगामी मनरेगा द्वारा अपेक्षित जनकल्याणकारी लक्ष्य तो प्राप्त होंगे ही होंगे, साथ ही योजना की कमियों, दोषों तथा भ्रष्टाचार का भी निवारण हो सकेगा।

ग्रामीण रोजगार योजना पर बने पक्ष-विपक्ष की सहमति

मुद्दा

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

मनरेगा पर एक बार फिर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने आ गया। यह देश की एक बड़ी योजना है जो रीढ़ की हड्डी भी मानी जाती है और अब फिर से चर्चाओं में आ गई। मामला यह है कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान मनरेगा कानून आया था। यूपीए सरकार ने 2005 में 'ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून' को लागू किया था और 2009 में इसके नाम के साथ 'महात्मा गांधी' जोड़ा गया। यह दुनिया की सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार योजना मानी जाती है।

पिछले दो दशकों से मनरेगा ग्रामीण रोजगार की रीढ़ रही है लेकिन अब मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी-जी राम जी' बिल कर दिया है। संसद के दोनों सदन से यह बिल पास हो गया है लेकिन इसको विपक्ष के सवालों की बड़ी बौछार हो रही है। विपक्ष का कहना है कि इस अहम कानून में बदलाव करने के लिए जो राज्यों पर बहुत ज्यादा वित्तीय बोझ डालेंगे तो यह योजना निश्चित तौर विफल हो जाएगी, लेकिन इसके लिए पक्ष-विपक्ष को यह समझना चाहिए कि मनरेगा जैसी योजना पर राजनीति नही करनी चाहिए। चूंकि इस योजना से एक बड़ा वर्ग साधा जाता है। मनरेगा के मुख्य लाभों में अकुशल श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी का भुगतान, काम में लिंग-आधारित वेतन अंतर को खत्म करना, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास आदि शामिल हैं। इन सब सुविधाओं व इसके लाभ लेने वाले वर्ग से यह तो तय हो जाता है कि इसमें कहीं भी राजनीति की जरूरत नहीं है। देश के उस वर्ग को लाभ देना जो जमीनी स्तर पर अपने काम से देश निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है,यह किसी भी सरकार का धर्म,फर्ज व कर्तव्य माना जाता है। यदि केवल नाम बदलने की बात है तो इसमें विपक्ष को हंगामा करने की जरूरत नहीं है। यदि सत्ताधारी पक्ष को इसमें

इस योजना की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। यदि विपक्ष इस योजना को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है तो वह उस तरह के सुझाव दें जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले।

कुछ बदलाव करने हैं तो वह इस तरह के बदलाव करे जिससे लाभकारियों को फायदा मिले और इसकी प्रक्रिया को सरल बनाया जाए वहीं यदि विपक्ष इस योजना को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है तो वह उस तरह के सुझाव दें जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले। राजनीति करने के लिए भारत जैसे देश में इतने मुद्दे हैं कि हर घंटे एक मुद्दे को उठाया या भुनाया जाए तो पक्ष-विपक्ष का पूरा वर्ष बीत जाएगा लेकिन कुछ मुद्दों पर केवल काम किया जाए वह बेहतर ही है। बीती कांग्रेस की सरकार में सैकड़ों योजनाएं लागू की गई थी, जिसमें जनता को लाभ भी मिला लेकिन हमेशा दलालों को बोलबाला रहता था। अब डिजिटल युग आने के बाद प्रक्रियाएं अपडेट व अपग्रेड हुई हैं लेकिन अब भी स्थिति पूर्ण रूप से लाभकारियों के नियंत्रण में नही है चूंकि किसी भी योजना के लिए लागू करने से ज्यादा उसके लिए जागरूक करना होता है।

कांग्रेस की ओर से बयान आया है कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदलने के साथ ही अब इसका बोझ राज्यों पर डाल दिया है। जो अधिकार पहले पंचायतों के पास थे, उन्हें अब छीनकर केंद्रीयकृत व्यवस्था को सौंपा जा रहा है। यह कदम महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान है और कांग्रेस इसका सख्ती से विरोध करेगी। यह समझना चाहिए कि यदि मौजूदा सरकार किसी भी योजना में बदलाव करती है तो यह तय नहीं है कि वह उसमें जनहित का ख्याल नहीं रखती बल्कि उसको पहले से बेहतर करके लागू करती है। कांग्रेस इस मामले में जरूरत से ज्यादा उपस्थिति दर्ज करवाते हुए खुद अपनी शुरू की हुई योजना पर सवालिया निशान खड़े कर रही है। चूंकि इस योजना को लेकर सबसे ज्यादा विरोध प्रर्दशन उनके ही कालखंड में हुआ था। प्रशासनिक जिम्मेदारी में राज्य सरकार की बड़ी भूमिका है।

इससे तय हो जाता है कि यह केन्द्र व राज्य सरकारों की तालमेल के साथ ही इतनी बड़ी योजना को अंजाम दिया जाता है। इसको लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि यह भारत देश की सबसे अहम योजना है जिसके लिए हर रोज बेहतर होना अनिवार्य है व इस पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

'विकसित भारत- जी राम जी विधेयक' से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

यकीनन इस समय देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हुए दो महत्वपूर्ण परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहे हैं। एक, ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती हुई खपत के बीच गरीबी में लगातार कमी आ रही है। दो, हाल ही में 16 दिसंबर को सरकार के द्वारा संसद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने और इसकी जगह 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वी बी जी राम जी नामक नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने संबंधी स्वीकृत किया गया विधेयक कानून बनने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हुए दिखाई देगा।

गौरतलब है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण भारत का योगदान बढ़ता जा रहा है। भारत ने 2024-25 में 35.77 करोड़ टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। पिछले दस सालों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 10 करोड़ टन बढ़ा है। ये खेती में आत्मनिर्भरता और गांवों के विकास की तरफ देश की लगातार बढ़ती प्रतिद्धता को दिखाता है। हाल ही में 11 दिसंबर को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा जारी आठवें चरण के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) में बताया गया है कि देश में पिछले एक साल में ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ने से खर्च करने की क्षमता और इच्छा दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सर्वे के मुताबिक 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों के द्वारा पिछले एक साल में अपनी खपत में वृद्धि की सूचना दी गई है। सर्वे यह भी बताता है कि निवेश और औपचारिक ऋण में भी रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है जो बढ़ती आय के समानुपातिक मानी जा सकती है। 29.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने पिछले एक साल में पूंजीगत निवेश (खेती और गैर-खेती दोनों क्षेत्रों में) बढ़ाया है। केवल औपचारिक स्त्रोतों (बैंक, सहकारी संस्थाएं आदि) से कर्ज लेने वाले परिवारों का हिस्सा 58.3 फीसदी हो गया, जो सितंबर 2024 के 48.7 फीसदी था। वस्तुतः ग्रामीण भारत में बढ़ती क्रयशक्ति, वास्तविक आय वृद्धि, जीएसटी सुधार, कम महंगाई और मजबूत सरकारी समर्थन का संयुक्त परिणाम है। गाँवों में भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर विश्वास बढ़ने, ग्रामीण गरीबी में कमी, छोटे किसानों की साहूकारी कर्ज की निर्भरता में कमी, ग्रामीण खपत में वृद्धि, किसानों का जीवन स्तर

केंद्र सरकार को गांवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम उठाने की भी जरूरत है।

बढ़ने जैसी विभिन्न अनुकूलताओं से ग्रामीण भारत मजबूती की राह पर आगे बढ़ रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च के द्वारा गरीबी पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहाँ वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वर्ष 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती देते हुए दिखाई दे रही है। देश के गाँवों में अप्रैल 2020 से शुरु की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। अब संसद में स्वीकृत किए गए वी बी जी राम जी विधेयक के कानून बनने के बाद ग्रामीण रोजगार योजना में बड़ा बदलाव आएगा। प्रत्येक परिवार के लिए रोजगार गारंटी कार्य दिवसों को 100 से बढ़ाकर 125 करने और मौजूदा फंडिंग संरचना को बदलने का प्रस्ताव है। केंद्र और राज्यों के बीच फंडिंग की हिस्सेदारी मौजूदा अधिकतम 90:10 अनुपात के मुकाबले 60:40 के अनुपात में होगी। मसौदा विधेयक में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्य कर रही मनरेगा को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना में बदल दिया गया है। ग्रामीण रोजगार स्वाभाविक रूप से स्थानीय है और राज्यों को अब लागत और जिम्मेदारी साझा करनी होगी। जीराम जी के कानून बनने के बाद भी हमें ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। गाँवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम उठाने की जरूरत है। सरकार ने किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाने के लिए जो कानून बनाए हैं, उन कानूनों के पर्याप्त परिपालन पर ध्यान देना होगा।

ग्रामीण ऋण लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया जाना होगा। औपचारिक ऋणों के लिए बेहतर प्रोत्साहन और डिजिटल उपकरणों से लैस बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीण परिवारों और संस्थानों के बीच समन्वय का माध्यम बनाया जाना होगा। नए दौर की कौशल युक्त शिक्षा तथा ग्रामीण बेरोजगारी जैसी चुनौतियों के निराकरण के लिए अधिक रणनीतिक प्रयास किए जाने होंगे। उम्मीद करें कि सरकार ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती खपत के सुकूनदेह परिदृश्य के बीच मनरेगा के बदलाव के बाद जो वी बी जी राम जी कानून लाने जा रही है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकेगी और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

अगस्त्य नंदा की 'इक्कीस' का फाइनल ट्रेलर जारी...

मुंबई। अगस्त्य नंदा की चर्चित फिल्म 'इक्कीस' का फाइनल ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इसके जरिए फिल्म के अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों को बारीकियों से सामने लाने की कोशिश की गई है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म क्रिसमस पर यानी, 25 दिसंबर को रिलीज होनी थी। अब इसे 1 जनवरी, 2026 को रिलीज किया जाएगा। 'इक्कीस' का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया इस फिल्म से डेब्यू करने जा रही हैं। 'इक्कीस' के फाइनल ट्रेलर की शुरुआत जयदीप अहलावत के डायलॉग से होती है। वह कहते हैं, उस धुएं और बारूद की बू आज भी याद है मुझे। हम तारीख बदलने वाले थे।

लाइफ Style

आशिका

मेरा किरदार मजबूत और आत्मनिर्भर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री आशिका पादुकोण का कहना है कि स्टार प्लस के शो 'शहज़ादी है तू दिल की' में उनका निभाया दीपा का किरदार मजबूत और आत्मनिर्भर है। स्टार प्लस का नया शो 'शहज़ादी है तू दिल की 'लगातार दर्शकों के दिलों को छू रहा है, और इसके असर का एक बड़ा कारण आशिका पादुकोण द्वारा निभाया गया दीपा का भावुक किरदार है।

दिल टूटने, ज़िम्मेदारियों और मजबूती के बीच जूझती एक मां की भूमिका निभा रहीं आशिका ने हाल ही में अपने किरदार और उसे पर्दे पर उतारते वक्त जुड़ी इमोशनल बातों को लेकर खुलकर बात की। आशिका ने दीपा की मानसिक स्थिति पर बात करते हुए कहा कि उनका किरदार मजबूत और आत्मनिर्भर है, लेकिन भावनात्मक सहारे की उम्मीद में वह कहीं न कहीं नाज़ुक भी है। उन्होंने कहा कि दीपा आत्मनिर्भर है, लेकिन कहीं न कहीं उसे उम्मीद थी कि भानु ज़िम्मेदारी निभाएगा। जब वह उम्मीद टूटती है, तो वह उसे अंदर से तोड़ देती है। मैंने उसी विश्वासघात, निराशा और बेबसी की भावना को महसूस किया, खासकर यह जानते हुए कि वह अपनी बेटी के भविष्य के लिए यहां तक आई है, और यही उनकी परफॉर्मेंस की भावनात्मक नींव को दर्शाता है। आशिका ने बताया कि इस किरदार का सबसे मुश्किल हिस्सा दीपा के चुपचाप सहने वाले दर्द को दिखाना था। उन्होंने कहा कि सबसे कठिन बात दीपा के मन के अंदर चल रही लड़ाई को दिखाना था। वह अंदर से बहुत आहत है, लेकिन अपनी बेटी के सामने खुद को टूटने नहीं देती। बाहर से मजबूत और संभली हुई दिखते हुए उस चुपचाप टूटते दिल को दिखाना भावनात्मक तौर पर बहुत मुश्किल था।

अक्षय कुमार की फिल्म में 6 साल बाद विद्या की एंट्री

बॉक्स ऑफिस पर होगा धमाका

मुंबई। अक्षय कुमार आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्मों में नजर आएंगे। इन्हीं में से एक है निर्देशक अनीस बज्मी की फिल्म, जिसके लिए दोनों 15 साल बाद साथ आए हैं। पिछले कई दिनों से इस फिल्म के लिए हीरोइन की तलाश चल रही थी, जो अब अभिनेत्री विद्या बालन पर आकर खत्म हुई है। दोनों 6 साल बाद फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने को तैयार हैं।

विद्या की हो गई फिल्म में एंट्री

रिपोर्ट के मुताबिक, अनीस की फिल्म में 2 अभिनेत्रियां नजर आएंगी, जिनमें से एक के लिए विद्या के नाम पर मोहर लग चुकी है।अभिनेत्री के किरदार से जुड़ी जानकारी तो बाहर नहीं आई है, लेकिन इतना जरूर है कि वो अक्षय संग फिर काम करने को बेहद उत्साहित हैं। दरअसल, विद्या और अक्षय के बीच असल में भी काफी अच्छी दोस्ती है। यही वजह है कि विद्या ने भी फिल्म के लिए हामी भरने में देर नहीं लगाई।

इन फिल्मों में साथ दिख चुके अक्षय और विद्या

बता दें कि 'मिशन मंगल' को 40 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था और इसने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 300 करोड़ रुपये की कमाई की थी। सोनाक्षी सिन्हा, तापसी पन्नू और कीर्ति कुल्हारी भी इसका हिस्सा थीं। साल 2007 में अक्षय और विद्या ने हिट फिल्म 'हे बेबी' में साथ काम किया था। उसी साल आई फिल्म 'भूल भुलैया' में भी अक्षय और विद्या साथ थे और उनकी इस फिल्म ने भी खूब नोट छापे थे।

अक्षय और विद्या की आने वाली दूसरी फिल्में

अक्षय के खाते में एक से बढ़कर एक फिल्में हैं। एक ओर वो प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ नजर आने वाले हैं, वहीं प्रियदर्शन की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' भी उनके पास है। इसके अलावा दोनों फिल्म 'हेरा फेरी 3' लेकर आ रहे हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' भी अक्षय के पास है। दूसरी ओर विद्या को रजनीकांत के साथ फिल्म 'जेलर 2' में देखा जाएगा। फिल्म में उनकी भूमिका बेहद दमदार होगी।

टीवी मसाला

'भाभीजी घर पर हैं 2.0' से हुई शिल्पा शिंदे की वापसी

मुंबई। टीवी शो 'भाभीजी घर पर हैं' पिछले कई दिनों से लगातार चर्चा में है। इसका कारण शिल्पा शिंदे की शो में वापसी और पिछली 'अंगूरी भाभी' यानी, शुभांगी अत्रे की विदाई है। शिल्पा की वापसी से प्रशंसकों उत्साहित हैं। इसी उत्सुकता को बनाए रखने के लिए निर्माताओं ने शो का ट्रेलर और स्ट्रीमिंग तारीख को जारी कर दिया है। दिलचस्प बात यह है कि इस बार 'भाभीजी घर पर हैं 2.0' में कॉमेडी के अलावा, हॉरर का तड़का लगेगा।

इस तारीख से दस्तक देगा 'भाभीजी घर पर हैं 2.0': निर्माताओं ने 'भाभीजी घर पर हैं 2.0' का ट्रेलर जारी किया है, जो देखने में काफी मजेदार है। इस बार कहानी एक रहस्यमयी गांव के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जहां संस्कारी महिला की मूर्ति स्थापित है। अंगूरी भाभी और अनीता भाभी की अदला-बदली से बड़ी विपदा आ चुकी है। दोनों परिवार इससे कैसे निपटता है? यह तो शो आने पर ही पता चलेगा। 22 दिसंबर से रात 10.30 बजे 'भाभीजी घर पर हैं 2.0' एंड टीवी पर से दस्तक देगा।

मशहूर गुजराती अभिनेता श्रुहद की 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में एंट्री

मुंबई। स्टार प्लस का आइकॉनिक शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी में मशहूर गुजराती अभिनेता श्रुहद गोस्वामी की एंट्री हो गयी है। शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी अब एक नए और मज़ेदार मोड़ की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि मशहूर गुजराती अभिनेता श्रुहद गोस्वामी शो में ख़ास एपिसोड्स के लिए एंट्री करने वाले हैं। गुजराती सिनेमा और टीवी में अपनी दमदार एक्टिंग के लिए पहचाने जाने वाले श्रुहद गोस्वामी को, धार्मिक हिट फ़िल्म लालो, कृष्ण सदा सहायते में कृष्ण का किरदार निभाने के लिए खूब सराहा गया है। अब जब वे हिंदी टीवी की दुनिया में कदम रख रहे हैं, तो उनकी एंट्री से कहानी में एक ताज़ा और दिलचस्प बदलाव आने की उम्मीद है। श्रुहद गोस्वामी, जिन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग और मजबूत स्क्रीन प्रेज़ेंस से अपनी अलग पहचान बनाई है, अब आने वाले एपिसोड्स में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाते नज़र आएंगे। हालांकि उनके किरदार के बारे में ज़्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन खबरें हैं कि उनकी एंट्री से चल रही कहानी में बड़ा बदलाव आएगाऔर मुख्य किरदारों की भावनाओं से भरी कहानी और भी गहराई लेगी।

'कुश्ती' के अखाड़े में जमाएंगी रंग, ट्रेलर हुआ रिलीज...

मुंबई। भोजपुरी एक्ट्रेस अंजना सिंह की फिल्म कुश्ती जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों के बीच एक्ससाइटमेंट देखने को मिल रहा है। महिलाओं को खेल के लिए प्रोत्साहित करना 'कुश्ती' भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाती नजर आ रही है। इस फिल्म ने ये साबित कर दिया है कि महिला किरदार भी अखाड़े में उतरकर अपनी अलग पहचान बना सकते हैं।

पिता के सपने को पूरा करते दिखेंगी : ट्रेलर में अंजना सिंह एक ऐसी बेटी की रोल निभा रही हैं, जो पिता के अधूरे सपने को पूरा करने का बीड़ा उठाती है। पिता एक नामी पहलवान होते हैं, लेकिन किस्मत उन्हें खुद लड़ने का मौका नहीं देती। वो बेटी को पहलवानी की कड़ी ट्रेनिंग देते हैं और अंजना भी हर चुनौती को स्वीकार करती हैं। कहानी तब और गहराती है, जब शादी के बाद उसके सपनों पर सवाल खड़े किए जाते हैं। ससुराल की सोच और समाज की बंदिशों के बावजूद अंजना हार नहीं मानती। घर और अखाड़े के बीच संतुलन बनाते हुए वो आगे बढ़ती है, जो ट्रेलर का सबसे प्रभावशाली हिस्सा बन जाता है।

इस दिन होगी फिल्म रिलीज : रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये फिल्म दिसंबर 2025 के अंत तक या जनवरी 2026 की शुरुआत में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। असल जिंदगी में भी अंजना सिंह अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं।

अक्षरा के नए गाने ने मचाया धमाल...

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह फिर से सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस का नया गाना 'सोना के पलना' यूट्यूब पर रिलीज हो गया है और कुछ ही घंटे में इसे 11 हजार से ज्यादा लोग देख चुके हैं। ये गाना फिल्म 'अग्निसाक्षी' का है, जिसमें अक्षरा सिंह, तनुश्री और प्रदीप पांडे चिंटू लीड रोल में हैं। गाने की खुशमिजाज कहानी और रंग-बिरंगे सेट ने इसे बहुत मजेदार बना दिया है। गाने में अक्षरा सिंह पीली साड़ी में और तनुश्री हरी साड़ी में बहुत सुंदर दिख रही हैं गाने में एक बच्चे के जन्म का जश्न दिखाया गया है, जिसमें सभी झूमते हुए गाते हैं और खुशियां मनाते हैं। दर्शक इस गाने में बच्चे की मासूमियत और झूमते हुए किरदारों को देखकर काफी एंजॉय कर रहे हैं। गाने की मीठी धुन और हंसी-मजाक वाला माहौल इसे और भी खास बना देते हैं। इस गाने में प्रदीप पांडे चिंटू और प्रियंका सिंह की आवाज ने जान डाल दी है, जबकि राजकुमार आर पांडे ने संगीत और बोल में चार चांद लगा दिए हैं।

क्रिसमस स्पेशल

सदियों से मनाया जा रहा प्रभु यीशु के जन्मोत्सव को समर्पित क्रिसमस का पर्व, अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग का नहीं ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है। वैश्विक प्रेरणाओं, मानवीय मूल्यों और व्यक्तिगत संवेदनाओं के संगम से आज का क्रिसमस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम सिर्फ उत्सव न मनाएं बल्कि उत्सव बन जाएं। यही इस दौर के क्रिसमस की सबसे बड़ी और सबसे सकारात्मक उपलब्धि है।

कवर स्टोरी / आर. सी. शर्मा

खुशी-उल्लास-उमंग का ग्लोबल फेस्टिवल क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा पर्व है जो एक समय तक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन आज इक्कीसवीं सदी में यह वैश्विक संवेदना, मानवीय एकजुटता और सामूहिक खुशी का प्रतीक बन चुका है। बदलती तकनीक, तेज रफ्तार जीवनशैली, वैश्वीकरण और सामाजिक विविधताओं के बीच भी क्रिसमस का रोमांच कम नहीं हुआ है बल्कि कई अर्थों में और गहरा हुआ है।

परंपरा-आधुनिकता का संगम

आज के दौर में क्रिसमस सिर्फ चर्च की घंटियों, कैरोल्स गाने या क्रिसमस ट्री सजाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसा अवसर बन चुका है, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे में घुल-मिल जाती हैं। सोशल मीडिया पर फैली रोशनियां, डिजिटल ग्रीटिंग्स, वर्चुअल पार्टियां और ऑनलाइन गिफ्टिंग, इन सबने क्रिसमस को एक नए स्वरूप से सजा दिया है। जहां पहले क्रिसमस का अनुभव स्थानीय समुदाय तक सीमित रहता था, वहीं आज यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर टोक्यो, मुंबई और नैरोबी तक हर जगह क्रिसमस की सजावट, संगीत और उल्लास एक साझा भाव पैदा करता है।

खुशियों का नया एहसास

हाल के दशकों में क्रिसमस को लेकर हमारी भावनाओं में निश्चित ही बदलाव आया है। आधुनिक जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलापन बढ़ा है। ऐसे में क्रिसमस एक भावनात्मक विराम की तरह आता है, जहां लोग रुककर रिश्तों, यादों और मानवीय जुड़ाव को महत्व देते हैं। आज की खुशियां सिर्फ उपहारों तक सीमित नहीं रहीं। मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा और साथ होने की अनुभूति अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्रिसमस के समय परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर खाना खाना, पुरानी यादें साझा करना या किसी जरूरतमंद की मदद करना, इन सबमें एक गहरी संतुष्टि छिपी है। यानी खुशी की मात्रा नहीं, लेकिन उसकी गुणवत्ता बदली है। यह अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय हुई है।

करुणा-साझेदारी की प्रेरणा

इक्कीसवीं सदी का क्रिसमस हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक प्रेरणाएं देता है। आज क्रिसमस के साथ चैरिटी, फूड ड्राइव्स, शेल्टर होम्स और ऑनलाइन फंड रेजिंग जुड़ चुके हैं। लोग यह समझने लगे हैं कि सच्चा उत्सव तभी है, जब खुशियां दूसरों के संग बांटी जाएं। क्रिसमस अब सिर्फ ईसाइयों का पर्व नहीं रह गया। गैर-ईसाई समाज भी इसे एक मानवीय और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाता है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। युद्ध, संघर्ष और अस्थिरता के वर्तमान दौर में क्रिसमस का 'पीस ऑन अर्थ' वाला विचार, पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि शांति कोई अमूर्त सपना नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे व्यवहारों से भी संभव है।

महत्वपूर्ण है अर्थपूर्ण उत्सव

यह सच है कि आधुनिक क्रिसमस में बाजार का प्रभाव बढ़ा है- सेल्स, ऑफर्स और ब्रांडिंग हर जगह दिखती है। लेकिन इसके समानांतर एक नई सोच भी उभर रही है, मिनिमल और अर्थपूर्ण क्रिसमस। आज कई लोग 'कम खरीदो, बेहतर जियो' के विचार के साथ क्रिसमस मना रहे हैं। हैंडमेड गिफ्ट्स, अनुभव आधारित उपहार (जैसे समय देना, साथ घूमना) और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सजावट। ये बदलाव बताते हैं कि खुशी की अतिरिक्त परतें दिखावे से नहीं, सार्थकता से आती हैं।

क्रिसमस मनाने के ऐतिहासिक-धार्मिक संदर्भ

क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु का जन्म मानवता को पाप, हिंसा और अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था। बाइबिल की कथा के अनुसार, यीशु का जन्म बेथलेहम में एक गौशाला में हुआ, जहां उनकी माता मरियम ने उन्हें जन्म दिया और यूसुफ उनके संरक्षक थे। यह कथा ईसाई धर्म में विनम्रता, त्याग और करुणा का मूल प्रतीक मानी जाती है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने की परंपरा यीशु के जन्मदिन से जुड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार चौथी शताब्दी में रोमन साम्राज्य ने 25 दिसंबर को यीशु के जन्म दिवस के रूप में स्वीकार किया। इसका एक कारण यह भी था कि इसी समय रोम में 'सैटर्नेलिया' और 'सोल इन्विक्टस' जैसे सूर्य-उत्सव मनाए जाते थे। ईसाई धर्म के प्रसार के दौरान इन लोकप्रिय पर्वों को एक नए धार्मिक अर्थ के साथ जोड़ा गया, जिससे क्रिसमस व्यापक रूप से स्वीकार्य हो सका।

धार्मिक दृष्टि से क्रिसमस सिर्फ जन्मोत्सव नहीं बल्कि ईश्वर के प्रेम के अवतरण का प्रतीक है। ईसाई आस्था के अनुसार यीशु 'ईश्वर के पुत्र' हैं, जो मानव रूप में धरती पर आए ताकि प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दे सकें। इसी कारण क्रिसमस के दौरान चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, मध्यरात्रि मिस्सा, कैरोल गायन और बाइबिल पाठ किए जाते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़ी परंपराएं

क्रिसमस को पारंपरिक रूप से एक धार्मिक, पारिवारिक और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसकी तैयारियां एडवेंट काल से शुरू होती हैं, जो क्रिसमस से लगभग चार सप्ताह पहले आता है। इस दौरान लोग आत्मचिंतन, प्रार्थना और संयम पर ध्यान देते हैं। कई परिवार, घरों में एडवेंट कैंडल जलाते हैं, जो आशा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती है। घरों और चर्चों की सजावट, क्रिसमस की सबसे प्रमुख परंपरा है। क्रिसमस-ट्री सजाना भी इसका प्रमुख अंग है, जिसे रोशनी, सितारों, घंटियों और सजावटी गेंदों से सजाया जाता है। ट्री के ऊपर लगाया जाने वाला तारा बेथलेहम के उस तारे का प्रतीक है, जिसने तीन ज्ञानी पुरुषों को यीशु के जन्मस्थल तक पहुंचाया था। साथ ही कई स्थलों पर नैटिविटी सीन (यीशु के जन्म का दृश्य) लगाया जाता है। क्रिसमस ईव (24 दिसंबर की रात) को चर्चों में मिडनाइट मास होती है, जिसमें प्रार्थना, बाइबिल पाठ और सामूहिक कैरोल्स गाए जाते हैं। क्रिसमस के दिन परिवार और मित्र एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और एक-दूसरे को उपहार दिए जाते हैं। बच्चों के लिए सांता क्लॉज की परिकल्पना खास आकर्षण होती है, जो उदारता और खुशी बांटने का प्रतीक है।

सकारात्मक प्रेरणाओं का उत्स

आज के संदर्भ में क्रिसमस हमें तीन सबसे सकारात्मक बातें सिखाता है।

उम्मीद: चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न हो, क्रिसमस उम्मीद का पर्व है। यह नए सिरे से शुरू करने की प्रेरणा देता है।

रिश्तों की प्राथमिकता: यह पर्व याद दिलाता है कि जीवन की असली पूंजी हमारे संबंध हैं, न कि भौतिक उपलब्धियां।

मानवीय गरिमा: क्रिसमस का मूल संदेश- प्रेम, क्षमा और करुणा, आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। कहने का सार यही है कि इक्कीसवीं सदी में क्रिसमस फेस्टिवल का रोमांच बाहरी चमक से ज्यादा आंतरिक अर्थ में बसता है। हमारी खुशियां शायद अधिक सजावटी नहीं हुईं, लेकिन अधिक सजग जरूर हुई हैं। *

अमेजिंग / शिखर चंद जैन

दुनिया के सबसे अनूठे क्रिसमस-ट्री

क्रिसमस के अवसर पर दुनिया भर में बेशुमार क्रिसमस ट्री सजाए जाते हैं। लेकिन कुछ क्रिसमस ट्री इतने अनूठे तरीके से सजाए जाते हैं कि उनकी भव्यता देखते ही बनती है। यहां हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग क्रिसमस ट्री के बारे में बता रहे हैं।

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री
यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री, 3 दिसंबर की शाम से ही आम लोगों के देखने के लिए अपनी सजधज के साथ रेडी हो जाता है। यह 75 फुट ऊंचा नॉर्वे स्प्रूस पेड़ है, जो ईस्ट ग्रीनबुश, न्यूयॉर्क से लाया गया है। इसे मैनहट्टन के मध्य में 30 रॉकफेलर प्लाजा में सजाया जाता है। यह 10 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध रहता है। 2004 से स्थापित यह क्रिसमस ट्री 30,000 एलईडी लाइटों से रोशन होता है, जो सौर पैनलों से चलती हैं। 2007 से इस पर 550 पाउंड का स्वारोवस्की क्रिस्टल स्टार लगा हुआ है।

क्रिसमस का उत्सव क्रिसमस-ट्री के बिना अधूरा है। वैसे तो क्रिसमस-ट्री वास्तव में पाइन, डगलस, बालसम या फर का पेड़ होता है। ये पेड़ सदा हरे-भरे रहते हैं इसलिए इन्हें सजावट के लिए चुना जाता है। लेकिन दुनिया भर में अलग-अलग चीजों के उपयोग से एक से बढ़कर एक कृत्रिम क्रिसमस-ट्री भी खूब बनाए और सजाए जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ अनूठे क्रिसमस-ट्री के बारे में।

टंबलवीड ट्री यूएसए: चांडलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य में मैरिकोपा काउंटी में स्थित एक शहर और फीनिक्स का एक उपनगर है। यह तकनीक और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। यहां टंबलवीड-ट्री नामक प्रसिद्ध क्रिसमस-ट्री है, जिसे हर साल एक खास परंपरा के तहत बनाया जाता है। 1957 से चली आ रही इस परंपरा में हजारों टंबलवीड्स और रोशनी का उपयोग होता है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब आग लगने से शहर की क्रिसमस की सजावट नष्ट हो गई थी। तब लोगों ने इस अनूठे पेड़ का इस्तेमाल किया था। यह पारंपरिक क्रिसमस-ट्री की तरह नहीं है, बल्कि सूखी झाड़ियों (टंबलवीड्स) को इकट्ठा करके बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए लगभग 1,000 से अधिक टंबलवीड्स और 1,200 रंगीन बल्बों का उपयोग किया जाता है।

बिग क्रिसमस-ट्री इटली: यह दुनिया के सबसे अनूठे और सबसे ज्यादा लाइटों वाले क्रिसमस-ट्रीज में शामिल है। इटली के गुब्बीओ में माउंट इजिनो पर बना यह विशाल-ट्री 1981 से मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े क्रिसमस-ट्री के रूप में जाना जाता है, जिसे 1991 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह माउंट इंगिनो की ढलान पर हजारों लाइटों और 7.5 किमी लंबे बिजली के तार से बना एक भव्य लाइट डेकोरेशन से बनता है, जो एक विशाल क्रिसमस-ट्री का आकार लेता है। इसकी ऊंचाई लगभग 750 मीटर और आधार पर चौड़ाई 450 मीटर होती है। इसे आमतौर पर 7 दिसंबर से 6 जनवरी तक सजाया जाता है। हर साल क्रिसमस के समय हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं।

स्काई ट्री जापान: क्रिसमस के अवसर पर जापान के टोक्यो में कई प्रसिद्ध क्रिसमस ट्री और लाइट-अप शोज डेकोरेट किए जाते हैं, जिनमें टोक्यो स्काई-ट्री का विशालकाय क्रिसमस-ट्री भी शामिल है। टोक्यो स्टेशन के मारुनोउची क्षेत्र के पास किट्टे बिल्डिंग के बाहर जापान का यह सबसे बड़ा क्रिसमस-ट्री सजाया जाता है। यह 14 मीटर ऊंचा है। इसे आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। यहां लगभग 500,000 बल्ब्स का शो आयोजित होता है, जो 'क्विंकल थ्री स्टार्स' और अन्य लाइट-अप थीम के साथ प्रदर्शित किया जाता है। किट्टे बिल्डिंग टोक्यो में सबसे ऊंची इमारत है, जो इसका प्रतीक चिन्ह भी बन गया है। इनके निकट ही स्थित ग्योको-डोरी स्ट्रीट और नाका-डोरी स्ट्रीट को भी उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अतिरिक्त क्रिसमस के अवसर पर यहां के ओमोतेसांडो, रोपोंगी और ओडेबा जैसे कई क्षेत्रों में सुंदर लाइटिंग डिस्प्ले आयोजित किए जाते हैं।

ओरिगामी क्रिसमस-ट्री यूएसए: न्यूयॉर्क का वर्ल्ड फेमस ओरिगामी क्रिसमस-ट्री, किसी भी दूसरे क्रिसमस-ट्री से अलग है। यह अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एएमएनएच) में मौजूद है। यह लगभग 13 फीट लंबा पेड़, कागज से बने हुए जानवरों, जड़ी-बूटियों और अन्य आकृतियों से सजाया जाता है, जो ओरिगामी कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के ओरिगामी रंगों में सजा यह पेड़ देखने में बहुत आकर्षक और बेहद रंगीन लगता है। *

कविता
हेमधर शर्मा

कृतज्ञता और कृतघ्नता

जो देता है हम उसे देवता कहते हैं
फिर क्यों हरदम लेने की
इच्छा रखते हैं?
जड़ जिन्हें समझते हैं हम
पौधे-पेड़ सभी तो देते हैं
फिर याचक बनकर ही
खुश क्यों हम रहते हैं?
हो सकता है हों बुद्धिमान हम
दुनिया में सबसे ज्यादा
खुदगर्ज बनाए लेकिन जो
क्या बुद्धि उसी को कहते हैं?
लेता है कोई काम अगर
प्रतिदान नहीं देता है तो
अन्यायी उसे समझते हैं
फिर जड़-चेतन सबसे लेकर
मन में कृतज्ञ भी हो न सके
ऐसा कृतघ्न मानव बनकर
कैसे हम सब जी लेते हैं?

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके।

कैमरों की चमकती चंचल चाहतें

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके। वह तो यह कैमरा ही है, जिसके आते ही तमाम बाराती नागिन हो जाते हैं और उनकी रूमाल से अपने आप ही बीन की धुनें निकलने लग जाती हैं। सोचता हूं, कहीं कल जंगल में मोर भी यह कहकर नाचने से इनकार न कर दें कि इधर कैमरे तो हैं ही नहीं। जब कोई फिल्म ही नहीं बना रहा, तो फिर जंगल में ऐसे नाच का आखिर फायदा भी क्या?

धरना, प्रदर्शन, अनशन, घेराव, रैली, भाषण, चुनाव, सबको कैमरे चाहिए। वह भी ऐसे-वैसे नहीं, समाचार चैनलों वाले। एक नहीं, अनेक। हर कोण से कवरेज जरूरी है। जिस काम को दुनिया न देखे, वह काम भी किस काम का? जिन्हें इन कैमरों से ज्यादा लगाव होता है, ऐसे साहसी लोग गुप्त कैमरों से भी भय नहीं खाते। यह जानते हुए कि जमाना स्टिंग ऑपरेशन का है और कभी भी धरे जा सकते हैं, वे तब भी अपना असली काम कर ही डालते हैं।

'आप कैमरे की नजर में हैं।' मैं जहां कहीं पर भी यह बोर्ड लगा देखता हूं, मुझे हंसी आने लगती है। ऐसे बोर्ड चोर को पकड़ने के लिए लगाए गए होते हैं कि उन्हें सहयोग करने के लिए कि यहां हरकत की, तो तू पकड़ा जा सकता है। जा, बिना कैमरे वाली जगह तलाश। मैं सोचता हूं, यदि चोर भी सीसीटीवी कैमरों से भयग्रस्त होकर अपना चौर्य-कर्म त्याग चुके होते, तो हम आए दिन चोरी की वारदात की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को तरस जाते। क्या पता, कैमरा उन्हें नया उत्साह देता हो। अब तो कैमरों को प्रोफेशनल फोटोग्राफरों की दरकार भी नहीं रही। सभी के हाथों में मोबाइल कैमरे हैं और सेल्फियों की चमकती हुई चंचल चाहतें। इसके एकनेत्री स्वरूप पर आज पूरा विश्व मोहित है। तभी तो, युद्ध हो या शांति, लोग अपनी आंखों से अधिक इन कैमरों की दिखलाई हुई चीजों पर विश्वास करने लगे हैं। *

लघुकथा / चंद्रप्रकाश डाले

उपेक्षा के आंसू

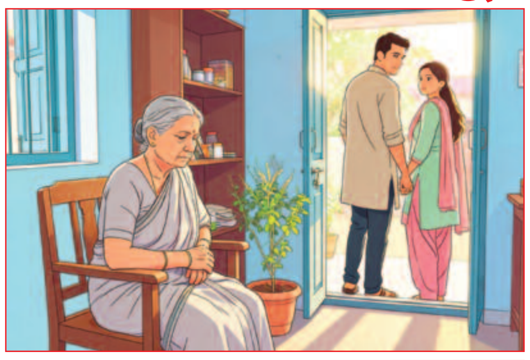

एआई इमेज

अस्पताल में चार दिनों से भर्ती सविता जी ने नर्स से पूछा, 'सिस्टर, मेरा बेटा आया था क्या?'

नर्स बोली, 'अरे माता जी, आप चार दिन से यही रट लगाए हैं कि बेटा आया है क्या, अरे आज तो आपकी छुट्टी होने वाली है।'

मां की आंखों में आंसू आ गए। रुंधे गले से बोलीं, 'मैं उसकी मां हूं ना। मैंने बड़ी तकलीफ, त्याग और तपस्या से उसको पाला है। इसलिए बार-बार उसके बारे में पूछती हूं। खैर, कोई बात नहीं।'

नर्स बोली, 'माता जी, बस आप तैयार हो जाइए, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, अब आपको घर जाना है, अपने बेटे के पास। आपके बिल वगैरह सब बन गए, उसका पेमेंट भी मिल चुका है।'

सविता ने फिर पूछा, 'मेरा बेटा लेने आया है क्या?'

'नहीं माता जी, ड्राइवर गाड़ी लेकर आया है।' नर्स ने बताया।

कुछ न कहकर, आंखों में आंसू छुपाते हुए सविता जी गाड़ी में बैठकर घर पहुंच गईं, लेकिन बेटे की उपेक्षा से खुद को थका हुआ और निराश महसूस कर रही थीं।

कुछ देर बाद ही बहू के मायके से फोन आया कि उसकी मां की तबियत खराब हो गई है। बहू ने तत्काल अपने पति को ऑफिस में फोन किया और बोली, 'आप तुरंत घर आ जाइए, मेरी मां की तबियत बहुत खराब है। और सुनो चार-पांच दिनों की छुट्टी भी ले लेना। मां को अस्पताल में भर्ती कराकर उनकी देखभाल के लिए वहां रुकना होगा।'

सासु मां की तबियत की खबर सुनकर सविता जी का बेटा तत्काल घर आ गया और जल्दी से तैयार होकर अपनी पत्नी के साथ ससुराल जाने लगा। दरवाजे से बाहर निकलते हुए जैसे उसे कुछ याद आया और वह पलटकर अपनी मां से बोला, 'मां, हम दोनों चार-पांच दिन के लिए जा रहे हैं। आप घर का ख्याल रखना।'

मां ने उन दोनों को जाते हुए देखा। मायूस होकर पास रखी कुर्सी पर बैठ गई। सोचने लगी, अस्पताल में भी वह अकेली थी, अब घर में भी अकेली है। साथ में थे तो सिर्फ आंसू। उपेक्षा से उपजे आंसू। *

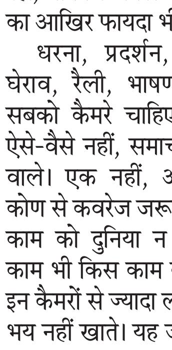

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अंतस को छूते गीत

वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल के गीतों का नया संग्रह 'तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं' हाल में छपकर आया है। आज के दौर में जब छंदमुक्त कविताओं की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में अत्यंत कोमलता को खुद में समेटे हुए, रुई के फाहे-से ये गीत हमारी रूह को हौले से छू लेते हैं। इन गीतों में खास तौर पर प्रेम के अनेक रंग तो पैबस्त हैं ही, इनके साथ ही जीवन की विडंबनाएं, अलग-अलग ऋतुओं का सौंदर्य, खेती-किसानी, मिट्टी का सोंधापन, सांस्कृतिक नगरों की छटा, पारंपरिक पर्वों की आभा, ईश्वर के प्रति अहैतुक आस्था और कुछ अनकहे से रिश्तों की खुश्बू को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। गीतों के रचाव और शब्दों के चयन में ओम जी प्रयोगधर्मी रहे हैं, किसी भाषा को लेकर उनकी रचनात्मकता में कोई हठधर्मिता नहीं दिखती है। इसके साथ ही वे पढ़ने वाले के अंतस में भावनाओं का अप्रतिम प्रतिसंसार भी रचते चलते हैं। इसकी बानगी संग्रह के कई गीतों में देखी जा सकती है। अतीत में घटित प्रेम को बेहद मार्मिकता से वे शब्दों में पिरोते हुए कहते हैं, *'पलकें बोझिल और उनींदी रातें होती थीं/बरसों पहले तुमसे कितनी बातें होती थीं।'* तो कहीं जीवन की क्रूरता के समक्ष विवश मन कराह उठता है, *'प्रार्थना में फूल, मन में अर्घ्य देकर/लौट आए डबडबाई आंख लेकर।'* कहीं अपने आराध्य प्रभु की भक्ति में गीतकार का मन पुलकित होकर गा उठता है, *'दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया/आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।'* तो कहीं प्राचीन नगर के सांस्कृतिक वैभव को देखकर वे अंतस के उल्लास को व्यक्त करने से रोक नहीं पाते, *'काशी के घाट निराले, रे भैया/काशी के घाट निराले।'* और प्रेम मिलन को व्यक्त करती ये पंक्तियां तो बेमिसाल हैं, *'पलकों को होठों की धड़कन से छू लूं/सुनाऊं गजल कोई गालिब की तुमको/तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं।'* *

पुस्तकः तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं (गीत-संग्रह), रचनाकारः ओम निश्चल, मूल्यः 300 रुपए, प्रकाशकः हिंदी अकादमी, दिल्ली

जैकेट के शेष

कांकेर में ईसाईयों के .....

सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करने के बाद इसी साल लगाया गया। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने अपने सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने की रक्षा का हवाला देते हुए यह निर्णय लिया। इसके बाद देखते ही देखते आसपास के गांवों ने भी इसी राह पर चलना शुरू कर दिया। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के आठ गांवों में पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाले होर्डिंग को मामले में बड़ा फैसला नवंबर 2025 में दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि यह होर्डिंग प्रलोभन या धोखाधड़ी के जरिये धर्मांतरण को रोकने के लिए लगाए गए थे और इन्हें असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की खंडपीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित ग्राम सभाओं ने ये होर्डिंग स्थानीय जनजातियों और सांस्कृतिक विरासत के हितों की रक्षा के लिए एहतियाती उपाय के रूप में लगाए हैं। इसके बाद से अब बोर्ड लगाने की संख्या बढ़ती जा रही है।

पेज एक के शेष

सुरक्षा सुनिश्चित करने ...

से मिले आंकड़ों के अनुसार कांगेर घाटी में छह महीनों में 37 हजार 782 पर्यटक पहुंचे। वहीं 5 वर्षों में सबसे अधिक 4 लाख 56 हजार 832 पर्यटक पहुंचे हैं, जिनमें देशी, विदेशी पर्यटक शामिल हैं।

ऐसी नफरत, सक्ती ....

आर्थिक मुआवजा देने और शव को सम्मानपूर्वक उसके गृह ग्राम तक पहुंचाने की मांग की है। बताया जा रहा है कि परिजन घटना की जानकारी मिलते ही घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने राज्य और केंद्र सरकार से मामले में हस्तक्षेप कर पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की है।

मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान : इस घटना पर राज्य मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। आयोग ने पलक्कड़ जिला पुलिस प्रमुख से 3 सप्ताह के भीतर डिटेल में रिपोर्ट मांगी है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पांच आरोपी गिरफ्तार : बवाल के बीच वालैयार पुलिस ने 18 दिसंबर को वारदात में शामिल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें मुरली, प्रसाद, अनु, बिपिन और आनंदन शामिल हैं। ये सभी अट्टापल्लम गांव के निवासी हैं। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि राम नारायण का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था।

राजधानी एक्सप्रेस ने ....

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने वन विभाग को विस्तृत जांच करने और वन्यजीव गलियारों को सुरक्षित करने का निर्देश दिया है, जबकि कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने दुर्घटना के लिए वर्तमान सरकार के तहत अनियोजित और खराब तरीके से विनियमित विकास" को जिम्मेदार ठहराया है। इस दुर्घटना के बाद कई ट्रेन को रद्द कर दिया गया है, कुछ ट्रेन को विभिन्न स्थानों पर रोका गया या उनकी सेवा को यात्रा गंतव्य से पहले ही समाप्त घोषित कर दिया गया। नगांव के संभागीय वन अधिकारी सुहाश कदम ने बताया कि यह घटना चांगजुराई गांव में हुई और संभवतः क्षेत्र में भारी कोहरे के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा, मृत सातों हाथियों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है और घायल हाथी का इलाज स्थानीय पशु चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है।

कहां हुआ हादसा : पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) के मुख्य प्रवक्ता कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि यह दुर्घटना लामडिंग मंडल के अंतर्गत जमुनामुख-कामपुर खंड में हुई। यह क्षेत्र गुवाहाटी से करीब 126 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दुर्घटना उस स्थान पर हुई जो हाथियों के लिए निर्धारित गलियारा नहीं है। हाथियों के झुंड को देखकर ट्रेन चालक ने आपातकालीन ब्रेक लगाए। फिर भी, हाथी ट्रेन की चपेट में गए।

नौ ट्रेनें रद्द....

डिगारू-मरियानी के बीच रद्द रहेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 15770 (मरियानी-अलीपुरद्वार) डिगारू से ही अपनी यात्रा शुरू करेगी।जिन रेलगाड़ियों को विभिन्न स्थानों पर रोका गया है उनमें सियालदह-सबरूम कंचनजंगा एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस और न्यू तिनसुकिया-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस शामिल हैं।

प्रथम पेज के शेष

स्विमिंग पूल में नहाते दिखे बिल क्लिंटन ...

के साथ दिखे हैं और सभी ने किसी तरह के गलत काम में शामिल न होने की बात कही। जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें सबसे ज्यादा चर्चा में बिल क्लिंटन की तस्वीरें हैं। एक तस्वीर में वह स्विमिंग पूल में हैं और उनके साथ जेफ्री एपस्टीन की करीबी गिस्लेन मैक्सवेल हैं। इसके अलावा एक और अज्ञात शख्स उनके साथ बैठा है। एक अन्य फोटो में क्लिंटन को लेटे हुए दिखाया गया है। इस तस्वीर में भी एक अज्ञात व्यक्ति उनके साथ है, जिसकी पहचान को छिपाया गया है। न्याय मंत्रालय के मुताबिक, इस तस्वीर में दिख रहा व्यक्ति एपस्टीन से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले का पीड़ित है। क्लिंटन एक तीसरी तस्वीर में एक युवा लड़की के साथ तस्वीर खिंचा रहे हैं, जो कि उनकी कुर्सी के आर्मरेस्ट पर बैठी है और उसके हाथ क्लिंटन के कंधे पर हैं। इसी तरह की एक और तस्वीर में क्लिंटन को अपने पूर्व सलाहकार डग बैंड और अभिनेता केविन स्पेसी के साथ लंदन के चर्चिल वॉर रूम में दिखाया गया है। एपस्टीन के न्यूयॉर्क स्थित घर से ली गई एक तस्वीर में क्लिंटन की पेंटिंग भी लटकी दिखाई गई। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति से जुड़ी इन तस्वीरों में तारीख नहीं दी गई है। हालांकि, 1990 से 2000 के दशक के बीच उन्हें कई बार एपस्टीन के साथ देखा गया। बता दें कि एपस्टीन यौन अपराध केस में अब तक जितने पीड़ित सामने आए हैं, उनमें से किसी ने भी क्लिंटन पर गलत काम के आरोप नहीं लगाए हैं। 2019 में खुद बिल क्लिंटन ने कहा था कि वे एपस्टीन के किसी भी गंभीर अपराध के बारे में नहीं जानते थे। इन फाइल्स के सामने आने के बाद क्लिंटन के प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप प्रशासन उनका इस्तेमाल कर खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है। बयान में कहा गया कि एक समूह था, जिसने एपस्टीन के अपराध की जानकारी सामने आने से पहले ही उससे संपर्क खत्म कर लिए थे। दूसरा समूह था जिसने अपराध की बात पता चलने के बाद उससे रिश्ते तोड़े। हम पहले समूह का हिस्सा हैं।

जुआरी जंगल में चला रहे थे फड़ ...

13 जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वहीं दूसरी ओर करतला थाना प्रभारी की लापरवाही सामने आते ही इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने करतला थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है और मामले की जांच का आदेश दिया है। बताया जाता है कि करतला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भेलवाटार में लंबे समय से जुआरियों की महफिल सज रही थी। मुखबीर से इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के कानों तक पहुंची थी फिर क्या था जुआरियों को धर दबोचने के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर सायबर सेल थाना उरगा और चौकी रजगामार की संयुक्त टीम ने थाना करतला क्षेत्र के भेलवाटार जंगल में छापेमारी की कार्रवाई की। जहां जुआ खेलते हुए पड़ोसी जिले जांजगीर चांपा के के 20 जुआरियों को पुलिस ने रंगे हाथों धर दबोचा है, तो वहीं दूसरी ओर विगत दिनों पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने इससे पहले 12 अप्रैल 2025 को अपराध समीक्षा बैठक में जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को जुआ जैसे सामाजिक अपराध में शामिल लोगों को चिन्हित कर सख्त वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद थाना प्रभारी करतला कृष्ण कुमार वर्मा द्वारा जुए से जुड़े लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। एसपी के अनुसार यह लापरवाही, कर्तव्य विमुखता, स्वेच्छाचारिता और संदिग्ध कार्यशैली का मामला है। इसी आधार पर निरीक्षक कृष्ण कुमार वर्मा, थाना प्रभारी करतला को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय रक्षित केंद्र कोरबा रहेगा।

पंजाब नेशनल बैंक की ...

कर्मचारी बैंक से नगदी रकम ट्रे में रखकर एटीएम में डाल रहीं थी इसी दौरान एक नकाबपोश युवक आधा खुला एटीएम के शटर से अंदर आया एवं महिला कर्मियों पर स्प्रे छिड़ककर ट्रे में रखा नोटों का बंडल 57200 रुपए लेकर एटीएम के बाहर इंतजार कर रहे अपने साथी के मोटरसाइकिल में बैठकर फरार हो गया। घटनाक्रम इतनी तेजी से हुआ कि महिला कर्मियों को पहले कुछ समझ में नहीं आया एवं समझ में आने पर उन्होंने चिल्लाकर लुटेरों को पकड़ने की बात कही लेकिन तब तक लुटेरे मोटरसाइकिल में बैठकर फरार हो चुके थे। घटना के बाद महिला कर्मियों ने शाखा प्रबंधक अरविंद मिश्रा एवं अन्य कर्मचारियों को एटीएम में हुए लूट की जानकारी प्रदान करने पर सीसीटीवी फुटेज को कंगाल कर अकलतरा पुलिस थाने में घटना की सूचना दी गई। सूचना पर थाना प्रभारी भास्कर शर्मा मौके पर पहुंचे एवं सीसीटीवी फुटेज व अन्य जानकारी लेकर घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले को विवेचना में लिया गया।

कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के चलते हुई घटना : मिनीमाता चौक अकलतरा तरौद के पंजाब नेशनल बैंक के सामने स्थित एटीएम में आज सुबह हुई लूट की घटना स्पष्ट तौर पर कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के चलते घटित हुई है। एटीएम में रकम डालते समय नियमानुसार एटीएम का शटर पूर्ण रूप से बंद होना चाहिए लेकिन पंजाब नेशनल बैंक की महिला कर्मी एटीएम का शटर खोलकर रकम एटीएम में डाल रही थी। रकम डाले जाने के दौरान एटीएम के बाहर बंदूकधारी सुरक्षा गार्ड उपस्थित होने का नियम है लेकिन पीएनबी एटीएम के सामने आज कोई सुरक्षा गार्ड उपस्थित नहीं था। सुरक्षा गार्ड नहीं होने की स्थिति में कम से कम एक दो बैंक कर्मियों को एटीएम के सामने रहना था लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ जिसके चलते लुटेरे आसानी से रकम लूटकर फरार हो गए।

बंदूकधारी सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था नहीं : एटीएम में राशि डालते समय नकाबपोश के द्वारा बैंक कर्मियों को धक्का देकर 57200 रुपए की लूट हुई है। विगत कुछ वर्षों से ऑनलाइन व्यवस्था होने के बाद उच्च कार्यालय से बंदूकधारी सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था नहीं है। -अरविंद मिश्रा, शाखा प्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक मिनीमाता चौक, तरौद, अकलतरा

लीपा पोती की कोशिश....

दबाव बनाए जाने पर मामले की सूचना पुलिस थाने में दी गई। मीडिया कर्मियों के द्वारा घटना के संबंध में पूछे जाने पर पंजाब नेशनल बैंक के जिला सिक्योरिटी प्रभारी अभिषेक तिवारी के द्वारा प्रारंभ में तो किसी भी प्रकार के लूट की घटना नहीं होने की बात कही गई। सीसीटीवी फुटेज में लूट की घटना स्पष्ट रूप से दिखाने पर ही मामले की सूचना पुलिस थाने में दी गई अन्यथा लूटी गई रकम 57200 रुपए को बैंक कर्मचारियों के द्वारा आपस में मिलाकर एटीएम में डालकर पूरे घटनाक्रम से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया जा रहा था।

आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे ...

नीदरलैंड के विदेश मंत्री की यह भारत यात्रा बीते 17 से 19 दिसंबर तक हुई। जिसमें उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस.जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने नोएडा स्थित अपने देश की सेमीकंडक्टर कंपनी एनएक्सपी का दौरा भी किया। विदेश मंत्री के निमंत्रण पर नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने भारत की यह पहली आधिकारिक यात्रा की। जयशंकर ने कहा कि हम भारत-यूरोपीय संघ के मजबूत संबंधों और मुक्त व्यापार समझौते के समापन के लिए नीदरलैंड के समर्थन की सराहना करते हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

कांग्रेस नेता अलका लांबा पर होंगे आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता अलका लांबा पर आरोप तय करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि पहली नजर मे लांबा के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना सही है। यह मामला 2024 में जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर हमले से जुड़ा है। राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्वनी पंवार 29 जुलाई, 2024 को जंतर मंतर पर महिला आरक्षण के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान सड़क को जाम करने और पुलिस को रोकने के लिए कांग्रेस नेता के खिलाफ दर्ज मामले की सुनवाई कर रहे थे।

एसीजेएम ने कहा, 'अदालत की राय है कि अभियुक्त अलका लांबा के खिलाफ धारा 132/ 221/ 223 (ए)/ 285 बीएनएस के तहत दंडनीय अपराधों के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है। इसलिए अभियुक्त के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया जाता है।' अदालत ने अलका लांबा की इस मामले में बरी होने की याचिका को भी खारिज कर दिया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जंतर-मंतर रोड के आसपास के इलाके में निषेधाज्ञा लागू थी और संसद की ओर मार्च करने की इजाजत नहीं दी गई थी। पुलिस का आरोप है कि बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद, लांबा और अन्य प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, संसद का घेराव करने के नारे लगाए, पुलिसकर्मियों को धक्का दिया और सड़क पर बैठकर उसे जाम कर दिया।

इस घटना के बाद पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी।

किश्तवाड़ प्रोजेक्ट में काम कर रहे 29 कर्मचारियों के मिले टेरर लिंक

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर बन रहे 850 मेगावाट के रतले हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की सुरक्षा को लेकर स्थानीय पुलिस ने चिंता जताई है। पुलिस ने निर्माण कार्य कर रही कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) को 1 नवंबर को पत्र लिखकर सूचना दी थी कि प्रोजेक्ट में काम कर रहे 29 कर्मचारियों के आतंकी संबंध या क्रिमिनल बैकग्राउंड हैं।

किश्तवाड़ के एसएसपी नरेश सिंह ने मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के जनरल मैनेजर को लिखे पत्र में चिंता जताई है कि ये कर्मचारी रणनीतिक महत्व के इस प्रोजेक्ट के लिए खतरा बन सकते हैं। पत्र में कहा गया है कि हाइड्रो प्रोजेक्ट राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अहम होते हैं और दुश्मन देशों के निशाने पर रहते हैं। पुलिस ने एमईआईएल को सुझाव दिया है कि ऐसे दागी पृष्ठभूमि वाले कर्मचारियों की नियुक्ति पर पुनर्विचार किया जाए, उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी जाए और कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर तुरंत सूचना दी जाए।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कंपनी को पत्र लिखकर दी जानकारी

चिनाब नदी पर 850 मेगावाट के प्रोजेक्ट पर चल रहा है काम

पुलिस वेरिफिकेशन से मिली यह जानकारी

किश्तवाड़ पुलिस के वेरिफिकेशन में पता चला है कि इन 29 में से 5 कर्मचारी सक्रिय या सरेंडर आतंकियों के रिश्तेदार हैं। एक कर्मचारी का सगा चाचा हिज्बुल मुजाहिदीन का सक्रिय आतंकी मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरूरी है, जो इस प्रोजेक्ट में का कर रहे दो अन्य कर्मचारियों का भी भाई और चचेरा भाई लगता है। एक कर्मचारी का पिता सरेंडर मिलिटेंट है, जबकि एक अन्य का पिता सीआईडी रिकॉर्ड में ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्लू) के रूप में दर्ज है। बाकी 24 कर्मचारियों के खिलाफ विभिन्न क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

पुलिस के पत्र का निर्माण कंपनी ने दिया जवाब

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के जॉइंट चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर हरपाल सिंह ने मीडिया से बातचीत में किश्तवाड़ पुलिस का पत्र मिलने की पुष्टि की और कहा कि कंपनी ने इस संबंध में जवाब दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन कर्मचारियों पर नजर रखी जाएगी, लेकिन उन्हें हटाना मुश्किल है क्योंकि ये खुद आतंकी या ओजीडब्लू नहीं हैं और क्रिमिनल केस में दोषी साबित नहीं हुए हैं। हरपाल सिंह ने बताया कि ये कर्मचारी उनके कंपनी जॉइन करने से पहले भर्ती हुए थे।

भाजपा विधायक पर कंपनी ने लगाया आरोप

दूसरी ओर, एमईआईएल ने स्थानीय बीजेपी विधायक शगुन परिहार पर प्रोजेक्ट में दखल देने और अपनी पसंद के लोगों को नौकरी दिलाने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। कंपनी का कहना है कि हाल में 200 मजदूरों की छंटनी नियमों के तहत की गई और सभी को मुआवजा दिया गया। यह विवाद प्रोजेक्ट की प्रगति को प्रभावित कर रहा है, जो पहले से ही देरी का शिकार है। रतले हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट नेशनल हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचपीसीएल) और जम्मू-कश्मीर सरकार का जॉइंट वेंचर है, जिसकी अनुमानित लागत 3700 करोड़ रुपये है। यह राष्ट्रीय महत्व का प्रोजेक्ट है और इसकी सुरक्षा पर उठ रहे सवाल गंभीर चिंता का विषय हैं।

भाजपा विधायक ने लगाए गंभीर आरोप

इस मामले ने राजनीतिक विवाद को भी हवा दी है। भाजपा की किश्तवाड़ विधायक शगुन परिहार ने मांग की कि इन 'दागी' कर्मचारियों को तुरंत बर्खास्त किया जाए। उन्होंने आजतक से फोन पर बातचीत में कहा कि किश्तवाड़ पुलिस की रिपोर्ट उनकी बात को सही साबित करती है और वह शुरू से इस मुद्दे को उठा रही हैं। बाजेपी विधायक ने कंपनी पर गरीब स्थानीय मजदूरों को निकालकर आतंकियों के रिश्तेदारों को रखने का आरोप लगाया।

अगस्ता वेस्टलैंड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मिशेल को जमानत

4 दिसंबर को प्रत्यर्पण : मिशेल को दुबई से प्रत्यर्पित कर 4 दिसंबर 2018 को भारत लाया गया था। 23 अक्टूबर 2020 को कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दायर पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। चार्जशीट में 13 को आरोपी बनाया गया है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आगस्तावेस्टलैंड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के मामले में रिहा करने का आदेश दिया है। लेकिन वह अभी जेल से बाहर नहीं आएगा, क्योंकि सीबीआई के मामले में उसकी रिहाई को लेकर कोई आदेश नहीं दिया गया है। कोर्ट के आदेश के बाद क्रिश्चियन मिशेल जेम्स ने कहा, 'भारत में कुछ अच्छे जज हैं। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे वे मिले। मैं कोर्ट के आदेशों से संतुष्ट हूं। भारत का संविधान बहुत अच्छा है।' क्रिश्चियन मिशेल के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि उनके क्लाइंट इस मामले में पहले ही सात साल की अधिकतम सज़ा के बराबर समय जेल में बिता चुके हैं और इसलिए उन्हें रिहा कर दिया जाना चाहिए।

12 साल से जांच पूरी नहीं : सुनवाई के दौरान मिशेल की ओर से पेश वकील ने कहा कि इस मामले में पिछले 12 साल से जांच पूरी नहीं हुई है। मिशेल पिछले सात सालों से जेल में बंद है। सुनवाई के दौरान जब कोर्ट ने मिशेल के वकील से पूछा कि आप क्या चाहते हैं। किन शर्तों पर मिशेल को रिहा किया जा सकता है, तब मिशेल ने वकील ने कहा कि ये कोर्ट की जिम्मेदारी है कि कोई भी व्यक्ति अधिकतम सजा से ज्यादा दिनों तक हिरासत में नहीं रहे। उन्होंने कहा कि हिरासत से रिहा होने के बाद मिशेल ट्रायल में हिस्सा लेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर का बड़ा बयान

अब कोई मर्जी नहीं थोप सकता शक्ति और प्रभाव के कई केंद्र

एजेंसी ⏭ पुणे

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक बयान में कहा है कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक संतुलन बड़े बदलाव से गुजर रहा है और अब ताकत के कई केंद्र उभरे हैं। पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि कोई भी देश, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अब सभी मुद्दों पर अपनी मर्ज़ी थोप नहीं सकता। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह भी है कि अब दुनिया के देशों के बीच एक स्वाभाविक मुकाबला है और यह अपना संतुलन बनाता है। शक्ति और प्रभाव के कई केंद्र उभरे हैं।

उन्होंने कहा कि शक्ति के विचार की कई परिभाषाएं हैं, जिनमें व्यापार, ऊर्जा, सेना, संसाधन, तकनीक और टैलेंट शामिल हैं।

सही फैसलों और नीतियों से भारत आगे

डॉ. जयशंकर ने कहा कि आजादी के बाद, कई देश तरक्की और खुशहाली हासिल कर पाए और अब वे अपनी किस्मत खुद नियंत्रित करते हैं। सही फैसलों और समझदारी भरी नीतियों ने बहुत बड़ा फर्क डाला है। भारत के मामले में, हमने देखा है कि कैसे नेतृत्व और प्रशासन ने हमारी आर्थिक वृद्धि और सामाजिक बदलाव के अलग-अलग दौर में उतार-चढ़ाव का सामना किया। इस दौर में जिस देश ने सबसे ज़्यादा फायदा उठाया है, वह चीन है। लेकिन हमने भी अच्छा किया है, खासकर सुधारों के बाद के दौर में, और पिछले दशक में तो और भी ज़्यादा। इसके उलट, पश्चिमी दुनिया का ज़्यादातर हिस्सा अब महसूस करता है कि वह ठहर गया है, यह भावना धीरे-धीरे राजनीतिक मायने लेने लगी है। पश्चिमी लोगों ने जानबूझकर ज़्यादा मुनाफा कमाने के लिए उत्पादन इकाइयों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला किया। इसके चलते बीते वर्षों में उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कम हुई है, जिसे उनके लाइफस्टाइल ने और प्रभावित किया है।

पाक के पूर्व पीएम इमरान और बुशरा को 17-17 साल की कैद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जवाबदेही अदालत ने जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में शनिवार को 17-17 साल के कारावास की सजा सुनाई।

अगस्त 2023 से जेल में बंद खान (73) अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ होने के बाद से विभिन्न मुकदमों का सामना कर रहे हैं। तोशाखाना-2 मामला 2021 में खान और बीबी को सऊदी सरकार से मिले सरकारी उपहारों में हुई कथित धोखाधड़ी से जुड़ा है। विशेष अदालत के न्यायाधीश शाहरुख अर्जुमंद ने रावलपिंडी में स्थित उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में इस मामले में फैसला सुनाया, जहां पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख खान फिलहाल बंद हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार गुरूर, जिला-बालोद (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.-202512242600037
ब-121 वर्ष 2025-2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम ग्रामवासी ग्राम बालोदगहन को सूचित किया जाता है कि कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गुरूर, जिला बालोद के ज्ञा. क्र./1454/प्र./अ.वि.अ. -/ 2025 गुरूर दिनांक 04.12.2025 के अनुसार आवेदिका महेश्वरी पति स्व. बिदेशी राम मंडावी, निवासी बालोदगहन, तहसील गुरूर, जिला बालोद (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर उल्लेख किया है कि आवेदिका के पति स्व. बिदेशी राम मंडावी / वनरक्षक कान्हा टायगर रिजर्व मंडल म.प्र. में वनरक्षक के पद पर पदस्थ थे। जिनका आकस्मिक निधन दिनांक 15/04/2025 को हो गया है। मृतक स्व. बिदेशी राम मंडावी के उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्रदाय करने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो नियमानुसार जांचकर जांच प्रतिवेदन बाबत इस न्यायालय को प्राप्त होने पर प्रकरण की कार्यवाही प्रारंभ किया गया।

अतः उक्ताशय के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा-आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13/01/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति-दावा पेश कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति - दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
गुरूर, जिला-बालोद (छ.ग.)

PUBLIC NOTICE

It is hereby notified for general information of all concerned that the name of the firm **"MEGH HOSPITAL"** has been changed to **"MEGH CLINIC"** with effect from 28/08/2025.

All the business activities, rights, liabilities, contracts, records and dealings of **MEGH HOSPITAL** shall henceforth be carried on in the new name MEGH CLINIC. This change is in name only and does not affect the constitution, ownership or management of the firm.

All concerned parties, patients, suppliers, bankers and authorities are requested to take note of the above change.

Place : Kawardha
Date: 20/12/2025

For MEGH CLINIC
(Formerly known as MEGH HOSPITAL)
Partner
Name: Dr Manish Jain

न्यायालय कलेक्टर, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

सूचना

राजस्व प्रकरण क्रमांक ब / 121, वर्ष 2024-25
ईकोर्ट नंबर 202530802000018

(वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पूनर्गठन और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 - धारा 14)

पक्षकार - छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, शाखा पण्डरिया, क्षेत्रीय कार्यालय राजनांदगांव

विरूद्ध

श्रीमती राजकुमारी ठाकुर पति श्री यशवंत सिंह ठाकुर, निवासी-वार्ड नंबर 07, नवापारा लोरमी रोड़ पण्डरिया, जिला- कबीरधाम, छ.ग.

दावा

श्रीमती राजकुमारी ठाकुर पति श्री यशवंत सिंह ठाकुर, निवासी-वार्ड नंबर 07, नवापारा लोरमी रोड़ पण्डरिया, जिला- कबीरधाम, छ.ग.

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक- 23.12.2025 को समय दोपहर 12.00 बजे न्यायालय कलेक्टर, जिला- कबीरधाम, छ.ग. में होगी। उक्त प्रकरण में आपकी उपस्थिति आवश्यक है। अतः आप नियत दिनांक को स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। अनुपस्थिति की दशा में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 02.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

मुहर

प्रभारी अधिकारी
(रीडर शाखा)
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

राशिफल

मेष — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

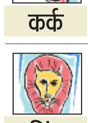
सिंह — आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 6084

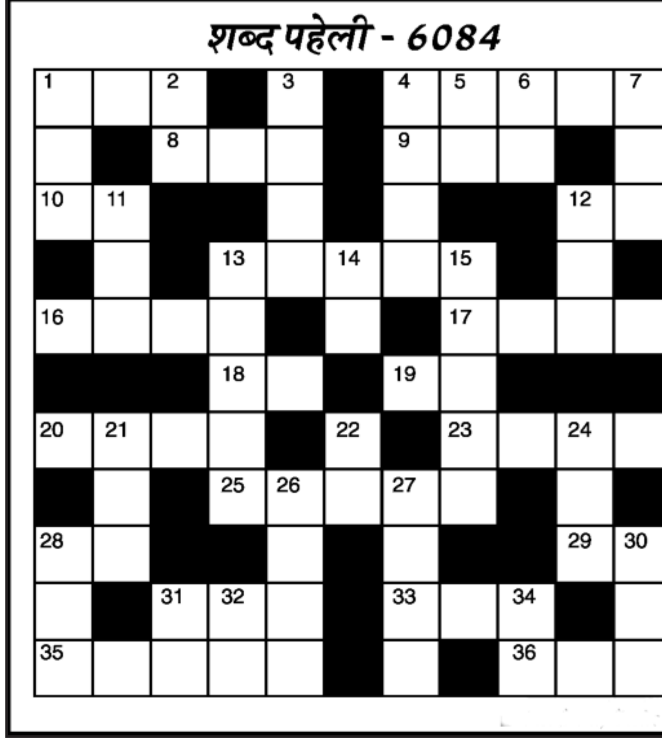

बाएँसेदाए±
1. द्वेष, झगड़ा, रार-3
4. बुरकापोश-5
8. गागर, घड़ा-3
9. प्याऊ (उर्दू-3)
10. पैंदा, तला-2
12. बरस, वर्ष-2
13. सतत, लगातार-5
16. मजार, समाधि-4
17. उदारता, बड़पन्न-4
18. वायदा, कसम-2
19. महीना, माह-2
20. हमसफर-4
23. आदेश, आज्ञा-4
25. कहानी लेखक-5
28. गधा, गर्दभ-2
29. श्रवणेंद्रिय-2
31. बारिश, वर्षा-3
33. देवर्षि-3
35. दया करना-3,2
36. चिंतन

ऊपर से नीचे
1. कुपुत्र-3
2. अधिकार-2
3. सलाह, राय-4
4. अफसोस, खेद-4
5. शीतकालीन फसल-2
6. दलहन-2
7. ठंडा, सर्द-3
11. जिज्ञासा, उत्साह-3
12. बारिश का मौसम-3
13. धारावाही, अविराम, सीरियल-5
14. रीत, परंपरा-2
15. जीवनसाथी, हमराही-5
21. मोर-3
22. जल, नीर-2
24. पीहर-3
26. गजशाला, हाथी घर-4
27. करतब, करामात-4
28. उपभोग, खर्च-3
30. नेत्र, चक्षु, आंख-3
31. सवारी गाड़ी-2
32. रहन, गिरवी वस्तु-2
34. ताकत, जोर, बल-2

शब्द पहेली -6083 का हल

म	न	मो	ह	न	■	र	वा	ना	हो	ना
न	■	म	क	र	■	त	ल	ना	■	का
मो	ह	■	■	गि	■	ज	■	■	क	म
ह	म	■	आ	स	ल	गा	ना	■	मा	या
क	ल	र	व	■	क्ष	■	म	त	ल	व
■	■	■	भ	ला	■	जो	र	■	■	■
ज	ग	म	ग	■	मौ	■	ख	चा	ख	च
मी	ल	■	त	म	त	मा	ना	■	र	म
न	त	■	■	हा	■	ल	■	■	ल	क
दा	■	म	चा	न	■	खा	रि	श	■	दा
र	म	णी	य	ता	■	ना	ट	क	का	र

सूडोकु नवताल - 6094

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6093 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

तरकश

-संजय के. दीक्षित

कहीं खुशी, कहीं गम

छत्तीसगढ़ के बीजेपी प्रभारी नितिन नबीन अब पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बन गए हैं और अगले महीने पूर्णकालिक भी हो जाएंगे। नितिन के पार्टी सुप्रीमो बनने से छत्तीसगढ़ के बीजेपी नेताओं का एक वर्ग खुश है तो कुछ लोगों को 440 वोल्ट का झटका लगा है। इनमें कई मंत्री शामिल हैं तो कुछ निगम-मंडलों के चेयरमैन और संगठन के बड़े नेता भी। असल में, नितिन के पास सारे नेताओं की कुंडली है कि कौन क्या गुल खिला रहा है। उन्हें उन मंत्रियों के बारे में भी पता है कि सरकार बनते ही बिना वक्त गंवाए कैसे तूफानी बैटिंग शुरू कर दी। और उनकी नोटिस में यह भी है कि संगठन का कौन नेता पोस्टिंग और सप्लाई-ठेका के जरिये अपने होने की कीमत वसूल रहा है। जाहिर है, आने वाले टाईम में मंत्रिमंडल का पुनगर्ठन होगा, फिर उसमें नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने का असर भी दिखेगा। बता दें, नितिन छत्तीसगढ़ के पहले बीजेपी प्रभारी होंगे, जो दो साल में पूरे छत्तीसगढ़ को मथ दिया। 146 ब्लॉकों में से शायद ही कोई उनकी पहुंच से बचा होगा। रायपुर बीजेपी ऑफिस में बैठकर किस विधानसभा में कितना पोस्टर-बैनर भेजना है, वे ये भी तय करते थे और ग्राउंड पर जाकर खुद भी परखते थे कि वहां की सीट निकालने के लिए किस रणनीति पर काम करना होगा। इसके चलते छोटे-से-छोटे अल्पज्ञात कार्यकर्ताओं से भी उनके सीधे संवाद है। ऐसे में, दिल्ली में बैठकर भी छत्तीसगढ़ की चीजें उनसे अछूती नहीं रहेंगी। और चीजें जब उनकी नोटिस में रहेंगी तो जानते ही हैं क्या होगा? लिहाजा, कुछ लोगों का दुखी होना स्वाभाविक है।

सप्लायर को फटकार कर भगाया

बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन की छबि कितनी साफ-सुथरी है कि बिहार में लगातार 20 साल से विधायक और मंत्री होने के बाद भी उन पर अब तक कोई आरोप नहीं लगा। छत्तीसगढ़ से जुड़ा एक वाकया भी उनका काफी चर्चा में रहा था। दिसंबर 2023 में बीजेपी की सरकार बनने के बाद बहुचर्चित 300 करोड़ के सीजीएमएससी कांड में जब ठेकेदार को कहीं से कोई रहम मिलता नहीं दिखा तो कुछ भाई साहबों ने उसे सलाह दी कि नितिन नबीन से जाकर मिलो, शायद वहां मोक्ष मिल जाए। सप्लायर सूटकेस लेकर पटना पहुंच गया। नितिन को पता चला कि तो उन्होंने न केवल मिलने से मना किया बल्कि स्टाफ से जमकर फटकार भी लगवाई। नितिन नबीन जब ऐसे हैं तो मंत्रियों के 40 परसेंट रेट का क्या होगा?

सातवें नंबर से टॉप पर

नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का फैसला इतना चौंकाने वाला था कि किसी को सहसा यकीं नहीं हुआ। जब यह खबर आई तो वे पटना के कार्यकर्ता सम्मेलन में थे और वक्ता के तौर पर उनके बोलने का क्रम सातवें नंबर पर था। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय सिनहा, सांसद रविशंकर प्रसाद, विवेक ठाकुर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव। फिर नितिन नबीन। मगर एक झटके में वे सातवें से नंबर वन पर पहुंच गए। बीजेपी में वे नंबर वन रहेंगे ही, पार्टी प्रोटोकॉल में भी पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बाद उनका स्थान होगा।

बिल्डरों को तोहफा, जनता को?

जमीनों के गाइडलाइन रेट के युक्तियुक्तकरण से आई कयामत के बावजूद छत्तीसगढ़ के बिल्डर बड़े गदगद हैं। सरकार ने उन्हें न्यू ईयर गिफ्ट देते हुए रजिस्ट्रेशन में सुपर बिल्डअप का क्लॉज समाप्त कर दिया है। याने फ्लैट की रजिस्ट्री अब बिल्डअप एरिया के हिसाब से होगी। जाहिर है, इससे रजिस्ट्री का रेट 30 से 40 परसेंट कम हो जाएगा। ये पैसा सरकार के खजाने में जाता था। बिल्डअप एरिया के हिसाब से रजिस्ट्री होने से अब फ्लैट का रेट कम हो जाएगा। इससे फ्लैट के सेल तेज होगा। मगर प्रश्न उठता है सुपर बिल्डअप का रजिस्ट्री चार्ज नहीं लगेगा तो फिर आम आदमी से सुपर बिल्डअप का रेट कैसे? रेरा के एक्ट में भी स्पष्ट तौर से कहा गया है कि सुपर बिल्डअप डेवलपमेंट का हिस्सा है, उसका रेट अलग से नहीं लिया जा सकता। सुपर बिल्डअप में सीढ़ी से लेकर लॉन और बाल्कनी तक बिल्डर जोड देते हैं। अब आप कहेंगे कि बिल्डर को अगर सुपर बिल्डअप का रेट नहीं लेने कहा जाएगा तो वो वह फ्लैट का रेट बढ़ा देगा...याने घूमा-फिराकर वही पड़ेगा। तो इसका जवाब है...बिल्डअप-सुपरबिल्डअप के फेर में आम आदमी गुमराह हो जाता है। आमतौर पर होता ऐसा है कि कोई फ्लैट खरीदने जाता है तो उसे फुट के हिसाब से रेट बताया जाता है। बाद में जब सौदा पटने लगता है तो पता चलता है कि रजिस्ट्री इतने की नहीं, इतने सुपरबिल्डअप एरिया की होगी। ऐसे में, कस्टमर बिल्डरों के ट्रिक में फंस जाता है। इसे रेरा को देखना चाहिए। 2013 में उसका गठन ही उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए किया गया था।

सीएस का सचिवालय

मुख्यमंत्री की तरह मुख्य सचिव को भी अपने सचिवालय में अपने हिसाब से अफसर पोस्ट करने की स्वतंत्रता होती है। फिर भी सक्षम अधिकारियों को ही सीएस सचिवालय में पोस्टिंग होती है। देश के कई राज्यों में आईएएस भी सिकेट्री होते हैं और राज्य प्रशासनिक सेवा के भी। छत्तीसगढ़ में भी सुनिल कुमार ने 2003 बैच की आईएएस ऋतु सैन को अपना ज्वाइंट सिकरेट्री बनाया था। उनसे पहले आरपी बगाई के सीएस रहने के समय आईएएस ईशिता राय उनके सचिवालय में रहीं। इन दो के अलावा हमेशा राप्रसे अधिकारियों को ही सीएस सचिवालय का हेड बनाया गया। दरअसल, सीएस के सिकरेट्री को पीएमओ, डीओपीटी से लेकर भारत सरकार के मंत्रालयों तक से बात करनी होती है, इसलिए कंपिटेंट अफसरों को ही इस पद पर बिठाया जाता है। हालांकि, अमिताभ जैन ने नया प्रयोग किया था...नायब तहसीलदार कैडर से प्रमोट हुए अधिकारी को अपना सिकेट्री बनाया था। इससे उनको कितना फायदा हुआ, ये तो नहीं मालूम। मगर अब नए सीएस सचिवालय के हेड की तलाश शुरू हो गई है। कायदे से सीएस सचिवालय में आईएएस को ही बिठाना चाहिए। भले ही राजभवन की तरह एक अच्छी पोस्टिंग उसके लिए सुनिश्चित कर दी जाए।

मंत्री आगे, सिकेट्री पीछे!

सरकार ने सचिवों को हर तीन महीने में अपने विभाग का रिपोर्ट कार्ड मीडिया से शेयर करने कहा था। इसके अतिरिक्त प्रेस नोट, सक्सेस स्टोरी से लेकर सोशल मीडिया पोस्ट तक में मार्किंग सिस्टम बनाया गया था। याने इतने पोस्ट पर इतने अंक मिलेंगे। इससे सचिवों का परफर्मेंस परखा जाना था। प्रेस कांफ्रेंस के लिए सरकार ने बकायदा शेड्यूल जारी किया था। इस तारीख को ये सिकेट्री प्रेस मिलेंगे तो फलां तारीख को ये। मगर आलम यह है कि 20 दिन से ज्यादा गुजर गया, अभी तक दो-तीन सचिव ही मीडिया को फेस कर पाए हैं। सचिवों से आगे मंत्री निकल गए हैं। अभी तक चार-पांच मंत्री सरकार की उपलब्धियों पर मीडिया को एड्रेस कर चुके हैं। मुख्यमंत्री के अनुमोदन से सचिवों को यह काम सौंपा गया था, इसे तो टॉप प्रायरिटी पर होना चाहिए।

सीईओ गायब?

बेमेतरा जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर के आवास पर 19 नवंबर को एसीबी ने छापा मारा था। कमिश्नर लैंड रिकार्ड में पोस्टिंग के दौरान पटवारी से आरआई प्रमोशन घोटाले में उनका भी नाम है। इसी सिलसिले में एसीबी उनके घर दबिश दी। छापे में अहम साक्ष्य मिलने पर एसीबी ने उनके खिलाफ मुकदमा कायम कर लिया। इसके बाद से सीईओ का कोई पता नहीं है। पता नहीं, पंचायत या जीएडी की नोटिस में ये है भी कि नहीं? अगर नोटिस में नहीं है तो ये भी गंभीर है और नोटिस में होने के बाद भी वहां अब तक कोई पोस्टिंग नहीं करना उससे भी ज्यादा गंभीर है।

प्रशासन या तमाशा!

राजधानी रायपुर से लगभग लगा जिला है बेमेतरा। बेमेतरा में प्रशासन का क्या हाल है, आप इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि एक अफसर पूरे जिले का माई-बाप है। अपर कलेक्टर में प्रमोट होने के बाद प्रकाश भारद्वाज के पास अभी भी एसडीएम का प्रभार है। इसके साथ एडीएम का चार्ज भी। जिला पंचायत सीईओ के गोल होने पर कलेक्टर के कहने पर वहां का दायित्व भी संभाल रहे तो दो दिन से प्रभारी कलेक्टर भी। रणवीर शर्मा ने ट्रांसफर के बाद अपर कलेक्टर को चार्ज हैंड ओवर कर दिया। याने एक ही आदमी एसडीएम, एडीएम, अपर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और कलेक्टर भी। गजबे हाल है भाई प्रशासन का।

कार्रवाई या प्रमोशन?

सरकार ने कोरबा कलेक्टर अजीत बसंत का ट्रांसफर कर सरगुजा का कलेक्टर बनाया है। उनके तबादले को पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर की नाराजगी से जोड़कर देखा गया। सोशल मीडिया में भी इसी लाईन पर खबर चली। मगर ये समझ में नहीं आता कि अंबिकापुर जैसे जिले का कलेक्टर बनना कार्रवाई कैसे हुई? संभागीय मुख्यालय होने की वजह से अंबिकापुर का इम्पार्टेंस अभी भी कम नहीं हुआ है। फिर वह मुख्यमंत्री का गृह संभाग भी है। इस दृष्टि से भी सरगुजा में ठीकठाक अधिकारियों की पोस्टिंग दी जाती है। रही बात...कोरबा की तो वह कमाई-धमाई के हिसाब से टॉप का जिला हो सकता है। मगर अजीत बसंत इस टेम्परामेंट वाले रहे नहीं। सो, कोरबा में रहें या अंबिकापुर में, उन्हें क्या फर्क पड़ता है। ऐसे में तो ये प्रमोशन ही हुआ न।

सबसे खराब पोस्टिंग?

छत्तीसगढ़ सरकार ने इस हफ्ते 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए, उनमें सबसे खराब पोस्टिंग अंबिकापुर के कलेक्टर भोस्कर विलास संदीपन की रही। उन्हें एडिशनल इलेक्शन ऑफिसर बनाया गया है। सूबे के टॉप फाइव रैंक के जिले की कलेक्टरी करके आने वाले अफसर को कभी भी इतनी खराब पोस्टिंग नहीं मिली। अभी कोई इलेक्शन भी नहीं है, जिसके लिए वहां अफसरों की जरूरत हो। अलबत्ता, हैरानी इस बात की भी कम नहीं है कि इतने लंबे समय तक अंबिकापुर में वे टिक कैसे गए? छबि तो उनकी साफ-सुथरी है मगर इसके साथ व्यवहारिक होना भी जरूरी है। बहरहाल, यह सवाल बना रहेगा कि डिविजनल हेडक्वार्टर वाले जिले से सीधे निर्वाचन में पटक देना...आखिर ये हुआ क्यों?

प्रमोटी आईएएस मायूस

कलेक्टरों के बहुप्रतीक्षित ट्रांसफर से प्रमोटी आईएएस अधिकारियों को भी बड़ी उम्मीदें थीं। तीन-चार अधिकारी कुछ भाई साहबों की परिक्रमा भी कर चुके थे। मगर लिस्ट आई तो आवाक रह गए। किसी को कामयाबी मिली नहीं। सभी छह जिलों में डायरेक्ट आईएएस को कलेक्टर बनाया गया। प्रमोटी वालों को कम-से-कम बेमेतरा और नारायणपुर से बड़ी आस थी। खास कर नारायणपुर से। क्योंकि, पिछले दो-तीन बार से ऐसा हो रहा कि डायरेक्ट वाले वहां से कम समय में ही खो हो जा रहे। कांग्रेस शासनकाल में एक विधायक की नाराजगी से अभिजीत सिंह छह महीने में ही हटा दिए गए थे तो अभी प्रतिष्ठा ममगई को लेकर भी कुछ बातें थीं। मगर सरकार ने नारायणपुर के साथ बेमेतरा में भी डायरेक्ट वालों को पोस्ट करना मुनासिब समझा।

कलेक्टर्स अच्छे और एसपी?

छह कलेक्टरों की पोस्टिंग के बाद 33 में से 20 से अधिक जिलों में कलेक्टरों की टीम अच्छी हो गई हैं। इससे पहले जो लिस्ट आई थी, उसमें भी सरकार ने काम और छबि का ध्यान रखा था...इस बार की लिस्ट में भी इसे टॉप प्रायरिटी दिया गया। जाहिर है, मंत्रालय और डायरेक्ट्रेट सरकार के इंजन होते हैं तो कलेक्टर उसके पहिया। पहिया ही डिफेक्टिव रहेगा तो ट्रेन स्पीड में कैसे दौड़ेगी? बहरहाल, कलेक्टरों की टीम लगभग अच्छी हो गई है मगर पुलिस अधीक्षकों में अभी स्थिति खास बदली नहीं। लिहाजा, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर और जशपुर जैसे महत्वपूर्ण जिले प्रमोटी आईपीएस संभाल रहे। पिछले कुछ बरसों में आईपीएस का कैडर इतना डिरेल्ड हो गया कि सरकार को उस लायक कोई क्रेन और जेसीबी नहीं मिल रहा कि उसे उठाकर पटरी पर रखा जाए। पूर्व डीजीपी को छह महीने का एक्सटेंशन मिल गया और वर्तमान डीजीपी के आगे से प्रभारी शब्द हट नहीं पा रहा। पूरा दोष पीएचक्यू को भी नहीं दिया जा सकता...आधा दर्जन अधिकारियों के खिलाफ इंक्वायरी की फाइलें छह महीने से घूम रही, अनुमति मिलेगी कि नहीं, ये भी क्लियर नहीं। कुछ मिलाकर छत्तीसगढ़ पुलिस का भगवान मालिक हैं।

आईपीएस के तबादले

31 दिसंबर को आईपीएस अधिकारियों की एक लिस्ट निकलेगी। इसमें आईजी लेवल से लेकर डीआईजी, एसपी रैंक के आईपीएस होंगे। दरअसल, एक जनवरी से रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू होना लगभग पक्का हो गया है। आईजी रैंक के किसी आईपीएस को पुलिस कमिश्नर बनाया जाएगा और डीआईजी या सलेक्शन ग्रेड वाले को एडिशनल पुलिस कमिश्नर। इसके अलावे चार डीसीपी में से दो आईपीएस एसपी रैंक के होंगे। इसके लिए कुछ दूसरे जिलों से भी आईपीएस अधिकारियों को रायपुर बुलाया जाएगा। कुल मिलाकर आईपीएस की लिस्ट में अबकी गुड गवर्नेंस दिख सकता है।

सूचना आयुक्तों पर उलझन

विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी निकल गया। 17 दिसंबर की देर शाम तक मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के दावेदार टकटकी लगाए रह गए। शायद जीएडी से कोई आदेश निकल जाए। कई बार सरकार देर रात भी आर्डर जारी कर रही, इसलिए रात आंखों में कट गई। मगर सरकार बड़ी निर्मोही निकली...कम-से-कम अपने एक्स चीफ सिकरेट्री का ही ध्यान रख लेती। वो भी नहीं हुआ। पता चला है, सिफारिशों की बोझ से सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की फाइल दब गई है। सिस्टम करें तो क्या करें। इतने भाई साहबों के फोन आ चुके हैं कि सिस्टम कुछ समझ नहीं पा रहा...आखिर किसको नाराज करें। उधर अप्लीमेंट भी पीछे नहीं हैं...सवाल चार लाख महीने सेलरी की है। सवा दो लाख वेतन और उपर से 54 परसेंट डीए। सब मिलाकर एकाउंट में करीब-करीब चार लाख। आवेदकों में कुछ योग्य और काबिल लोग भी हैं। मगर बाकी के चक्कर में उनका मामला भी उलझ गया है।

कमिश्नर, जय रामजी

मनरेगा का नाम बदलकर जी जय रामजी हो गया है। मगर जब तक यह प्रचलन में नहीं आएगा तब तक इस योजना में कार्यरत लोगों को काफी कठिनाई आएगी। अब पदनाम को ही देखिए। छत्तीसगढ़ में इस योजना के कमिश्नर हैं तारन सिनहा। वे अब अपना परिचय क्या देंगे....कमिश्नर जी जय रामजी। कुछ दिन तो लोग समझ नहीं पाएंगे। पूछ रहा हूं पदनाम और बोल रहे जी...जयराम। जय राम जी का उल्टा अर्थ भी निकाला जाता है। याने जय राम हो गए। जी रामजी के इम्प्लाई ग्रुप में भी इस पर खूब चुटकी ली जा रही।

अंत में दो सवाल आपसे

1. सरकार ने डेपुटेशन पर जा रहीं आईएएस डॉ0 प्रियंका शुक्ला को पाठ्य पुस्तक निगम और समग्र शिक्षा में क्यों बिठाया?

2. सरकार द्वारा कई बड़े रिफार्म करने के बाद भी उसका मैसेज आम जनता में नहीं जा पा रहा, उसके पीछे कौन-सी वजहें हैं?

भारत के खिलाफ फिर डब्लूटीओ पहुंचा चीन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

चीन ने भारत के खिलाफ विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) से एक बार फिर शिकायत की है। ड्रैगन ने एक याचिका दायर की है, जिसमें भारत पर गंभीर आरोप लगाया है। चीन ने डब्ल्यूटीओ से भारत के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ और सौर क्षेत्र में दी जाने वाली सब्सिडी को लेकर ये शिकायत की है और बातचीत के लिए अनुरोध किया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, भारत का ये कदम डब्लूटीओ के नियमों के खिलाफ हैं, जिसमें राष्ट्रीय व्यवहार के सिद्धांत शामिल हैं और इनमें आयात पर सब्सिडी नहीं है। चीन का कहना है कि भारत ऐसी सब्सिडी दे रहा है, जो डब्लूटीओ के नियमों के खिलाफ है।

टैरिफ और सब्सिडी को लेकर लगाए गंभीर आरोप

यह है आरोप

चीन का आरोप है कि भारत के इस कदम से उसके घरेलू उद्योगों को अनुचित लाभ मिल रहा है। इससे चीन के आर्थिक हितों का नुकसान हो रहा है। आगे कहा कि ये उपाय चीन की कीमत पर भारत के घरेलू उद्योगों को लाभ पहुंचाते हैं, जो डब्लूटीओ के नियमों का उल्लंघन है। इन आरोपों के साथ ही चीन ने भारत से डब्ल्यूटीओ प्रतिबद्धताओं का पालन करने और इसमें सुधार करने की अपील की है।

दूसरी बार दायर की याचिका

यह याचिका 2025 में भारत के खिलाफ विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) में चीन की दूसरी याचिका है। इससे पहले, इसी साल अक्टूबर में, चीन ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और बैटरी क्षेत्रों में दी जाने वाली सब्सिडी को लेकर भारत के खिलाफ इसी तरह की याचिका दायर की थी। पिछली शिकायत में तर्क दिया गया था कि ईवी और बैटरी के लिए भारत की सब्सिडी चीनी बाजार के हितों को नुकसान पहुंचा रही है और इन चिंताओं को दूर करने के लिए डब्लूटीओ से परामर्श का अनुरोध किया गया था।

कांग्रेस ने किया बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान

एजेंसी ▸▸ मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा कि कांग्रेस बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी और चुनाव से पहले मुंबई नगर निगम में हुए कथित भ्रष्टाचार को लेकर चार्जशीट और जल्द ही अपना घोषणा पत्र जारी करेगी। उन्होंने कहा कि मुंबई का विकास ठीक से नहीं हुआ है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जनता जानती है। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्निथला ने साफ किया है कि कांग्रेस आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी पूरी तैयारी के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और जल्द ही अपना घोषणा पत्र भी जारी करेगी।

प्रभारी चेन्निथला बोले- जल्द जारी करेंगे घोषणापत्र

'भ्रष्टाचार को लेकर जनता के सामने रखेंगे चार्जशीट'

चेन्निथला ने कहा कि इसके साथ ही बीएमसी में हुए कथित भ्रष्टाचार को लेकर एक चार्जशीट भी जनता के सामने रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुंबई का विकास जिस तरह होना चाहिए था, वैसा नहीं हुआ. इसके लिए जिम्मेदार कौन है, यह जनता अच्छी तरह जानती है। चेन्निथला ने कहा कि कांग्रेस चुनाव में मुंबई से जुड़े गंभीर मुद्दों को उठाएगी, जिनमें भ्रष्टाचार और प्रदूषण प्रमुख होंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव स्थानीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं और कांग्रेस इन्हीं मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06-जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक, गोल बाजार के पास कार्य हेतु मेहनती लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क रायपुर 8349712577/ 9981390074.(RO-431)

आवश्यकता है- पंप एवं नल फिटिंग पाइप दुकान में काम करने हेतु आवश्यकता, सैलरी 10000- 12000, हेमाल की सैलरी 15000, बजाज एंटरप्राइजेज स्टेशन रोड रायपुर 964443 3085, 9425843865.(RO-119)

सेल्समैन

आवश्यकता है- वही केवल वही सेल्समैन हमसे संपर्क करें जिसको होलसेल रेडीमेड एवं कपड़े की लाइन का अनुभव और पूर्ण जानकारी हो वेतन 15000 से अधिक आपकी योग्यताअनुसार संपर्क 9340247171.(RO-112)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- बैग मेकिंग, कटिंग मशीन और पैकिंग कार्य हेतु अनुभवी एवं नए लड़के लड़कियों की आवश्यकता। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क- बंजारी मंदिर, रावाँभाटा, भानपुरी रायपुर 9993236555, 6260987110.(RO-113)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मैनेजर/टेक्नीशियन

आवश्यकता है
सेल्स एक्जीक्यूटिव 10
सर्विस टेक्नीशियन 06
सर्विस मैनेजर 01
RTO वर्क 01
CRM 02
PIAGGIO कमर्शियल
खुशी व्हील्स देवपुरी, रायपुर
7909418000

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 23,000/- प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222. (RO-20)

कांट्रेक्टर

आवश्यकता है- उरला इंडस्ट्रियल एरिया, रायपुर में फैक्ट्री में कैंटीन चलाने के लिए कांट्रेक्टर की आवश्यकता है। संपर्क करे: 8357065592. (RO-0095)

क्लीनिक कार्य

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक क्लीनिक में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़किया/ पुरूष/ महिला जरूरत संपर्क:-डॉ अग्रवाल गुरूद्वारा स्टेशन रोड दुर्ग मोहन नगर थाना के सामने मो.- 98271-99213 (आरो न.-4126)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

फर्नीचर कार्य

आवश्यकता है- फनीचर फैक्ट्री रायपुर भाठागाव मे काम करने के लिए 2 नये लडको की आवश्यकता है । वेतन योगयताअनूसार संपर्क करें- 6268718481. (RO-6506)

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- तेलीबांधा, मोतीबाग, सरोना, चंदनडीह, टाटीबंध, हेतु सिक्योरिटी हेट गार्ड, सिक्योरिटी गार्ड एंव हाऊसकीपिंग की आवश्यकता है। न्यूनतम योग्यता -10वीं पास। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क-9981144486. (RO-6508)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु, लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है। दुर्ग, भिलाई निवासी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार, संपर्क- डॉ.एच.सी.अग्रवाल मो.- 6177-89223, 94255-55659 मिलने का समय- शाम 5 बजे से 8बजे तक पता- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकीज के सामने ब्राइट फर्निचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.) (आरो न.-4125)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो ग्वालियर में रहकर काम कर सके वेतन- 12000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12,000 से 20000 महीने। संपर्क करें- 6269626054, 8982690021.(RO-523)

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के , आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री +गाड़ी किराया +कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क 7880003190, 7880003160. (RO-521)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

केयर टेकर

आवश्यकता है- बैरन बाजार रायपुर स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठान में 25 - 35 वर्षीय पढ़ी-लिखी महिला केयर टेकर 24 घंटे रहने- खाने की सुविधा एवं अच्छा वेतन। बाहरी व जरूरतमंद महिला को प्राथमिकता संपर्क करें- 7225844359.(RO-6510)

सर्विसिंग कार्य

आवश्यकता है- दो पहिया वाहन धुलाई (सर्विसिंग) हेतु युवको की आवश्यकता है वेतन 10,000 अनुभवनुसार संपर्क करें:- किशोर ऑटो पार्ट्स जय शंकर प्लाजा डगनिया मोबाइल 9425203217. (RO-433)

सर्वे कार्य

आवश्यकता है- N.S.N. कंपनी में सर्वे कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं, उम्र 18 से 35 वर्ष, सैलरी 10 से 15 हजार, रहना फ्री संपर्क करें:- रायपुर- 9993929100, भिलाई- 9827622050. (RO-411)

हेल्पर

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री। पता- बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534. (RO-39436)

अन्य

आवश्यकता है- पेंसिल पैकिंग शिक्षित बेरोजगार महिला पोस्ट घर बैठे काम करके 45000/-से 75000/- NOC फीस 620/- WhatsApp Contact Vipin Gupta.9627368501. (RO-1266)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Property प्रापर्टी

दुकान

बेचना है- प्रीमियम शॉप स्पेस फॉर सेल शहीद स्मारक काम्पलेक्स अपोजिट नवभारत प्रेस ग्राउंड फ्लोर 02 शॉप प्रत्येक शॉप 550 स्क्वायर फीट संपर्क- 9431103284, 9955712450. (RO-6595)

मकान

बेचना है - प्राइम लोकेशन इंडिपेंडेंट मकान तेलीबांधा (आनन्दनगर) रायपुर 2400 वर्गफीट 1100 कंस्ट्रक्शन तीन बेडरूम, ड्राइंग, डायनिंग,कार पार्किंग, ओपन स्पेस 24 घंटे पानी। संपर्क : 09289726500.(RO-0307)

कृषि कार्य

बेचना है - निपनिया रेल्वे स्टेशन से 3km दूर ग्राम गोढ़ी/ लमती में 1.30 एकड़ कृषि भूमि 7लाख रुपए प्रति एकड़ की दर से बेचना है। सम्पर्क करें- पल्लव भवन बिलासपुर 8823807766. (RO-39432)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82 हाइट 5'-11',
एमबीबीएस, अविवाहित,
डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक
मासिक आय 1.50 लाख हेतु
हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट
शिक्षित अविवाहित वधु
चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति
मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वधु चाहिए
पंजाबी युवक
बिलासपुर (छ.ग.)
निवासी
शिक्षित उम्र 31 वर्ष 6 माह
हाइट 5 फुट 5 इंच,
स्वयं का व्यवसाय
संपन्न परिवार हेतु
शिक्षित कन्या चाहिये।
-:सम्पर्क करें:-
9039965807

वर चाहिए

वर चाहिए- अहिरवार (SC) 28 वर्ष 5'6'' (तलाकशुदा) असिस्टेंट प्रोफेसर (PHD IN PHARMACY) हेतु सक्षम वर चाहिए, कृपया मैरिज ब्यूरो क्षमा करें, संपर्क करे- 9752378176, 91091888890 (35441)

CLASSIFIED RATE CARD
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

RAIPUR Smart BUSINESS
GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में (व्हाट्सएप पर बनवाएं) www.onlytds.com
GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

नड्डा की कल जांजगीर चांपा में बड़ी सभा, रायपुर आकर जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश की भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने पर जांजगीर चांपा में बड़ा कार्यक्रम रखा गया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आएंगे। 22 दिसंबर को होने वाले इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए श्री नड्डा दिल्ली से विशेष विमान द्वारा करीब 12 बजे रायपुर पहुंचेंगे। यहां से हेलीकॉप्टर से वे जांजगीर चांपा जाएंगे। वहां होने वाली सभा के लिए एक तरफ जहां सरकार के स्तर पर तैयारी की जा रही है, वहीं प्रदेश का भाजपा संगठन सभा के लिए 50 हजार से ज्यादा की भीड़ जुटाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्रिमंडल से सभी मंत्री, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, भाजपा के सांसद, विधायक और प्रदेश भाजपा के नेता रहेंगे। इस अवसर पर श्री नड्डा करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे।

प्रदेश की साय सरकार के 13 दिसंबर को दो साल पूरे हुए हैं। इस अवसर पर सबसे बड़ा कार्यक्रम जांजगीर चांपा में किया जा रहा है।इसमें केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आ रहे हैं। कार्यक्रम में सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के सामने रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विकास कार्यों, सुशासन और जनहित योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। साथ ही, लाभार्थियों से संवाद और सम्मान कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। जांजगीर के खोखरा पुलिस ग्राउंड में 50 हजार से अधिक की क्षमता वाले विशाल मैदान में श्री नड्डा एक भव्य आम जनसभा को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार के सफलतापूर्वक दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित जनादेश पर्व के रूप में मनाया जाएगा।

नड्डा करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे

ये होंगे कार्यक्रम में शामिल

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश चौधरी, सभी मंत्री, सांसद, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी, निगम-मंडल अध्यक्ष, संभाग एवं जिला प्रभारी, सभी जिलाध्यक्ष तथा भाजपा संगठन के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इसके साथ ही महतारी दीदी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होकर प्रदेश की भाजपा सरकार के प्रति आभार प्रकट करेंगी। बिलासपुर संभाग के जिलों से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल होंगे।

तैयारियों में भाजपा नेता भी जुटे

आयोजन की तैयारियों में भाजपा ने नेता भी जुटे हुए हैं। बिलासपुर संभाग प्रभारी रामू रोहरा ने कहा, विष्णुदेव साय सरकार के दो वर्षों में विकास, सुशासन और जनकल्याण के जो कार्य हुए हैं, यह जनसभा उसका उत्सव है। संभाग के सभी कार्यकर्ता पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कहा, यह जनादेश पर्व केवल सरकार की उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास और समर्थन का प्रतीक है। खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा, विष्णुदेव साय सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों ने नई गति पकड़ी है।

बीजेपी का 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की सोच: सेंथिल

कांग्रेस का आरोप- राजनीतिक दबाव बनाने जांच एजेंसियों का किया इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा, बीजेपी को न तो मजबूत विपक्ष चाहिए और न ही स्वस्थ लोकतंत्र। उसका उद्देश्य कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को खत्म करना है। नेशनल हेराल्ड मामला सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसमें जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने के लिए किया गया।

कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा सांसद शशिकांत सेंथिल चर्चा कर रहे थे, जिसमें पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मंत्री शिव डहरिया, पूर्व मंत्री प्रेम साय सिंह टेकाम सहित प्रदेश के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की मौजूद थे। सेंथिल ने चर्चा में कहा, नेशनल हेराल्ड केस में अदालत ने कई सवाल उठाए और यह साफ हुआ कि बिना ठोस अपराध के आरोप लगाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी शिकायत के आधार पर ईडी द्वारा कार्रवाई की गई और बिना किसी प्रत्यक्ष आपराधिक लेन-देन के पीएमएलए जैसे सख्त कानून का इस्तेमाल किया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष को डराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, बीजेपी का 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा असल में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की सोच है।

मनरेगा को लेकर कांग्रेस करेगी आंदोलन

मनरेगा की मूल भावना खत्म करने का प्रयास

सांसद शशिकांत सेंथिल ने मनरेगा योजना में किए गए बदलावों को लेकर भी केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना केवल नाम बदलने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसकी मूल भावना को ही खत्म किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह योजना ग्रामीण मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा की रीढ़ थी, लेकिन बीते वर्षों में इसे धीरे-धीरे कमजोर किया गया है। उन्होंने बताया कि पहले मनरेगा मांग आधारित योजना थी, जिसमें राज्य सरकारें जितना काम मांगती थीं, उतना काम उपलब्ध कराया जाता था। अब इसे सीमित बजट वाली योजना बना दिया गया है, जिससे मजदूरों को पंचायत स्तर पर काम नहीं मिल पा रहा है। पंचायतों को यह कहकर मजदूरों को लौटाना पड़ रहा है कि बजट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा में 60:40 जैसे नए प्रावधान लागू कर दिए गए हैं, जिसके तहत खेती के सीजन में रोजगार के अवसर सीमित कर दिए जाएंगे। साथ ही अब यह निर्णय भी केंद्र सरकार करेगी कि किस राज्य में मनरेगा का काम चलेगा और किस राज्य में नहीं। उन्होंने कहा, यह संघीय ढांचे और राज्यों के अधिकारों पर सीधा हमला है।

सड़क से लेकर संसद तक आंदोलन

सांसद शशिकांत सेंथिल ने कहा, कांग्रेस इन फैसलों के खिलाफ सड़क से संसद तक आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा, जिस तरह केंद्र सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े थे, उसी तरह मनरेगा से जुड़े इन जनविरोधी फैसलों को भी वापस लेना पड़ेगा। उन्होंने कहा, सरकार मजदूरों को कमजोर समझकर दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन मजदूर अपने अधिकारों के लिए लड़ना जानते हैं।

कुरूद में तीसरी बार जमीन धंसी, खेत में बना 6 फीट गहरा रहस्यमयी गड्ढा

बेमेतरा/बेरला। तहसील बेरला अंतर्गत ग्राम कुरूद में एक बार फिर प्राकृतिक भूस्खलन की घटना सामने आई है। डोंगराही खार स्थित जीवराखन साहू के खेत में अचानक जमीन धंसने से करीब 6 फीट गहरा और 4 फीट व्यास का गड्ढा बन गया। यह तीसरी बार है जब इसी क्षेत्र में खेत की जमीन धंसने की घटना हुई है, जिससे ग्रामीणों में भय और अनिश्चितता का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, इससे पहले भी दो बार खेत में जमीनदोज की घटनाएं हो चुकी हैं। पहली बार फसल बोआई के लगभग डेढ़ माह बाद जमीन धंसी थी। दूसरी घटना तब हुई थी जब खेत में धान की फसल लहलहा रही थी और किसान पानी चला रहा था।

ग्राम सगोना में दो मोटर सायकिलों की भिड़ंत, एक मौत, तीन घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम सागोना में शनिवार की दोपहर दो मोटर सायकल के बीच जबरदस्त भिडंत की घटना सामने आई है। इस हादसे में दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए वहीं हादसे में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई तथा तीन लोग इस दुर्घटना में घायल बताए जा रहे हैं जिनमें दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने बताया कि लोखान गांव निवासी संतराम और स्वात राम एक ही बाइक पर सवार होकर मध्यप्रदेश की ओर अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश की ओर जा रहे एक अन्य बाइक से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। दुर्घटना में मध्यप्रदेश निवासी एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ बाइक पर सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल पंडरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप से घायल दो लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं एक घायल का इलाज पंडरिया में जारी है।

मुरुम उत्खनन में लगे चार हाईवा और एक पोकलेन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुहेला

ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की लगातार शिकायतों के बाद आखिरकार खनिज विभाग ने ग्राम नवापारा में लंबे समय से चल रहे अवैध मुरुम उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई की है। खनिज विभाग के अधिकारी विजय सोनवानी, बसंत बर्मन एवं तिवारी ने मौके पर पहुंचकर अवैध उत्खनन में संलिप्त चार हाईवा वाहन एवं एक पोकलेन मशीन को जब्त किया। जब्त पोकलेन को गांव के कोटवार के सुपुर्दनामा में सौंपा गया है, जबकि चारों हाईवा वाहनों को थाने में सुपुर्द किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में काफी लंबे समय से अवैध रूप से मुरुम उत्खनन और उसका परिवहन किया जा रहा था। कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद जब कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तब मजबूर होकर ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों से शिकायत की।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

मवेशी को बचाते वाहन हुआ बेकाबू पेड़ से टकराया, हुई चालक की मौत

कांकेर। कोरर थानांतर्गत ग्राम मरकाटोला के पास सड़क पर खड़े मवेशी को बचाने के चक्कर में वाहन का चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। वाहन सड़क के नीचे ऊतर गई और पेड़ से जा टकराई। हादसे में कार चालक का इलाज के दौरान मौत होने पर मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना में पाया गया कि 13 नवंबर को योगेश कुमार आतराम, शरद कुमार रजक, अभिजीत राणा, धनजय देहारी, युगल किशोर साहू कांकेर में अपना काम निपटा कर रात करीबन 9 बजे योगेश कुमार आतराम के कार मारूति एस प्रेसो सीजी 19 बीएल 9749 में बैठकर वापस अंतागढ़ आ रहे थे। कार को योगेश कुमार आतराम चला रहा था एवं सामने वाले सीट पर शरद कुमार रजक बैठा था। अभिजीत राणा, धनजय देहारी, युगल किशोर पीछे बैठा था। ग्राम मरकाटोला राधा स्वामी आश्रम के पास पहुंचे थे। वहां रोड़ पर दो जानवर भैंसा खड़ा हुआ था। योगेश कुमार का कार भैंसा के पास पहुंचने पर अचानक से एक भैंसा कार के सामने आने से भैंसा को बचाने के लिए योगेश कुमार ने अपने कार को रोड़ से नीचे उतार दिया और कार अनियंत्रित होकर रोड़ किनारे लगे महुआ के झाड़ में जाकर टकरा गया। कार पेड़ मे टकराने से कार क्षतिग्रस्त हो गया। कार में बैठे सभी पांचो लोगो को चोटें आई एवं कार के चालक योगेश कुमार आतराम को गंभीर चोट लगने के कारण 14 नवंबर को जिला अस्पताल में ईलाज के दौरान मौत हो गया।

राईस मिल में हादसा, एक मजदूर की मौत, दो घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चिचोला

चिचोला इलाके में स्थित एक राईस मिल में हादसा होने से यहां काम कर रहे एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं अन्य घायल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना से यहां काम कर रहे लोगों में सनसनी फैल गई थी। जानकारी के अनुसार चिचोला स्थित गुरूदेव राईस मिल में शनिवार की शाम चावल स्टोर होने वाला टापर चावल सहित नीचे आ गिरा। बताया गया कि इस दौरान नीचे मजदूर काम कर रहे थे। जिसमें मोतीपुर निवासी मुकेश कंवर दब गया था। जिससे उसकी मौत होने की खबर है। बताया गया कि चावल में अन्य मजदूर दब गए थे। जिसमें दो घायल हुए हैं। बताया जा रहा है घायलों को उपचार हेतु चिकित्सालय में भेजा गया है।

विधायक मौके पर पहुंचे

राईस मिल में उक्त घटना होने से यहां काम करने वाले कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई थी। इधर घटना की सूचना मिलने पर विधायक भोलाराम साहू, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष विपिन यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचकर हालात की जानकारी ली। घटनास्थल पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

OSTWAL HEART CARE
Dr. Kunal Ostwal MD, DM (Cardiology) Consultant and Interventional Cardiologist
Facilities : ECG ,2D-Echo,TMT
समस्त हृदय रोग, मधुमेह, कोलेस्ट्रोल एवं ब्लड प्रेशर के लिए परामर्श
डी.एम. प्लाजा, बैजनाथपारा, छोटापारा, रायपुर अपॉइंटमेंट के लिये संपर्क करें : 6264289296

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट | रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑंक्लोजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक सेवाएं • मुहांसे • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

निवेश लिए अगले साल लें स्मार्ट फैसला, तभी कर पाएंगे कमाई

मल्टी-एसेट में मिलेगा बढ़िया रिटर्न

- इस साल 2025 में गोल्ड और सिल्वर में रही मजबूत रैली
- बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश न करें
- बेहतर है लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं
- जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सकेगा
- शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय अनुशासन व लंबी अवधि पर करें फोकस

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

साल 2025 वैश्विक और घरेलू स्तर पर निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टैरिफ, जियो-पॉलिटिकल टेंशन, जीएसटी सुधार और आईपीओ की बढ़ती गतिविधियों के बीच शेयर बाजार लंबे समय तक सीमित दायरे में घूमता रहा। हालांकि साल के दूसरे हिस्से में बाजार में धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिखने लगे। इसी दौरान 2 एसेट क्लास सोना और चांदी ने निवेशकों को सबसे ज्यादा अट्रैक्ट किया। जहां सोने ने इस कैलेंडर ईयर में अबतक 63% रिटर्न दिया, वहीं चांदी ने 100% से ज्यादा की तेजी दिखाई, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी एक बार फिर वैकल्पिक एसेट्स की ओर बढ़ी। बीते रिटर्न को देखकर निवेश करना अक्सर गलत फैसलों की वजह बनता है। तेजी के बाद निवेश करने का ट्रेंड, जिसे रिटर्न के पीछे भागना" कहा जाता है, लंबे समय में नुकसान भी पहुंचा सकती है। ऐसे माहौल में विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने के बजाय निवेशकों को लंबी अवधि की सोच, अनुशासन और मल्टी-एसेट डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान देना चाहिए। अलग-अलग एसेट क्लास में संतुलित निवेश न सिर्फ रिस्क को कम करता है, बल्कि समय के साथ कंपाउंडिंग के जरिए बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है।

रिटर्न के पीछे भागना गलत स्ट्रैटेजी

लॉन्ग टर्म रिटर्न चार्ट देखें तो पता चलेगा कि सोने में निवेशकों का इंटरेस्ट तब तेजी से बढ़ता है, जब इसके रिटर्न तेजी से बढ़ने लगते हैं, लेकिन जैसे ही कीमतें गिरती हैं, यह इंटरेस्ट भी कम हो जाता है। यह प्रतिक्रिया पर आधारित तरीका साफ बताता है कि निवेश में अनुशासन और निरंतरता कितनी जरूरी है। बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने की बजाय, निवेशकों के लिए बेहतर है कि वे लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं, जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सके। इसे अपनाने का एक असरदार तरीका है आउटसोर्स्ड एसेट एलोकेशन, यानी ऐसे फंड्स में निवेश करना जो अलग-अलग एसेट क्लास में अपने आप निवेश को संतुलित करते हैं।

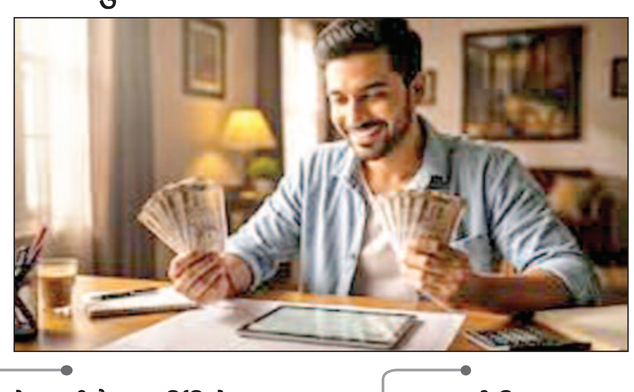

क्यों जरूरी है डायवर्सिफिकेशन

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के पीछे भागना, चाहे तेजी के समय शेयर हों या गिरावट के समय सोना, अक्सर गलत समय पर निवेश करने और बाजार के अधिक उतार-चढ़ाव का जोखिम बढ़ा देता है। डायवर्सिफिकेशन इन जोखिम को कम करता है, क्योंकि इसमें पैसा अलग-अलग एसेट्स में लगाया जाता है जो अलग परिस्थितियों में अलग तरह से व्यवहार करते हैं। लेकिन अब यह ट्रेंड फिर से बदल रहा है। जून 2024 से, बाजार ने एक बार फिर तेज ग्रोथ और अच्छी क्वालिटी वाली कंपनियों को बेहतर रिटर्न देना शुरू कर दिया है। इन कंपनियों ने अप्रैल 2023 से मई 2024 के दौरान हुए अपने खराब प्रदर्शन का एक-चौथाई से ज्यादा हिस्सा वापस हासिल कर लिया है। इसलिए निवेशकों को शेयरों में भी अलग-अलग स्टाइल में निवेश करके पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करना चाहिए।

समझदारी दिखाएं

आज की दुनिया में, जहां बदलाव लगातार हो रहा है, समझदारी से किया गया डायवर्सिफिकेशन एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाने के लिए सिर्फ अच्छा नहीं, बल्कि बहुत जरूरी है। निवेशकों को शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय संतुलन, अनुशासन और लंबी अवधि की रणनीति पर ध्यान देना चाहिए। इसलिए, अलग-अलग एसेट्स में डायवर्सिफाइड मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो को जोखिम और रिटर्न के सही संतुलन में मदद करने दें, ताकि समय के साथ कंपाउंडिंग अपना कमाल दिखा सके।

प्रमुख एसेट क्लास और उनका व्यवहार

आज के आपस में जुड़े हुए और उतार-चढ़ाव भरे ग्लोबल वित्तीय माहौल में, सिर्फ एक ही एसेट क्लास पर भरोसा करना निवेशकों के लिए बेवजह का जोखिम पैदा कर सकता है, चाहे उसने हाल ही में कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। इस समय मुख्य एसेट क्लास किस तरह का व्यवहार कर रहे हैं।

सोना और चांदी

ये कीमती धातुएं पारंपरिक रूप से सुरक्षित निवेश मानी जाती हैं। महंगाई के समय या जब सामान्य करेंसी (फिएट करेंसी) कमजार होती है, तब ये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। चांदी का इस्तेमाल इंडस्ट्री में भी होता है, इसलिए यह इकोनॉमिक साइकिल से ज्यादा प्रभावित होती है। इससे इसमें उतार-चढ़ाव भी ज्यादा होता है, लेकिन मौके भी मिलते हैं।

शेयर (इक्विटी)

शेयरों में बढ़त की अच्छी संभावना होती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो नई तकनीक और इनोवेशन से जुड़े होते हैं, लेकिन ये ब्याज दरों, कंपनियों की कमाई के अनुमान और आर्थिक बदलावों के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। अलग-अलग देशों और इंडस्ट्री में इनका प्रदर्शन काफी अलग हो सकता है।

फिक्स्ड इनकम (बॉन्ड)

बॉन्ड अपेक्षाकृत स्थिरता और फिक्स्ड इनकम देते हैं। हालांकि ब्याज दरें बढ़ने पर बॉन्ड की कीमतों पर दबाव आ सकता है, फिर भी ये जोखिम कम करने और पूंजी को सुरक्षित रखने के लिए बहुत जरूरी होते हैं। खासकर सतर्क निवेशकों या

रिटायरमेंट के करीब लोगों के लिए ये काफी उपयोगी हैं।

रियल एसेट्स और वैकल्पिक निवेश

रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और कमोडिटीज महंगाई से बचाव करने और निवेश में डाइवर्सिफिकेशन लाने में मदद कर सकते हैं। वहीं, प्राइवेट इक्विटी और हेज फंड जैसे वैकल्पिक निवेश रिटर्न बढ़ा सकते हैं, लेकिन इनमें जोखिम अधिक होता है और पैसा जल्दी निकालना आसान नहीं होता।

(डिस्क्लेमर : यह आर्टिकल ब्रोकरेज हाउस की रिपोर्ट के आधार पर जानकारी के उद्देश्य से दिया है। यह फाइनेंशियल एक्सप्रेस के निजी विचार नहीं हैं। किसी कैटेगरी में निवेश की सलाह ब्रोकरेज हाउस के द्वारा दी गई है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश के पहले एक्सपर्ट की सलाह लें।)

विदेश घूमने का है प्लान तो ट्रैवल इंश्योरेंस लेते समय न करें गलतियां

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी विदेश में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो कुछ सावधानियां बरतें और विदेश जाने से पहले ट्रैवल इंश्योरेंस की बारीकियों को अच्छे से समझ लें, ताकि कवरेज, सब-लिमिट या बीमारी छिपाने जैसी गलती से आपका क्लेम अटके नहीं। वरना आपको इससे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। अक्सर विदेश घूमने की प्लानिंग में फ्लाइट, होटल, घूमने-फिरने की जगहें सब कुछ सोच लिया जाता है, लेकिन ज्यादातर लोग इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस को हल्के में ले लेते हैं, जबकि बाहर कुछ अनहोनी हो जाए तो यही इंश्योरेंस बड़ा सहारा बन सकता है। जानकारों का कहना है कि भारतीय यात्री अक्सर कुछ आम गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बाद में भारी नुकसान हो सकता है। इसलिए कभी भी विदेश घूने के लिए जाएं तो इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस के बारे में अच्छे से जान लें। इससे आप आसानी से बिना किसी चिंता के विदेश घूम सकेंगे। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ नियम जो आपको विदेश जाने के दौरान होने वाली परेशानियां से बचाएंगे और सुरक्षित रखेंगे।

कवरेज की रकम कम रखना सबसे बड़ी भूल

शेंगेन देशों के लिए वीजा लेने के लिए कम से कम 30,000 यूरो का कवर जरूरी होता है, लेकिन ये सिर्फ वीजा की शर्त है, सुरक्षा के लिए नहीं। अमेरिका या यूरोप जैसे देशों में मेडिकल खर्चा बहुत ज्यादा होता है। वहां एक दिन आईसीयू में रहने से ही पूरी कवरेज रकम खत्म हो सकती है और बाकी लाखों रुपये खुद की जेब से देने पड़ सकते हैं। इसलिए सावधानी बरतें और ध्यान रखें।

पहले से मौजूद बीमारियां छिपाना भारी

कई लोग डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी पुरानी बीमारियां छिपा देते हैं, ताकि प्रीमियम कम देना पड़े। अगर विदेश में हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़े और वो बीमारी छिपाई गई पुरानी बीमारी से जुड़ी हुई निकले, तो क्लेम तुरंत रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए जब भी इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस लें तो अपनी सारी बीमारियों का उल्लेख करें। इससे क्लेम लेने में परेशानी होगी।

सिर्फ मेडिकल कवर पर ध्यान न दें

ट्रैवल इंश्योरेंस में सिर्फ इलाज ही नहीं, फ्लाइट डिले, कैंसिलेशन और सामान खोने जैसी परेशानियों का भी कवर मिलता है। "अगर फ्लाइट छह घंटे से ज्यादा लेट हो जाए तो होटल और खाने का खर्चा क्लेम किया जा सकता है। सामान खोने पर एयरलाइन का लिखित डॉक्यूमेंट जरूर रखें, वरना इंश्योरेंस कंपनी क्लेम नहीं मानेगी।" इसलिए सिर्फ मेडिकल कवर ही नहीं, बाकी चीजों पर ध्यान न दें, ताकि किसी आपात स्थिति में आपको परेशानी का सामना न करना पड़े।

सब-लिमिट को नजरअंदाज करना

कई पॉलिसी में रूम रेंट या सर्जरी जैसे खर्चों पर अलग-अलग कैप यानी सब-लिमिट होती है। "भले ही कुल कवरेज रकम ज्यादा हो, लेकिन सब-लिमिट की वजह से क्लेम में बहुत कटौती हो सकती है।" इसलिए सब लिमिट पर भी ध्यान दें, ताकि बाद में पछताना न पड़े। इससे आप आसानी से क्लेम कर सकेंगे। अपनी ट्रिप के हिसाब से सही इंश्योरेंस चुनें कवरेज रकम और फीचर्स आपकी यात्रा की जगह, मकसद और दिनों के हिसाब से होने चाहिए। जानकारों का कहना है कि आप जिस देश में जा रहे हैं, वहां इलाज का औसत खर्चा एक बार जरूर चेक कर लेना चाहिए। अमेरिका-यूरोप में इलाज का खर्च बहुत महंगा पड़ता है, जबकि साउथ ईस्ट एशिया या मिडिल ईस्ट में थोड़ा कम, लेकिन फिर भी काफी ज्यादा होता है। इसलिए पहले उस देश की स्थिति जरूी देख लें जहां आप घूमने जा रहे हैं।

यात्रा का मकसद

बिजनेस ट्रिप पर जाने वाले लोग फ्लाइट डिले, मिस्ड कनेक्शन और लैपटॉप-डिवाइस कवर को प्राथमिकता दें। घूमने-फिरने वाले लोगों को एडवेंचर स्पोर्ट्स, कार रेंटल या क्रूज कवर की जरूरत पड़ सकती है। "बुजुर्गों को पुरानी बीमारियां पूरी तरह बतानी चाहिए। कैशलेस हॉस्पिटलाइजेशन वाली पॉलिसी लें और कम खर्च वाले देशों में भी ज्यादा कवरेज रखें।" शुरू में आपको थोड़ा ज्यादा पैसा प्रीमियम के तौर पर देना पड़ सकता है, बाद में यह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

एक्सक्लूजन और शर्तें ध्यान से देखें

एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं : ज्यादातर पॉलिसी में सिर्फ लाइसेंस वाले इंस्ट्रक्टर की निगरानी में किए गए मनोरंजन वाले एक्टिविटी का कवर मिलता है। प्रोफेशनल लेवल पर प्राइज मनी वाली एक्टिविटी शामिल नहीं होती। एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं देखकर ही बीमा करवाएं।

डिडक्टिबल और सब-लिमिट

डिडक्टिबल वो फिक्स रकम है जो आपको खुद देनी पड़ती है, उसके बाद इंश्योरेंस शुरू होता है। "लोग अक्सर नहीं जानते कि डिडक्टिबल से कम का क्लेम बिल्कुल नहीं मिलेगा।" विदेश यात्रा का इंश्योरेंस सिर्फ औपचारिकता नहीं है। सही तरीके से समझकर और अपनी जरूरत के मुताबिक लिया गया प्लान भारी-भरकम मेडिकल बिल, ट्रिप में रुकावट और दूसरी परेशानियों से बचा सकता है।

निवेशकों को खूब भाया
फ्लेक्सी कैप फंड्स इस साल रहा टॉपर

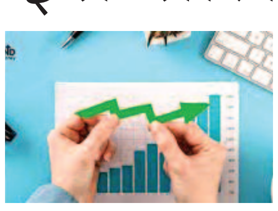

बिजनेस डेस्क

> नेट सेल्स 12 महीनों में सबसे ज्यादा रही
>
> म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ हुआ
>
> फ्लेक्सी कैप की खासियत ये लार्ज, मिड व स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश बदलते रहते हैं

एक साल में म्यूचुअल फंड मार्केट में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे बड़े विजेता बनकर उभरे हैं। यह दिखाता है कि उतार-चढ़ाव वाले बाजार में निवेशक अब ज्यादा लचीलापन चाहते हैं। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। निवेशकों ने इसमें बढ़-चढ़कर निवेश और अपनी पूंजी बढ़ाई। इस फंड में मिल रहे अच्छे रिटर्न के कारण ही यह इस सबसे लोकप्रिय फंड बनकार उभरा और निवेशकों का धन बढ़ाने का काम किया।

इक्विटी की मजबूती से बूस्ट

फ्लेक्सी-कैप फंड्स के अच्छे प्रदर्शन से कुल इक्विटी-बेस्ड म्यूचुअल फंड्स की हिस्सेदारी बढ़ी है। अब इक्विटी स्कीमें कुल म्यूचुअल फंड एयूएम का करीब 60% हिस्सा रखती हैं, जो बताता है कि रिटेल निवेशक हाई रिटर्न के लिए जोखिम लेने को तैयार हैं। एसआईपी के जरिए इक्विटी फंड्स में लगातार पैसा आ रहा है, जिससे फ्लेक्सी-कैप फंड्स को लंबे समय का स्थिर निवेश मिल रहा। ये पोर्टफोलियो का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

म्यूचुअल फंड का एसेट्स बैंक डिपॉजिट का एक तिहाई

घरेलू बचत के तरीके में अब साफ बदलाव दिखाई दे रहा है। म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो अब कुल बैंक डिपॉजिट का करीब 33% है। एक दशक पहले यह आंकड़ा सिर्फ करीब 13% था। यह बढ़ोतरी दिखाती है कि निवेशक पारंपरिक फिक्स्ड डिपॉजिट से धीरे-धीरे हटकर लंबे समय में ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं, खासकर फ्लेक्सी-कैप जैसे इक्विटी आधारित फंड्स की तरफ।

निवेशकों की सोच में बदलाव

पिछले 5 सालों में म्यूचुअल फंड की संपत्ति 22% की सालाना दर (सीएजीआर) से बढ़ी है, जो बैंक डिपॉजिट की करीब 11% की बढ़त से डबल है। यह बढ़ता गैप बताता है कि लोगों में वित्तीय जागरूकता बढ़ी है, मेट्रो शहरों के बाहर भी म्यूचुअल फंड की पहुंच मजबूत हुई है और प्रोफेशनल फंड मैनेजमेंट पर भरोसा बढ़ा है। ग्रोथ की संभावना और लचीलापन रखने वाले फ्लेक्सी-कैप फंड्स इस बदलाव के सबसे बड़े बेनेफिशियरीज में शामिल हैं।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता व घरेलू बचत में म्यूचुअल फंड की बढ़ती हिस्सेदारी यह साफ दिखाती है कि भारत में निवेश की सोच बदल रही है। निवेशक अब बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

क्या है फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करता है। इसमें फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, जिससे वे बाजार की स्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड की विशेषताएं

- **लचीलापन:** फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, वे बाजार के अनुसार पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।
- **विविधता:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से लार्ज, मिड व स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **जोखिम और रिटर्न का संतुलन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको जोखिम और रिटर्न का संतुलन मिलता है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है ।

फ्लेक्सी कैप फंड के लाभ

- **पेशेवर मैनेजमेंट:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको पेशेवर फंड मैनेजर्स की दक्षता और जानकारी का लाभ मिलता है।
- **डायवर्सिफिकेशन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है

ईपीएफ-एनपीएस से एफडी तक
2025 में बुजुर्गों को मिला कितना रिटर्न

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इस साल भारत के बुजुर्गों के लिए सेवानिवृत्ति पर निवेश से मिले-जुले नतीजे सामने आए हैं। ज्यादातर फिक्स्ड इनकम वाले विकल्पों में रिटर्न स्थिर रहे, जबकि शेयर बाजार से जुड़े निवेश में काफी उतार-चढ़ाव दिखा। यह सब निवेश की मात्रा और सही समय पर निर्भर करता रहा। सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न अच्छे और स्थिर रहे। पेंशनबाजार के हेड विश्वजीत गोयल के मुताबिक, ईपीएफ ने 2024-25 के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दिया। वहीं सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी सरकारी छोटी बचत योजनाओं में 8.2 फीसदी का रिटर्न मिला। पोस्ट ऑफिस की जमा योजनाएं 6.9 से 7.5 फीसदी तक ब्याज दे रही थीं, जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट में बुजुर्गों को 7 से 7.5 फीसदी के बीच मिला। कुल मिलाकर सुरक्षित विकल्पों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया।

बाजार से जुड़े निवेश में बड़ा अंतर

मार्केट लिंक्ड विकल्पों की बात अलग थी। विश्वजीत गोयल बताते हैं कि नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के इक्विटी स्कीमों ने एक साल में मिड-20 से लो-30 फीसदी तक रिटर्न दिया। कॉर्पोरेट बॉन्ड स्कीमों में करीब 9 फीसदी और सरकारी बॉन्ड स्कीमों में 4 से 6

> ■ रिटायरमेंट निवेश का सचः 2025 में बुजुर्गों के रिटायरमेंट निवेश में फिक्स्ड इनकम स्थिर रहे
>
> ■ वहीं, इक्विटी और एनपीएस में रिटर्न समय और निवेश के हिसाब से बदलते रहे

एक आम रिटायरमेंट के करीब व्यक्ति जिसने एनपीएस में बैलेंस्ड तरीके से पैसा लगाया, उसे कुल 8 से 12 फीसदी रिटर्न हाथ लगा, लेकिन शेयर बाजार इंडेक्स ने बहुत कम दिया। जानकारों के अनुसार, निफ्टी और सेंसेक्स टीआरआई ने वित्त वर्ष 2025 में महज करीब 6 फीसदी रिटर्न दिया।

निवेशकों की गलतियां

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि कई बुजुर्गों ने गलतियां कीं। ज्यादातर लोग बैंक डिपॉजिट में ही ज्यादा पैसा रखे रहे, टैक्स बचत वाले विकल्पों का फायदा नहीं उठाया या गलत एन्युटी प्लान चुन लिया, जिससे पेंशन कम हो गई या जीवनसाथी को कोई सुरक्षा नहीं मिली। सबसे बड़ी समस्या यह रही कि मेडिकल महंगाई 12-15 फीसदी की रफ्तार से बढ़ रही है, जबकि ज्यादातर बुजुर्गों को सिर्फ 7-8 फीसदी रिटर्न मिल रहा है। ऑनलाइन ठगी का खतरा बताया। उदाहरण के तौर पर पुणे के एक रिटायर्ड बैंक मैनेजर ने गारंटीड रिटर्न का लालच देकर चलाए जा रहे ऑनलाइन स्कैम में पूरा 2.2 करोड़ रुपये गंवा दिए।

ये जरूरी बदलाव आपको 2026 के लिए क्या करनी है तैयारी

- आर्थिक विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अब धीरे-धीरे ऐसा पोर्टफोलियो बनाएं। इसमें नियमित आय भी आए और थोड़ी ग्रोथ भी रहे। मिड और स्मॉल कैप में ज्यादा निवेश कम करें, डेट हिस्से को मजबूत बनाएं और 3 से 5 साल की जरूरत के लिए लिक्विडिटी अलग रखें।
- एससीएसएस, ईपीएफ, शॉर्ट से मीडियम टर्म डेट फंड्स, रीट्स/इनविट्स, लैडर्ड फिक्स्ड डिपॉजिट और थोड़ा सा इक्विटी हिस्सा मिलाकर चलें। साथ ही 6 से 12 महीने का आपातकालीन फंड जरूर रखें।

अनुमानः ब्याज दरें नीचें आएंगी

- विशेषज्ञों की लोगों को सलाह कि वे लंबे समय के ब्याज दरें नीचे आएंगी, इसलिए अभी जो अच्छे स्थिर रिटर्न मिल रहे हैं, उन्हें लॉक कर लेना चाहिए। अनुमान है कि 2026 में बैंक एफडी पर 5.5 से 7.5 फीसदी और जी-सेक पर 6 से 6.5 फीसदी तक मिल सकता है। अगर ब्याज दरें गिरेंगी तो एन्युटी की पेआउट भी कम हो सकती है।
- 2024-25 में कई बड़े नियम बदले। यूनिफाइड पेंशन स्कीम शुरू हुई, एनपीएस वात्सल्य लॉन्च हुआ, एनपीएस/यूपीएस/एपेवाई के चार्जेस बदले गए और इंश्योरेंस टैक्स व जीएसटी में भी बदलाव आए। 2026 की प्लानिंग करते समय इन सब पर नजर रखनी जरूरी है।

जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही तय करते हैं बुढ़ापे की जिंदगी

जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही बुढ़ापे की जिंदगी तय करते हैं। अगर आपने इस उम्र में गलत डिसीजन लिए या लापरवाही बरती तो बुढ़ापे पर आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे 5 ऐसी गलतियों के बारे में जो आपके बुढ़ापे पर फाइनेंस का पूरा गणित बिगाड़ सकती हैं और आपको भारी आर्थिक परेशानियों का समना करना पड़ सकता है। जवानी में करियर, मस्ती और लाइफस्टाइल पर पूरा फोकस रहता है। इसी भागदौड़ में कई ऐसे फैसले टलते रहते हैं, जो बुढ़ापे को सिक्योर बनाने के लिए बेहद जरूरी होते हैं। उस वक्त लगता है कि अभी बहुत समय है, बाद में देख लेंगे. लेकिन जब उम्र बढ़ती है और जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, तब उन गलतियों को सुधारने की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है।

निवेश में देरी

सबसे बड़ी और सबसे आम गलती है समय रहते निवेश शुरू न करना। कई लोग निवेश को खर्च समझ लेते हैं और सोचते हैं कि जब सैलरी बढ़ेगी तब निवेश करेंगे। कुछ लोग 20 साल और 30 साल की उम्र मौज-मस्ती में निकाल देते हैं, जबकि हकीकत यह है कि निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि आपके भविष्य की सुरक्षा है। छोटी रकम से भी निवेश शुरू किया जा सकता है, जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना ज्यादा समय कंपाउंडिंग को मिलेगा और उतना बड़ा फंड तैयार होगा। देर करने पर बुढ़ापे में फंड की कमी साफ महसूस होती है। इसलिए हमेशा निवेश जल्द शुरू कर देना चाहिए, ताकि बाद में पछताना ना पड़े और समय रहते आपके पास अच्छा खासा फंड एकत्र हो सके।

घर नहीं सोचा तो बुढ़ापे में परेशानी

आज भी बहुत से लोग किराए के घर में रहते हुए सोचते रहते हैं कि कभी तो अपना घर लेंगे। लेकिन सही समय पर प्लानिंग न करने की वजह से ये सपना अधूरा रह जाता है।

द पार्क्साइड कचना, जहां घर एड्रेस नहीं, एक बेहतर जिंदगी

रायपुर। आज जब हर परिवार शहर की भागदौड़ से थोड़ी राहत और जिंदगी में सुकून चाहता है, तब कचना तेजी से रायपुर का सबसे समझदारी भरा रेजिडेंशियल चॉइस बनकर उभरा है। साफ-सुथरी चौड़ी सड़कें, कम ट्रैफिक, हर जरूरी सुविधा पास में और फिर भी शहर की भीड़ से दूरी, यही बैलेंस आज के होमबायर्स दूंढ रहे हैं। इसी बैलेंस को हकीकत में बदलता है द पार्क्साइड,कचना, एक ऐसा रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट, जिसे अब तक 250 से ज़्यादा परिवार अपना घर कह चुके हैं।

यहां लोग सिर्फ रहने नहीं आए, बल्कि एक बेहतर लाइफस्टाइल चुनकर आए हैं। कचना से वीआईपी रोड, शंकरनगर, पंडरी और तेलीबांधा से शानदार कनेक्टिविटी है। कचना से रिलायंस स्मार्ट, अंबुजा मॉल,

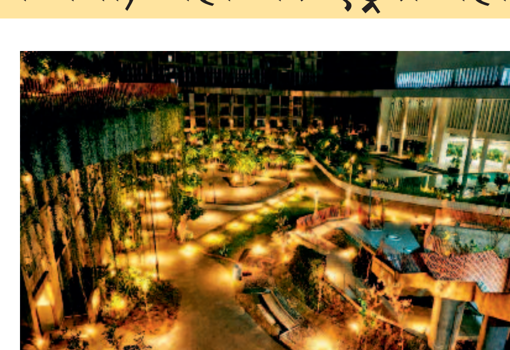

जोरा मॉल,टॉप स्कूल्स और हॉस्पिटल्स सब पास है। कचना शांत, सुरक्षित और पूरी तरह डेवलप्ड इलाका है साथ ही शहर से कटे बिना ट्रैफिक से दूरी है। यह लोकेशन उन परिवारों के लिए परफेक्ट है, जो सुविधा भी चाहते हैं और शांति भी बिना किसी समझौते के। द पार्क्साइड कम अपार्टमेंट, ज़्यादा स्पेस, बेहतर प्राइवेसी में उपलब्ध है। टू बीएचके लग्जरी अपार्टमेंट (1250 वर्गफीट) ऐसा स्पेस, जो आज की लाइफस्टाइल को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। स्मार्ट लेआउट, प्रीमियम फिनिश और खुलापन, हर चीज आराम और एलीगेंस का एहसास देती है। यह जून 2026 से शुरू, यानी घर खरीदने और उसमें रहने के बीच लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

प्रोजेक्ट की प्रगति

फेस 1 और 2 पूरी तरह तैयार है। इसमें 250+ परिवार पहले से रह रहे हैं। रोज नए परिवार शिफ्ट हो रहे हैं। यहां लिमिटेड अपार्टमेंट्स है ताकि सोसायटी भीड़ नहीं, कम्युनिटी लगे।

मेगा क्लब हाउस

हर दिन को खास बनाने के लिए द पार्क्साइड का क्लबहाउस सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि यहां की लाइफस्टाइल का दिल है। इसमें स्वीमिंग पूल, बैडमिंटन कोर्ट, मार्डन जिम, इंडोर गेम, किडस प्ले जोन, योगा और फिटनेस एरिया, कैफे और लाउंज के साथ सामाजिक कार्यक्रमों के खुली जगह है।

घर आकर लगता है जैसे रोज छुट्टी

यहां रहने वाले अक्सर कहते हैं कि यहां घर आकर लगता है जैसे रोज छुट्टी हो। एक ऐसी कम्युनिटी, जो साथ जीती है, द पार्क्साइड सिर्फ फ्लैट्स का प्रोजेक्ट नहीं है। यहां त्योहार साथ मनाए जाते हैं, बच्चे साथ खेलते हैं, वीकेंड्स एक्टिव होते हैं और पड़ोसी दोस्त बन जाते हैं। यह एक ज़िंदा, खुशहाल और सेफ कम्युनिटी है, जहां हर उम्र के लोगों के लिए कुछ न कुछ है।

अंडर-19 एशिया कप

रिकॉर्ड 12वीं बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला आज सुबह 10.30 बजे से

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय टीम रविवार को आईसीसी अकादमी में होने वाले अंडर-19 एशिया कप फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए रिकॉर्ड 12वां खिताब अपनी झोली में डालना चाहेगी।

आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली भारतीय टीम ग्रुप ए के सभी मैच जीतकर पाकिस्तान से आगे शीर्ष पर रही। पाकिस्तान को ग्रुप चरण में एकमात्र हार भारत के खिलाफ मिली थी, जिसमें उसे पिछले रविवार को 90 रन से हार मिली। भारत ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में भी यही लय बरकरार रखी और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। दूसरी ओर पाकिस्तान ने गत चैंपियन बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फा इ न ल तक भारत का सफर हरफनमौला प्रदर्शन पर आधारित रहा है, जिसमें बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने मिलकर एक मजबूत इकाई बनाई।

बल्लेबाजी में भारत का प्रदर्शन शानदार

बल्लेबाजी में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा है और टीम ने दो बार 400 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। इस 50 ओवर के टूर्नामेंट में युवा प्रतिभाओं का उदय हुआ है, जिसमें 17 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू शामिल हैं। युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ पहले मैच में 95 गेंद में 171 रन बनाकर भारत को छह विकेट पर 433 रन के स्कोर तक पहुंचाया तो कुंडू ने मलेशिया के खिलाफ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 125 गेंद में नाबाद 209 रन बनाए और युवा वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय बन गए। यह जोड़ी पाकिस्तान के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ एक और अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी। जब भी भारत का शीर्ष क्रम लड़खड़ाया है, मध्यक्रम में ऐसे मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

कैवेम हॉज का शानदार शतक वेस्टइंडीज ने टाला फॉलोऑन

एजेंसी ▶▶| माउंट माउंगानुई

कैवेम हॉज ने सूत्रधार की भूमिका अच्छी तरह से निभाते हुए अपना दूसरा टेस्ट शतक बनाया, जिससे वेस्टइंडीज की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन फॉलोऑन बचाने में सफल रही।

तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय हॉज 109 रन पर खेल रहे थे। उनके साथ दूसरे छोर पर एंडरसन फिलिप 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 381 रन बनाए हैं और वह न्यूजीलैंड से अभी 194 रन पीछे है। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 575 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। वेस्टइंडीज का फॉलोऑन बचाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले टेस्ट मैच में शतक बनाने वाले शाई होप बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतर पाए। वह अज्ञात बीमारी के कारण मैदान से बाहर हैं।

FORM NO.
[See Regulation 33(2)]

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR

2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur -482001, MP.

NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION UNDER RULE 53 OF THE SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993.

RC/117/2024 16.12.2025

PUNJAB NATIONAL BANK
Versus
SHRI NARENDRA YADAV

To,

(CD1) SHRI NARENDRA YADAV
H. NO. 4/1644, NEAR UCHCHLA TALAB, WARD NO. 16, RAMKUND, RAIPUR,(C.G.)-492001

(CD2) MRS SARITA YADAV
W/O SHRI NARENDRA YADAV
H. NO. 4/1644, NEAR UCHCHLA TALAB, WARD NO. 16, RAMKUND, RAIPUR,(C.G.)-492001

(CD3) MS ANJU MATIYARA
D/O DINESH MATIYARA
H. NO. 4/1644, NEAR UCHCHLA TALAB, WARD NO. 16, RAMKUND, RAIPUR,(C.G.)-492001

(CD4) MS SUMAN YADAV
D/O SHRI RAM NARAYAN YADAV
H. NO. 4/1644, NEAR UCHCHLA TALAB, WARD NO. 16, RAMKUND, RAIPUR,(C.G.)-492001

(CD5) MS PREETI YADU
D/O SHRI PRAKASH YADU
H. NO. 4/1644, NEAR UCHCHLA TALAB, WARD NO. 16, RAMKUND, RAIPUR,(C.G.)-492001

Whereas you the **SHRI NARENDRA YADAV** was ordered by the Presiding Officer of **DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR** who had issued the Recovery Certificate dated **09/04/2024 in OA/196/2020** to pay to the Applicant Bank(s)/Financial Institution(s) Name of applicant, the sum of **Rs 5165915.00 (Rupees Fifty One Lakhs Sixty Five Thousands Nine Hundred Fifteen Only)** along with pendentellite and future interest @ 11.00% Simple Interest Yearly w.e.f. **24/02/2020** till realization and costs of **Rs 54000 (Rupees Fifty Four Thousands Only)**, and whereas the said has not been paid, the undersigned has ordered the sale of undermentioned immovable / Immoveable property.

2. You are hereby informed that the **06/02/2026** at **10.30 A.M.** has been fixed for drawing up the proclamation of sale and settling the terms thereof. You are requested to bring to the notice of the undersigned any encumbrances, charges, claims or liabilities attached to the said properties or any portion thereof.

Specification of property

Residential property bearing Part of Khasra No. 456/1, P.H. No.-106-B/36, situated at Mouja- Chirhuldih, Nagar Palika Nigam Area Raipur, Tehsil & District- Raipur (C.G.); area admeasuring 2295 sq.ft.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **16/12/2025.**

SEAL **Recovery Officer**
Debts Recovery Tribunal, Jabalpur

विजय हजारे ट्रॉफी

बंगाल टीम शामिल किए गए शमी

कोलकाता। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। शमी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं लेकिन उन्होंने चोट से उबरने के बाद बंगाल की तरफ से घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वर्तमान सत्र में अभी तक सभी प्रारुप में 36 विकेट लिए हैं। भारतीय घरेलू सत्र की शुरुआत रणजी ट्रॉफी से हुई, जिसमें शमी ने चार मैच में 18.60 के औसत से 20 विकेट लिए। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और सात मैचों में 14.93 के औसत से 16 विकेट हासिल किए। विजय हजारे ट्रॉफी में शमी बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे।

2026 एटीपी टूर के बाद नहीं खेलेंगे वावरिंका

लुसाने। स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी और तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका ने कहा है कि 2026 एटीपी टूर पर उनका आखिरी साल होगा। वावरिंका 2002 में पेशेवर खिलाड़ी बने थे और उन्होंने 16 टूर एकल खिताब जीते हैं। उन्होंने 2014 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन (राफेल नडाल), 2015 में फ्रेंच ओपन (नोवाक जोकोविच) और 2016 में अमेरिकी ओपन (जोकोविच) के फाइनल में उस समय के नंबर एक रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को हराया था। वावरिंका ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आखिरी प्रयास। हर पुस्तक का अंत जरूरी होता है।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान

टी-20 के राजा सूर्या से रूठी फॉर्म, निराशाजनक प्रदर्शन से शुभमन को खोनी पड़ी अपनी जगह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जब अपने टी20 करियर की शुरुआत की थी, तो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर पूरी दुनिया में छा गए थे। साल 2025 सूर्यकुमार यादव के लिए बतौर कप्तान बेहद सफल रहा है, लेकिन एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने निराश किया है।

वहीं शुभमन गिल को भी खराब फॉर्म की वजह से टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह खोनी पड़ी है। सूर्या और गिल दोनों के लिए टी20 में साल 2025 बेहद निराशजनक रहा है। सूर्यकुमार यादव ने 14 मार्च 2021 को इंग्लैंड के खिलाफ अपने टी20 करियर का आगाज किया था। टी20 फॉर्मेट में शुरुआत के साथ ही सूर्या ने तहलका मचा दिया था। लगातार दमदार प्रदर्शन की वजह से सूर्या 30 अक्टूबर 2022 को आईसीसी की टी20 रैंकिंग में नंबर वन बल्लेबाज बन गए। वह टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे।

भारतीय टीम का शेड्यूल

दिनांक	बनाम	स्थान
7 फरवरी	यूएसए	वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई)।
12 फरवरी	नामीबिया	अरुण जेटली स्टेडियम (दिल्ली)।
15 फरवरी	पाकिस्तान	आर. प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो)।
18 फरवरी	नीदरलैंड्स	नरेंद्र मोदी स्टेडियम (अहमदाबाद)।

सुपर-8 के मैच अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता।
ग्रुप ए : भारत, अमेरिका, पाकिस्तान, नामीबिया और नीदरलैंड्स

गिल और जितेश बाहर

चीफ सेलेक्टर अगरकर ने किया बड़ा खुलासा

चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने शुभमन गिल को बाहर करने की वजह का खुलासा करते हुए कहा कि गिल का हालिया फॉर्म और टीम कॉम्बिनेशन की मजबूरियां इस फैसले के पीछे की वजह रहीं। अजीत अगरकर ने कहा, 'हम जानते हैं कि वह कितने क्वालिटी वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन शायद इस समय उनके पास कुछ रन कम हैं। पिछले वर्ल्ड कप में भी चूकना दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ गए थे। लेकिन यह फैसला किसी भी और चीज से ज्यादा कॉम्बिनेशन की वजह से लिया गया है, जब आप 15 चुनते हैं तो किसी को चूकना पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय वह गिल हैं।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन, पटेल बने उपकप्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम इंडिया के ऐलान के साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भी भारतीय टीम का सेलेक्शन कर दिया गया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए एक ही टीम चुनी गई है। टीम इंडिया की टी20 टीम का उप-कप्तान बदल चुका है। अक्षर पटेल को न्यूजीलैंड सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप 2026, दोनों के लिए उप-कप्तान बना दिया गया है। चूंकि टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड सीरीज के लिए एक ही टीम है तो शुभमन गिल इस सीरीज से भी बाहर रहेंगे। ईशान किशन ने टीम में उनकी जगह ली है। ईशान किशन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कमाल के प्रदर्शन का इनाम मिला है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल (उपकप्तान), शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह।

SBI भारतीय स्टेट बैंक शाखा- कौहाकूड़ा, कौहाकूड़ा, जिला- महासमुंद (छ.ग.), मो: 7972001026, 9977177172

ट्रेक्टर विक्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

हमारी शाखा द्वारा जब्त किये गये ट्रेक्टर का "जहाँ है जैसा है और जो कुछ भी है" आधार पर निविदा द्वारा विक्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

(1) क्र.	(2) ऋणि का नाम एवं पता	(3) वाहन का विवरण	(4) न्यूनतम आरक्षित मूल्य	(5) अग्रिम जमा राशि
1.	**श्री सुरेश कुमार ध्रुव** पिता श्री फूल सिंह, ग्राम- धनोरा, पोस्ट- घोंच, तहसील- पिथौरा, जिला- महासमुंद (छ.ग.)	ट्रैक्टर- आयशर 380 यूएसजे रजि. नं - CG 06 GW 3665, इंजन नं - S325L57717, चेसीस नं- 930313154624, मॉडल -2022	₹ 3,50,000/-	₹ 35,000/-
2.	**श्री सुमर ठाकुर** पिता श्री बूढ़ान ठाकुर, ग्राम- सोनासिल्ली, तहसील- पिथौरा, जिला- महासमुंद (छ.ग.)	ट्रैक्टर- आयशर 380 यूएसजे रजि. नं - CG 06 GX 0330, इंजन नं - S325L95229, चेसीस नं- 930813184038, मॉडल - 2022	₹ 3,50,000/-	₹ 35,000/-
3.	**श्री मुकेश पटेल** पिता श्री परमानंद पटेल, ग्राम- डोंगरीपाली, तहसील- पिथौरा, जिला- महासमुंद (छ.ग.)	ट्रैक्टर- आयशर 380 यूएसजे रजि. नं - CG 06 GX 0331, इंजन नं - S325M25515, चेसीस नं- 931313107438, मॉडल -2022	₹ 3,50,000/-	₹ 35,000/-

इच्छुक खरीददार न्यूनतम आरक्षित मूल्य (कॉलम 4) की 10 प्रतिशत राशि (कॉलम 4) का ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक जो शाखा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, शाखा- कौहाकूड़ा के नाम से देय हो, सादे पेपर में अपनी ऑफर राशि तथा अपनी आईडी प्रूफ, पता एवं फोन नंबर के साथ बंद लिफाफे में जमा करे। निविदा की नियम व शर्ते एवं वाहन निरीक्षण सम्बन्धी जानकारी हेतु इच्छुक व्यक्ति दिए हुए मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। **भारतीय स्टेट बैंक, शाखा- कौहाकूड़ा में निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 29.12.2025 सायं 4.00 बजे, तक, निविदा खोलने की तिथि 30.12.2025 प्रातः 11.00 बजे, स्थान - भारतीय स्टेट बैंक, शाखा- कौहाकूड़ा नियत की गई है।** बैंक के पास बिना कोई कारण बताये कोई भी निविदा /सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया निरस्त करने अथवा स्थगित करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

दिनांक: 21.12.2025, स्थान- कौहाकूड़ा **प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक**

गोवा सिर्फ नाइटलाइफ नहीं, आध्यात्मिकता का भी खजाना, यहां मौजूद हैं चार प्रसिद्ध मंदिर

गोवा। गोवा का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के मन में बीच, पार्टी और रंगीन नाइटलाइफ की तस्वीर उभरती है लेकिन गोवा सिर्फ आधुनिक जीवनशैली का प्रतीक नहीं है, बल्कि अपनी समृद्ध विरासत, प्राचीन मंदिरों और आध्यात्मिक शांति के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां कई ऐतिहासिक और कलात्मक मंदिर हैं, जहां पहुंचकर मन को अद्भुत शांति और सकारात्मकता का अनुभव होता है। यदि आप गोवा की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो घूमने के साथ-साथ इन प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन अवश्य करें।

भगवान शिव को समर्पित मंगेशी मंदिर

गोवा का सबसे लोकप्रिय और भव्य मंदिर मंगेशी मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। करीब 400 साल पुराना यह मंदिर सफेद रंग की पारंपरिक गोअन वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। यहां सालभर भक्तों की भीड़ लगी रहती है। शांत वातावरण, विशाल आंगन और प्राचीन दीपस्तंभ इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं।

लाल-सफेद पत्थरों से बना शांतादुर्गा मंदिर

पहाड़ियों के बीच बसे इस खूबसूरत मंदिर को देवी शांतादुर्गा को समर्पित किया गया है, जो भगवान शिव और विष्णु के बीच हुए विवाद में मध्यस्थ बनी थीं। लाल और सफेद पत्थरों से निर्मित यह मंदिर गोवा की पारंपरिक स्थापत्य शैली का अनोखा रूप प्रस्तुत करता है। यहां के शांत बगीचे, खुले परिसर और दिव्य वातावरण कपल्स और परिवारों के लिए बेहद सुकूनदायक अनुभव प्रदान करते हैं।

महालसा नारायणी मंदिर

यह मंदिर अपनी विशाल कांस्य की घंटे के लिए पहचाना जाता है, जिसकी मधुर ध्वनि दूर तक सुनाई देती है। मोलेम क्षेत्र के पास स्थित यह मंदिर देवी महालसा नारायणी (मोहिनी अवतार) को समर्पित है। नक्काशीदार स्तंभ, पारंपरिक गोअन सजावट और उत्सवों के दौरान होने वाली भव्य सजावट इस मंदिर को और विशेष बनाती है।

प्रमुख शक्तिपीठ श्री कामाक्षी मंदिर

गोवा के प्रमुख शक्तिपीठों में शामिल श्री कामाक्षी मंदिर देवी कामाक्षी की आराधना का प्रमुख केंद्र है। कोंकणी और गोअन शैली की मिश्रित वास्तुकला से बना यह मंदिर आध्यात्मिकता और सौंदर्य का अनोखा संगम है। यहां की शांति, विशाल प्रांगण और गरिमामयी मूर्ति भक्तों को अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कराती है।

दुनिया की ऐसी 7 जगह जो दिखती तो सुंदर हैं, लेकिन वहां जाना मौत से मिलने जैसा

दुनिया में खूबसूरत जगहों की कोई कमी नहीं है, लेकिन कुछ जगहें जितनी आकर्षक होती हैं, उतनी ही खतरनाक भी साबित हो सकती हैं। ये डेस्टिनेशन अपने असाधारण प्राकृतिक हालात और अनछुए माहौल से एडवेंचर पसंद करने वालों को अपनी ओर खींचते हैं, लेकिन इन्हें देखने के लिए बहुत हिम्मत, तैयारी और रिस्क लेने का जुनून चाहिए। हालांकि, इनमें से कुछ जगहें इतनी खतरनाक हैं कि वहां जाने के लिए आपको खास परमिट की ज़रूरत होती है, और कुछ तो इंसानों के लिए बैन भी हैं।

जहरीले सांपों का घर स्नेक आइलैंड, ब्राज़ील

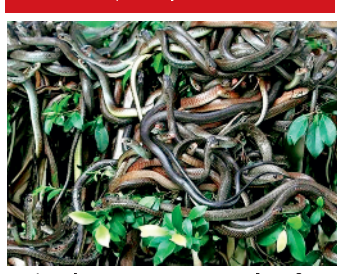

ब्राज़ील के तट पर बसा यह आइलैंड दुनिया के सबसे जहरीले सांपों का घर है। यहां दुर्लभ और बहुत खतरनाक प्रजाति, गोल्डन लांसहेड वाइपर, पाई जाती है, और इनकी संख्या इतनी ज़्यादा है कि हर कदम पर सांप मिलने की संभावना है। सुरक्षा कारणों से, इस जगह पर टूरिस्ट की एंट्री पूरी तरह से मना है।

नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड, इंडिया

अंडमान आइलैंड का हिस्सा, यह आइलैंड सेंटिनलीज़ ट्राइब के लिए जाना जाता है, जो वहां बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग-थलग रहते हैं। वे बाहरी लोगों को पास आने नहीं देते और गुस्से में रिएक्ट करते हैं। वहां जाना न सिर्फ गैर-कानूनी है बल्कि जानलेवा भी हो सकता है।

डानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया

धरती की सबसे गर्म जगहों में से एक माना जाने वाला डानाकिल डिप्रेशन ज्वालामुखी एक्टिविटी, एसिडिक झीलों और जहरीली गैसों के लिए जाना जाता है। दिन में टेम्परेचर 50 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा हो सकता है। इसके रंगीन लेकिन खतरनाक सल्फर पूल इसे खूबसूरत और डरावना दोनों बनाते हैं।

डेथ वैली सबसे सूखी जगह, यूएसए

कैलिफ़ोर्निया और नेवाडा के बीच मौजूद, डेथ वैली दुनिया की सबसे गर्म और सबसे सूखी जगह है। यहां टेम्परेचर अक्सर 54 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा हो जाता है। पानी और छांव की कमी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा होता है। इसलिए, बिना तैयारी के जाना जानलेवा हो सकता है।

बिकिनी एटोल, मार्शल आइलैंड्स

यह शांत दिखने वाला आइलैंड कभी न्यूक्लियर टेस्टिंग सेंटर था। मिट्टी, पानी और समुद्री जीवों में रेडिएशन की मौजूदगी जानलेवा है। इसके अलावा, आस-पास के पानी में बड़ी संख्या में शार्क रहती हैं, जो इंसानों के लिए खतरनाक हैं।

माउंट एवरेस्ट, नेपाल

दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना हर माउंटेन क्लाइंबर का सपना होता है, लेकिन यह बहुत खतरनाक जगह भी है। ऑक्सीजन की कमी, एवलांच, बहुत ज़्यादा ठंड और ट्रैफिक जाम जैसी दिक्कतें इसे जानलेवा बना देती हैं।

लेक नेट्रॉन, तंजानिया

यह नमकीन झील अपने एल्कलाइन पानी और लाल रंग के लिए मशहूर है। ऐसा ज्वालामुखी की एक्टिविटी की वजह से होता है, और पानी को छूने से जलन हो सकती है और मौत भी हो सकती है।

ईसा मसीह की सदियों से गायब दुर्लभ पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

वर्सलीज (फ्रांस)। बारोक शैली के दिग्गज कलाकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक दुर्लभ और लंबे समय तक गुम रही पेंटिंग आखिरकार फिर से दुनिया के सामने आ गई है। यह अनमोल कलाकृति रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में करीब 27 लाख अमेरिकी डॉलर में खरीदी गई। यह वही पेंटिंग है जिसे हाल ही में पेरिस स्थित एक निजी हवेली से खोजा गया था। चार सौ वर्षों से भी ज्यादा पुरानी इस कला कृति में ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने के अंतिम क्षणों का चित्रण है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ओसेना बताते हैं "पहली ही नजर में हमें शक हुआ कि यह साधारण खोज नहीं है। गहन जांच और शोध के बाद 'रुबेनियानम' समिति ने इसे रूबेन्स की असली रचना के रूप में प्रमाणित किया।"

क्यों अनोखी है यह पेंटिंग?

विशेषज्ञों के अनुसार, रूबेन्स ने अपने करियर में क्रूसीफिक्शन के कई दृश्य रचे, लेकिन ईसा के देहांत के क्षणों को इतनी मार्मिकता और दुर्लभ तत्वों के साथ उन्होंने लगभग कभी नहीं उतारा। कला इतिहासकारों का दावा है कि यह इकलौती पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के घाव से रक्त और पानी एक साथ बहते हुए दर्शाए गए हैं। यही विवरण इसे रूबेन्स की अन्य कृतियों से अलग और अत्यंत कीमती बनाता है।

सदियों से गायब रहने की दास्तां

ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार यह पेंटिंग 17वीं सदी की शुरुआत के बाद रहस्यमयी ढंग से अस्तित्व से गायब हो गई थी। माना जाता है कि 19वीं सदी में प्रसिद्ध फ्रांसीसी चित्रकार विलियम बूगुएरो के निजी संग्रह में यह चित्र मौजूद था। बाद में पीढ़ियों तक उनके परिवार के पास रहा और कभी सार्वजनिक प्रदर्शनी में नहीं आया। इस गुमशुदा खजाने का अचानक मिल जाना कला जगत के लिए किसी रोमांचक खोज से कम नहीं है।

गवाहों को गीता की कसम क्यों दिलाई जाती है, रामायण की क्यों नहीं?

कोर्ट रूम में जज किसी गवाह का बयान लेने से पहले उसे दिलाते हैं गीता की शपथ

नई दिल्ली। हम सभी ने अक्सर फिल्मों और टीवी धारावाहिकों में देखा है कि कोर्ट रूम में जज किसी गवाह का बयान लेने से पहले उसे गीता की शपथ दिलाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर गवाहों को गीता की ही कसम क्यों खिलाई जाती है, रामायण की क्यों नहीं? इसके पीछे ऐतिहासिक और धार्मिक कारण हैं।

मुगल काल में लोग अपने धर्म की लेते थे शपथ

दरअसल, भारत में जब मुगल शासकों का शासन था, तब उन्होंने अपने नागरिकों की बातों पर विश्वास बनाए रखने के लिए एक प्रथा शुरू की थी, जिसमें गवाहों को उनके धर्मग्रंथ पर हाथ रखकर शपथ दिलाई जाती थी। उस समय हिंदू धर्म के अनुयायी गीता, मुस्लिम धर्म के लोग कुरान, और ईसाई धर्म के लोग बाइबल पर शपथ खाते थे क्योंकि मुगल शासनकाल में यह दरबारी प्रथा थी।

गीता का संदेश माना जाता है सार्वभौमिक

साथ ही, गीता का संदेश सार्वभौमिक है और यह केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं, बल्कि किसी भी व्यक्ति के लिए नैतिक दिशा निर्देश प्रदान करती है। इसलिए गवाहों की शपथ के लिए गीता का चयन इस दृष्टि से भी उपयुक्त माना गया है कि यह सत्य, न्याय और कर्तव्यपरायणता का प्रतीक है। यही कारण है कि कोर्ट रूम में आज भी गीता पर हाथ रखकर शपथ लेने की प्रथा को अपनाया जाता है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और नैतिकता बनी रहे।

गीता की शपथ दिलाने का मुख्य कारण

अदालतों में गीता की शपथ दिलाने का मुख्य कारण यह है कि गीता केवल युद्ध या महाभारत का वर्णन नहीं करती, बल्कि जीवन में सत्य, धर्म और नैतिक आचरण का मार्गदर्शन भी देती है। रामायण में भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन का विवरण है और यह धार्मिक एवं नैतिक शिक्षा देती है, लेकिन गीता में व्यक्ति को हर परिस्थिति में सच्चाई, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की सीख मिलती है। यही कारण है कि अदालत में गवाहों को गीता की शपथ दिलाई जाती है, ताकि वे अपने बयान में सत्य का पालन करें और न्याय प्रक्रिया में ईमानदारी बरतें।

अंग्रेजों ने बदली व्यवस्था, बदला कानून

अंग्रेजों ने इसे कानूनी रूप दिया और इसे इंडियन ओथ्स एक्ट, 1873 में शामिल कर सभी अदालतों में लागू किया। इस एक्ट के तहत शपथ लेने की परंपरा धार्मिक ग्रंथों के आधार पर तय की गई थी। स्वतंत्र भारत में यह प्रथा धीरे-धीरे बदलती रही और 1969 में ओथ्स एक्ट, 1969 लागू किया गया, जिससे देश में एक समान शपथ कानून लागू हुआ। अब किसी भी व्यक्ति को उसके धर्म के अनुसार या अपने विश्वास के अनुसार शपथ लेने का अधिकार है। तो फिर गीता पर ही क्यों शपथ दिलाई जाती है?

हर देश की अपनी नूडल्स स्टोरी! हर देश में अलग ढंग से बनती है नूडल्स की डिशेज

नई दिल्ली। नूडल्स एक ऐसा फूड है जिसे लगभग हर किसी ने कभी न कभी जरूर खाया है। चाहे जल्दी में कुछ खाना हो या सिर्फ स्वाद की इच्छा हो, इंस्टेंट नूडल्स हर किसी की पसंद बन चुके हैं। यही वजह है कि नूडल्स आज दुनियाभर में सबसे ज़्यादा खाए जाने वाले फूड्स में से एक हैं। नूडल्स से अलग-अलग देशों में तरह-तरह की स्वादिष्ट डिशेज बनती हैं। आपको बता दें कि वर्ल्ड नूडल्स डे हर साल 6 अक्टूबर को मनाया जाता है। आइए जानते हैं दुनिया की सबसे मशहूर नूडल रेसिपीज के बारे में।

रामन – जापान

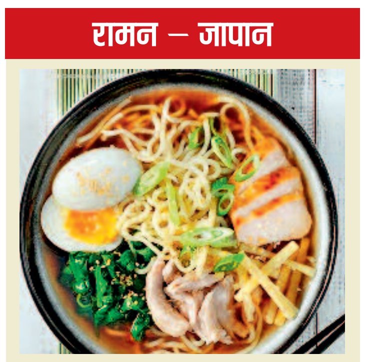

रामन एक जापानी नूडल सूप है जिसे खासतौर पर गाढ़े ब्रोथ, उबले अंडे, पोर्क, हरी प्याज और पतले नूडल्स के साथ तैयार किया जाता है। इसका स्वाद बेहद सुकून देने वाला होता है और इसे अब दुनियाभर में खाया जा रहा है।

फो – वियतनाम

फो एक राइस नूडल सूप है जिसे चिकन या बीफ और हर्ब्स के साथ परोसा जाता है। इसके ब्रोथ को घंटों तक पकाया जाता है, जिससे इसका स्वाद और खुशबू अनोखी हो जाती है।

पैड थाई – थाईलैंड

यह थाईलैंड का फेमस स्ट्रीट फूड है, जिसमें चावल के नूडल्स, अंडे, टोफू या श्रिंप, मूंगफली और बीन स्प्राउट्स मिलाए जाते हैं। इसका स्वाद हल्का, मीठा, खट्टा और तीखा होता है।

चाऊमीन – चीन

चीन की यह स्टर फ्राइड नूडल डिश भारत में भी बेहद लोकप्रिय है। सब्जियों, चिकन, झींगा और खास सॉस के साथ झटपट तैयार होने वाली इस डिश को दुनिया में अलग-अलग तरीके से बनाया जाता है।

समंदर में डूबा 2000 साल पुराना रहस्य, प्रकट हुआ तो चौंक गए वैज्ञानिक, 115 फीट लंबा मनोरंजन का अड्डा मिला

अलेक्जेंड्रिया। कई बार परातत्व वैज्ञानिकों को खोज करते-करते कुछ ऐसा मिल जाता है, जिसकी उन्हें उम्मीद नहीं होती है। जब ऐसी चीजें खुद ब खुद सामने आ जाती हैं, तो इतिहासकार भी चौंक जाते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ, जब मिस्त्र के अलेक्जेंड्रिया शहर के प्राचीन बंदरगाह में पुरातत्वविदों को एक बड़ी और अनोखी खोज मिली है। यूरोपीय अंडरवॉटर आर्कियोलॉजी संस्थान की टीम ने समुद्र के भीतर खुदाई के दौरान करीब 2000 साल पुराना रहस्य ढूंढ निकाला।

115 फीट लंबी शाही मनोरंजन नौका : ये कुछ और नहीं बल्कि पुरानी और शाही मनोरंजन नौका है। यह नाव अलेक्जेंड्रिया के बंदरगाह पोर्टस मैग्नस के अंदर स्थित एंटीरोडोस द्वीप के पास मिली। पुरातत्वविदों को इसके लगभग 90 फीट लंबे लकड़ी के हिस्से सुरक्षित मिले हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com